डालटनगंज
(मेदिनीनगर)
रविवार
13.11.2022
मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 05
विक्रम संवत 2079

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

रश्मि प्रवाह
जिस जगह पर दूसरों को समझाना नामुमकिन हो जाये, वहां खुद को समझा लेना ही समझदारी है।

www.rastriyanaveenmail.com
डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित
वर्ष-29 अंक-29 पृष्ठ-12, मूल्य ₹ 1.50

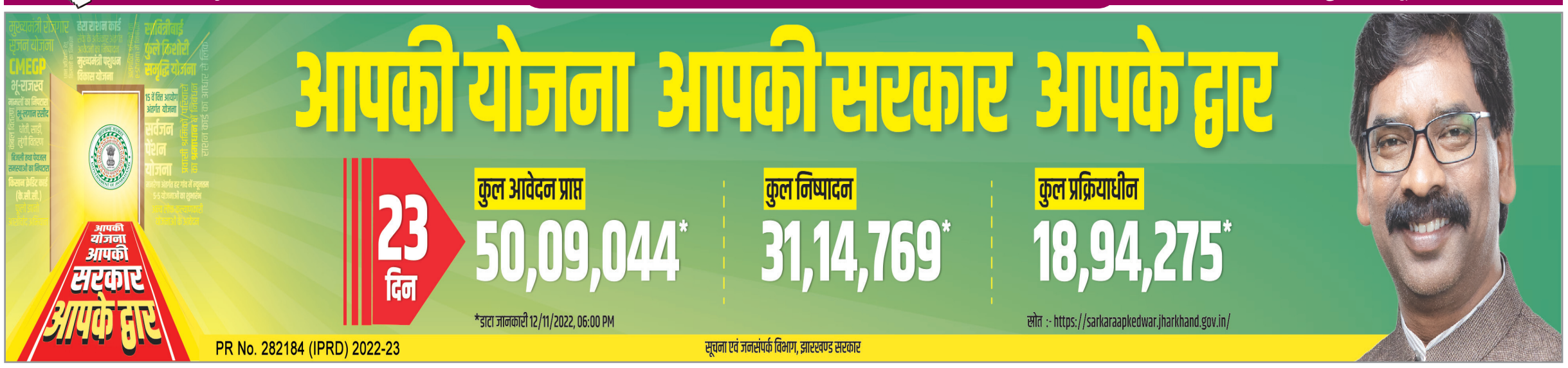

मुख्यमंत्री ने सरायकेला को दी कई सौगात

सरायकेला प्रखंड के साहेबगंज गांव में 100 बेड के अस्पताल निर्माण की घोषणा

नवीन मेल संवाददाता

रांची/सरायकेला। झारखंड के मूलवासियों-आदिवासियों को सशक्त पहचान देने के लिए 1932 का खतियान और सरना धर्म कोड को लागू किया गया है। सरकार ने दोनों विधेयक को विधानसभा से पारित करवा नौवीं अनुसूची में शामिल करने हेतु केंद्र सरकार को भेजा है, ताकि यहां के ओबीसी को आरक्षण, मूलवासियों-आदिवासियों को 1932 की पहचान और सरना धर्म कोड मिले। ये बातें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कही। मुख्यमंत्री शनिवार को सरायकेला में आयोजित आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के मानकी, मुंडा समेत सामाजिक अगुवा को सरकार आवास देने का कार्य भी जल्द करेगी।

सरकार को खुशी, लोगों की समस्याओं का हो रहा समाधान : मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव- गांव, पंचायत-पंचायत में शिविर लगाकर सरकार लोगों को उनका अधिकार दे रही है। आपकी सरकार शुरू किये गये कार्यों को मंजिल तक पहुंचाने की मंशा रखती है। आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार को लेकर लोगों के बीच उल्लास का माहौल है। राज्य के मूलवासी-आदिवासी की परंपरा और संस्कृति को ध्यान में रखकर योजनाएं बनायी है। अगर आप सभी इन योजनाओं का लाभ लेते हैं, तो झारखंड आगे बढ़ेगा। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सरकार मजबूत करना चाहती है। अबतक सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में 46 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं। 20 वर्ष में आखिर क्या कार्य हुए, जो इतने आवेदन आ रहे हैं। सरकार खुश है कि लोगों की समस्याओं का अब समाधान हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यवासी एक हाथ बढ़ायें, आपके दोनों हाथ ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

1066.81 करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास व परिसंपत्ति का वितरण

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सरायकेला के बिरसा मुंडा स्टेडियम में आयोजित आपकी योजना, आपकी सरकार कार्यक्रम में सरायकेला में नये अनुमंडलीय कार्यालय भवन, मॉडल डिग्री कॉलेज खरसावां और मॉडल डिग्री कॉलेज की सौगात भी दी साथ ही उन्होंने सरायकेला प्रखंड के साहेबगंज गांव में 100 बेड के अस्पताल निर्माण की घोषणा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 187 योजनाओं का शिलान्यास, 124 योजनाओं का उद्घाटन किया तथा इस मौके पर 63,856 लाभुकों के बीच परिसंपत्ति का भी वितरण हुआ। इस अवसर पर मंत्री चंपई सोरेन, सत्यानंद भोक्ता, बन्ना गुप्ता, विधायक ईचागढ़ सबिता महतो, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे, जिला परिषद अध्यक्ष सोना राम बोदरा, बीस सूत्री उपाध्यक्ष डॉ. शिवेंदु महतो, कोल्हान आयुक्त, डीआईजी कोल्हान एवं सरायकेला-खरसावां जिला के वरीय अधिकारीगण उपस्थित थे। गौरतलब है कि आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत सरायकेला-खरसावां में अब तक 126 शिविर के जरिये 1,15,644 आवेदन प्राप्त किये गये हैं जिसमें 70,921 आवेदनों का निष्पादन एवं 43,453 आवेदन प्रक्रियाधीन हैं।

राष्ट्रपति पर टिप्पणी को केंद्रीय मंत्री ने बताया दुर्भाग्यपूर्ण

ममता बनर्जी अपने मंत्रिमंडल से अखिल गिरि को तुरंत करे बर्खास्त : अर्जुन मुंडा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा ने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार के मंत्री और टीएमसी नेता अखिल गिरि के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पर दिये गये बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। शनिवार को श्री मुंडा ने दिल्ली के 25 तुगलक रोड स्थित अपने आवास में एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि अखिल गिरि ने देश के राष्ट्रपति के ऊपर जिस तरीके से अभद्र टिप्पणी की है, वह घोर निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। आश्चर्य की बात यह है कि पश्चिम बंगाल की सरकार, जहां स्वंय एक महिला मुख्यमंत्री है, और उसके मंत्रिमंडल के सदस्य खुलेआम देश की महिला जनजाति राष्ट्रपति के ऊपर इस प्रकार का अभद्र टिप्पणी कर रहे हैं। इस मामले में ममता बनर्जी को स्वंय स्पष्टीकरण देना चाहिए। क्योंकि, टीएमसी के मंत्री ने इस तरह का गलत बयान दिया है। यह बयान उन्होंने किसके कहने पर दिया है, यह बयान देश को अपमान करनेवाला है। ऐसे मंत्री को ममता बनर्जी को अपने मंत्रिमंडल से तुरंत बर्खास्त करना चाहिए और इस तरह के बयानों के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए। टीएमसी नेता के बयानों से स्पष्ट होता है कि यह टीएमसी के चरित्र में है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की सरकार, देश के आदिवासियों और पश्चिम बंगाल के आदिवासियों का भी शोषण करती रही है। श्री मुंडा ने बयान की घोर निंदा करते हुए कहा कि करता ये बयान अशांति फैलानेवाले हैं।

बाल गृह से संचालक को चकमा देकर तीन बच्चे फरार

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू के प्रमंडलीय मुख्यालय मेदिनीनगर के कांडू मोहल्ला स्थित बाल गृह से संचालक को चकमा देकर तीन बच्चे फरार हो गये। घटना शुक्रवार की शाम की है। इसे लेकर बाल गृह के अधीक्षक ने शहर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। मेदिनीनगर के कांदू मोहल्ला में बात्सल्य धाम नाम से एक बाल गृह का संचालन होता है। जिसका प्रबंधन स्वयंसेवी संस्था द्वारा किया जाता है। इस बाल गृह में वैसे बच्चों को रखा जाता है जो अनाथ है या जिनके अभिभावक बच्चों का परवरिश नहीं कर पाते। जिला बाल संरक्षण समिति इसकी मॉनिटरिंग करती है। बीते 11 नवंबर को दोपहर के भोजन के बाद जब बच्चे खेल रहे थे तो करीब तीन से चार बजे रंजन कुमार घासी 8 वर्ष पिता हरिहर महादेव, अघन कोरवा 14 वर्ष पिता स्वर्गीय रामप्रसाद कोरवा और मिथिलेश भुइयां 10 वर्ष पिता महेद्र भुइयां दीवार फांद कर भाग गए। रंजन कुमार घासी गढ़वा का रहने वाला है। अघन और मिथिलेश पलामू जिले का निवासी है। ज्ञात हो की बच्चों की पहरेदारी के लिए केंद्र में गार्ड का

प्रावधान है। केंद्र के मुताबिक गार्ड की ड्यूटी भी थी, ऐसे में कैसे ये बच्चे दीवार फांद कर भाग गए । यह संदेह पैदा करता है। पुलिस फिलहाल सभी पहलुओं पर अनुसंधान कर रही है। इधर बाल गृह से बच्चे के फरार होने की खबर से बाल सुधार गृह वाले परेशान हो गए। इसकी खबर मीडिया में आते ही सीआईडी व पत्रकार सभी सक्रिय हो गए है। बाल सुधार गृह जेल के पास जेलहाता में है । जहां सजा प्राप्त बाल कैदियों को रखा जाता है।वहीं बाल गृह कांदू मुहल्ला में एनजीओ द्वारा संचालित है, जहां अनाथ या असहाय बच्चों को आश्रय दिया जाता है।

पलामू में 20 हजार नये लाभुकों के पेंशन की स्वीकृति

अजय कुमार पांडे

मेदिनीनगर। सर्वजन योजना मैं 20000 नये लाभुकों के पेंशन की मिली स्वीकृति। पलामू जिले में सर्वजन योजना के तहत मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, निराश्रित महिला सम्मान पेंशन और आदिम जनजाति पेंशन योजना की 20,000 नये लाभुकों के पेंशन की स्वीकृति प्रदान की गई है। नये लाभुकों का गत जुलाई माह के पेंशन की राशि का भुगतान खाते में कर दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार राज्य सरकार के निर्देश के आलोक में गत जुलाई माह में विशेष अभियान के तहत नये पेंशन धारियों में विश्रामपुर में 1101, चैनपुर में 1751, छतरपुर में 1241, हैदरनगर में 823, हरिहरगंज में 1256, हुसैनाबाद में 1756, मनातू में 500, मोहम्मद गंज में 234, नौडीहा बाजार में 1085, नावा बाजार में 560, नीलांबर-पीतांबर पुरम मैं 599, पांडू में 444, पड़वा में 494, पाकी में 1633, पाटन में 604, पिपरा में 935, मेदिनीनगर सदर में 2135, तरह सी में 1298 और उंटारी रोड में 192 शामिल है। इस संबंध में पलामू जिला के सामाजिक सुरक्षा कोषांग के सहायक निदेशक पीयूष ने बताया की लाभुकों का पेंशन पोर्टल पर प्रविष्टि के उपरांत गत जुलाई माह के पेंशन राशि खाते में डाल दिया गया है।

मोदी सरकार आतंकवाद को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने की नीति पर चल रही है : गृह मंत्रालय

नयी दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार आतंकवाद को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने की नीति पर चल रही है और इस बुराई के विरूद्ध भारत की लड़ाई में उसके संकल्प से अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को अवगत करायेगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि वह यहां 18-19 नवम्बर को आतंकवाद के लिए कोई पैसा नहीं (एनएमएफटी) विषयक तीसरा मंत्रिस्तरीय सम्मेलन आयोजित कर रहा है जिसमें 75 देशों एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि दो दिनों तक परिचर्चा में हिस्सा लेंगे। मंत्रालय के बयान के अनुसार, एनएमएफटी सम्मेलन की मेजबानी अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद के मुद्दे, इस बुराई को बिल्कुल नहीं बर्दाश्त नहीं करने की उसकी नीति, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में इस मुद्देपर चर्चा कराने को मोदी सरकार द्वारा दी जा रही अहमियत को दर्शाती है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह इस सम्मेलन में शिरकत करेंगे तथा आतंकवाद

के विरूद्ध लड़ाई में सफलता हासिल करने के लिए आतंकवाद एवं उसके सहयोग तंत्र के खिलाफ संघर्ष में भारत का संकल्प सामने रखेंगे। बयान के अनुसार इस सम्मेलन का लक्ष्य, पेरिस (2018) और मेलबर्न (2019) के पिछले दो सम्मेलनों में आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला करने के विषय पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने जो चर्चा की थी, उसे आगे ले जाना है। उसका मकसद आतंकवाद वित्तपोषण के सभी पक्षों के तकनीकी, कानूनी एवं सहयोग पहलुओं पर चर्चा शामिल को करना है। उसमें आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला करने पर केंद्रित अन्य उच्च स्तरीय आधिकारिक एवं राजनीतिक चर्चा को गति प्रदान करने की कोशिश की जायेगी। दुनियाभर में कई देश वर्षों से आतंकवाद एवं उग्रवाद से पीड़ित हैं। इस हिंसा के स्वरूप भले ही भिन्न भिन्न हैं लेकिन वह काफी हद तक अस्थिर भू-राजनीतिक माहौल एवं दीर्घकालिक जातीय संघर्षों के कारण उत्पन्न होती है। भारत ने पिछले तीन दशकों से अधिक समय से आतंकवाद के विभिन्न रूपों को झेला है, इसलिए वह इस स्थिति से प्रभावित देशों की पीड़ा समझता है।

तुपुदाना रिंग रोड पर बस और ट्रक में भीषण टक्कर, तीन की मौत

नवीन मेल संवाददाता

- घटना में 35 से 40 अन्य यात्री घायल, कई गंभीर
- सभी घायलों को विभिन्न अस्पतालों में कराया गया है भर्ती

रांची। रांची के तुपुदाना रिंग रोड के टुंगरी चौक के पास यात्री बस और ट्रक में जबरदस्त टक्कर हो गयी। इस घटना में तीन यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि 35 से 40 यात्री घायल हो गये। घटना शनिवार शाम चार बजे उस समय हुई, जब बस यात्रियों को लेकर खूंटी जा रहा था। इसमें से अधिकतर यात्री खूंटी के ही थे। मृतक में सेना से सेवानिवृत जवान कोमल भुइंया, जीतू पाहन व एक अन्य शामिल है। कोमल खूंटी के रहनेवाले थे। जानकारी के अनुसार भोली बस शनिवार को कांटाटोली खादगढ़ा बस स्टैंड से खूंटी-तपकरा जा रही थी। वहीं, खूंटी की ओर से हरा मिर्चा लोड ट्रक आ रहा था। भोली बस के चालक ने डुमरी मोड़ से तेज रफ्तार में बस को मोड़ा। विपरीत दिशा से आ रही ट्रक और बस में आमने-सामने भीषण टक्कर हो गयी जिससे बस मौके पर पलट गयी। टक्कर इतनी जबरस्त थी कि बस और ट्रक के सामने का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास में मौजूद लोग दौड़े। बस से चीखने-पुकारने की आवाज आने लगी। घटना की जानकारी मिलने के बाद हटिया डीएसपी राजा मित्रा और तुपुदाना ओपी प्रभारी मीरा सिंह पुलिस बस के साथ मौके पर पहुंच गये। स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

राज्यपाल ने 'रांची टैक्स कॉन्फ्रेंस' का किया उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड इनकम टैक्स बार एसोसिएशन और झारखंड कॉमर्शियल टैक्सेस बार एसोसिएशन द्वारा ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टैक्स प्रैक्टिशनर्स की 46वीं वर्षगांठ के अवसर पर शनिवार को रांची में 'रांची टैक्स कॉन्फ्रेंस' का आयोजन किया गया। कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल रमेश बैस ने किया। इस दौरान राज्यपाल रमेश बैस ने कहा कि उन्हें कार्यक्रम में सम्मिलित होकर बहुत ही प्रसन्नता हो रही है। आयोजक को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में देशभर से लोग शामिल हुए हैं उनको भी बधाई। राज्यपाल रमेश बैस ने कहा कि खुशी की बात है कि ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टैक्स प्रैक्टिशनर 1973 से काम कर रहे हैं। टैक्स पेटीशनर को अपडेट रहने की जरूरत है जिससे करदाता का उनके प्रति विश्वसनीयता बनी रहे तथा करदाताओं को कोई दिक्कत ना हो। साथ ही टैक्स अथॉरिटी को भी इससे सुविधा

हो। उन्होंने कहा कि हम सब जानते हैं कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) हमारे देश की महत्वपूर्ण कर संरचना है। यह हमारे देश की आजादी के बाद कर प्रणाली का सबसे बड़ा सुधार है। वस्तु एवं सेवा कर देश के सबसे बड़े अप्रत्यक्ष कर सुधारों में से एक है, कई महत्वपूर्ण सिफारिशें और सुझाव जीएसटी परिषद द्वारा शामिल किये गये हैं। 'वन नेशन वन टैक्स' के नारे के साथ इसे पेश किया गया था। राज्यपाल ने कहा कि यह जानकर खुशी हो रही है कि फेडरेशन के सदस्य देश में कराधान से संबंधित कानून बनाने में सहयोग देने हेतु सक्रिय रहते हैं और अपना सहयोग प्रदान करते हैं। कर संग्रह से संबंधित न्यायिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में इस संस्था का अहम योगदान है। जनहित में कर से संबंधित बेवजह संशय को दूर करने के लिए इस प्रकार की विश्वसनीय संस्था को और गतिशील व सक्रिय होकर कार्य करने का प्रयास करना चाहिए। इसके लिये आप लोगों द्वारा समय-समय पर सेमिनार, जागरूकता कार्यक्रम एवं कैंप का भी आयोजन किया जा सकता है। इन संस्थाओं को समय पर कर भुगतान के लिए करदाताओं को जागरूक करने की दिशा में भी निरंतर प्रयास कर राष्ट्रहित में अपना योगदान देना चाहिए। सभी नागरिकों के लिए अपने संबंधित करों का भुगतान बहुत जरूरी है। आप सभी जनमानस को राष्ट्र एवं राज्यहित में राजस्व के महत्व के बारे में अवगत करायें, राजस्व से योजना का आकार और विकास की रूपरेखा तय होती है।

उलिहातू में राष्ट्रपति के आगमन को लेकर युद्धस्तर पर तैयारी, बन रहे आठ हेलिपैड

नवीन मेल संवाददाता

खूंटी। उलिहातू में राष्ट्रपति आगमन को लेकर युद्ध स्तर पर तैयारी की जा रही है। साफ-सफाई के साथ साथ रंग-रोगन और सौंदर्यीकरण का काम अंतिम चरण में है। उलिहातू में भगवान बिरसा मुंडा परिसर में पेंटिंग के माध्यम से भगवान बिरसा की जीवनी को जीवंत बनाने का प्रयास किया गया है। भगवान बिरसा मुंडा की वंशावली और इतिहास को शिलापट्ट में नये लुक में स्थापित किया जा रहा है। आकर्षक विद्युत लाइट और साज-सज्जा के कार्य मे कई मजदूर लगे हैं। बिरसा ओड़ा की सौंदर्यीकरण का कार्य अंतिम चरण में है। बिरसा ओड़ा परिसर की चाहरदीवारी में सोहराई पेंटिंग के माध्यम से जनजातीय परंपरा को जीवंत बनाने की कोशिश की गयी है। साथ ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन पर खूंटी और उलिहातू में अलग-अलग अस्थायी हेलिपैड का निर्माण कराया जा रहा है। पहली बार हेलिपैड में गोबर से लिपाई पुताई का कार्य कराया जा रहा है। जनजातीय समाज मे गोबर शुभ और इको-फ्रेंडली माना जाता है। जनजातीय समाज में पर्व-त्योहारों के मौके पर पूजन स्थल की गोबर से लिपाई की जाती है। घर आंगन की साफ-सफाई में भी गोबर का इस्तेमाल किया जाता है। नवनिर्मित अस्थायी हेलिपैड में दर्जनों महिलाएं गोबर से लिपाई-पुताई का कार्य करने में जुटी हैं। गोबर से लिपाई करने से हेलीकॉप्टर के उतरने और उड़ान भरते वक्त धूल का गुब्बार नहीं उठेगा और वायु प्रदूषण रहित हेलिपैड होगा।

मतदाता सूची को लेकर आयुक्त ने की बैठक

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम-2023 की शुरूआत की गई है। इस दौरान मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने, संशोधित करने, फोटो अपडेट करने आदि से संबंधित दावा आपत्ति संबंधित प्रपत्र प्राप्त की जा रही है। यह कार्यक्रम 9 नवंबर से शुरू हुई है, जो 8 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान यदि कोई नागरिक 1 जनवरी 2023 को या इसके पूर्व 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हैं एवं मतदाता बनने की अहर्ता रखते हैं, तो मतदाता सूची में नाम सम्मिलित करने हेतु आवेदन कर सकते हैं। जिले में डोर-टू-डोर अभियान चलाकर मतदाता सूची में नाम जोड़वाना सुनिश्चित करायें। यह बातें मतदाता सूची प्रेक्षक-सह-आयुक्त जटा शंकर चौधरी ने कही। वे आज गढ़वा जिले के समाहरणालय सभागार में मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम-2023 के तहत सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, अन्य जनप्रतिनिधियों, जिला निर्वाचन पदाधिकारी, निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे।

उन्होंने जेएसएलपीएस के सहयोग से सखी मंडल की दीदियों को लगाकर महिलाओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने हेतू प्रेरित करने का निर्देश दिया। आधार को मतदाता पहचान पत्र से जोड़ने में गढ़वा जिला अव्वल आने पर जिला प्रशासन को बधाई दी।

स्वीप के तहत चलायें जागरूकता कार्यक्रम: आयुक्त ने आम मतदाताओं में जागरूकता लाने के उद्देश्य से स्वीप के तहत मतदान केंद्र स्तर से लेकर जिला स्तर तक विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करने का भी निर्देश दिया। आयोजित बैठक में मतदाता सूची प्रेक्षक-सह- आयुक्त जटा शंकर चौधरी, जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह-उपायुक्त रमेश घोलप, अपर समाहर्ता पंकज कुमार सिंह, उप निर्वाचन पदाधिकारी अरूण उरांव, गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह-गढ़वा के अनुमंडल पदाधिकारी राज महेश्वरम, भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी -सह-श्री बंशीधर नगर के अनुमंडल पदाधिकारी आलोक कुमार, चिनिया के सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी काली दास मुंडा, गढ़वा के सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी- सह- अंचल अधिकारी मयंक भूषण, भवनाथपुर के सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी- सह- प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो, नगर उंटारी के सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह- प्रखंड विकास पदाधिकारी श्रवण राम, डंडई के सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी- सह-प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमा उरांव आदि उपस्थित थे। वहीं विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधिगण आदि उपस्थित थे।

भाजपा ने जन आक्रोश रैली निकाल जताया विरोध

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा शनिवार को कार्यक्रम प्रभारी पूर्व जिला अध्यक्ष नरेन्द्र पांडेय के नेतृत्व में हेमंत सरकार के जनविरोधी नीतियों के विरोध में प्रखंड मुख्यालय में वर्तमान झारखंड सरकार के खिलाफ जनाक्रोश रैली निकालने के साथ धरना प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का संचालन मंडल अध्यक्ष बल्लू बलराम ने किया। रैली में कार्यकर्ता हाथों में सरकार विरोधी नारों के साथ बैनर लिए झारखंड सरकार हाय-हाय, हेमंत सरकार गद्दी छोड़ो, किसानों का शोषण बंद करो आदी नारों के साथ मिडिल स्कूल के मैदान से चल कर हरिहरगंज प्रखंड कार्यलय पहुंच कर धरना प्रदर्शन किया। इस अवसर पर भाजपा नेताओं ने कहा कि राज्य की वर्तमान हेमंत सरकार हर मोर्चे पर विफल है। वही अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर है। इस सरकार के क्रिया कलापों से किसान मजदूर छात्र व्यवसायी सभी परेशान हैं। मौके पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रविंद्र कुमार सिंह उर्फ बबलू सिंह, विनोद कुमार सिंह, भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष राजीव रंजन, सांसद प्रतिनिधि अरुण मिश्रा, लाल सहित सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल थें।

15 सखी मंडल के बीच 20 लाख का चेक वितरण

नवीन मेल संवाददाता

पाटन। सुदूरवर्ती क्षेत्र नावाखास पंचायत में शुक्रवार को सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्वलित के साथ किया गया। मौके पर बीडीओ मनोज कुमार,सीओ लाल बाबू,प्रमुख शोभा देवी,जिप सदस्य रीता देवी,मुखिया मनोज कुमार व उप प्रमुख अमरेश कुमार उपस्थित रहे। मनरेगा कंप्यूटर सहायक धीरज सिंह के द्वारा किया गया । शिविर के बारे में उन्होंने ग्रामीणों को बताया कि जेएसएलपीएस के द्वारा पंद्रह सखी मंडल को बीस लाख का चेक प्रदान किया गया। मौके पर जिप सदस्य रीता देवी ने कहा कि सरकार महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने व आत्मनिर्भर बनने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। जिससे महिलायें हर क्षेत्र में आगे बढ़ सकें। शिविर में बीडीओ मनोज कुमार ने उपस्थित लोगों के बीच सरकार के जन उपयोगी योजनाओं के बारे में बताते हुए शिविर में लगे सभी विभाग के स्टॉल के बारे में विस्तृत जानकारी दिया। शिविर में सबसे अधिक सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्ध योजना,पेंशन योजना, आवास योजना में आवेदन प्राप्त हुए। साथ ही साथ मनरेगा, राशनकार्ड, कल्याण विभाग ,ई-श्रम,भू-राजस्व, स्वास्थ्य विभाग व अन्य योजनाओ का भी स्टॉल लगाया गया था। जिसमें अधिक से अधिक आवेदन का ऑनस्पॉट निष्पादन किया गया। मौके पर जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष रणजीत सिंह,बीस सूत्री उपाध्यक्ष उमाकांत सिंह,बीपीओ रणधीर जयसवाल,पूर्व मुखिया चंद्रदेव सिंह,जनार्दन साहू,सीआई उमेश्वर यादव,बालविकास परियोजना से सुनिता कुमारी,जमील अख्तर, पेंशन से विष्णुदेव कुमार, कल्याण विभाग से उमेश मिश्र, नंद यादव, शक्ति गुप्ता व भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम संपन्न

आपके घर में योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही शिविर का उद्देश्य : अध्यक्ष

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। आपकी योजना,आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत हुसैनाबाद के जमुआ पंचायत में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बीडीओ रतन कुमार सिंह, सीओ नन्द कुमार राम व 20 सूत्री अध्यक्ष योगेंद्र कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का उद्घाटन किया। मौके पर जेएमएम के केंद्रीय समिति सदस्य वशिष्ठ कुमार सिंह के अलावे बड़ी संख्या में लाभुक उपस्थित थे। हुसैनाबाद के जमुआ में आयोजित शिविर में लाभुकों की काफी भीड़ देखने को मिली। मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए बीस सूत्री अध्यक्ष योगेंद्र कुमार सिंह उर्फ गुड्डू सिंह ने कहा कि इस कार्यक्रम के तहत अनुमंडल क्षेत्र में कहीं न कहीं प्रतिदिन कार्यक्रम किया जा रहा है। कोई भी हो, किसी भी उम्र के हों सभी वर्ग के लिये सरकार द्वारा कोई न कोई कार्यक्रम है। उन्हे शिविर में जुड़ने का अवसर मिलता है। योजनाओं का लाभ लाभुक के घर तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी को कोई भी समस्या हो तो वे बेझिझक अपनी समस्या संबंधित काउंटर पर रख सकते हैं। उन्होंने सभी से अपना ऑनलाइन निबंधन अनिवार्य रूप से करने की बात कही । ताकि उस आवेदन पर क्या कार्रवाई हुआ उसको ट्रैक किया जा सके। शिविर में कई लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। इसी तरह 100 से अधिक लाभुकों के बीच कंबल का वितरण किया गया। इसके अलावे सोना सोबरन योजना के तहत धोती लूंगी एवं साड़ी का वितरण किया गया। जबकि सर्वजन पेंशन योजना के तहत लाभुकों को ऑन स्पॉट पेंशन की स्वीकृति दी गयी। वहीं सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत आवेदन प्राप्त कर किशोरियों को तत्काल लाभ प्रदान किया गया। जेएसएलपीएस के मुद्रा लोन के तहत सखी मंडल की दीदियों को ऋण दिया गया। इसी तरह कृषि विभाग से किसानों के बीच एनएफएसएम योजना के तहत सरसो बीज का वितरण किया गया। कार्यक्रम में जेएमएम के केंद्रीय सदस्य वशिष्ठ कुमार सिंह, बीससूत्री अध्यक्ष योगेंद्र कुमार सिंह, एनसीपी के अनुमंडल अध्यक्ष विनय पासवान, पूर्व जिप सदस्य मदन पासवान समेत कई लोग शामिल थे।

समाजसेवी का निधन लोगों ने जताया शोक

हरिहरगंज। प्रखंड के भगत तेंदुआ गांव निवासी 55 वर्षीय समाजसेवी रामजन्म पासवान का निधन ब्रेन हेमरेज से रांची रिम्स में इलाज के दौरान हो गयी। उनका अंतिम दाह संस्कार कटैया गांव समीप बटाने नदी घाट पर किया गया। मुखाग्नि उनके ज्येष्ठ पुत्र पवन कुमार ने दिया। उनके दाह संस्कार में राजद के प्रदेश महासचिव सह समाजसेवी कमलेश कुमार यादव, अरविंद पासवान, रामजी पासवान, डॉ. संजय कुमार, गुप्ता पासवान विशाल पासवान, जनार्दन पासवान, विजय पासवान, विकास पासवान, उदय पासवान, परीखा पासवान आदि लोगों ने भाग लिया। उनके निधन पर उपस्थित समाजसेवियों ने 2 मिनट का मौन रखकर शोक संवेदना जताया।

उंटारी में भाजपा ने निकाला जन आक्रोश मार्च

उंटारी। रोड प्रखंड में भाजपा द्वारा राज्य सरकार के खिलाफ जन आक्रोश मार्च निकाला गया। मार्च की शुरूआत उंटारी मिडिल स्कूल से हुई। बाजार भ्रमण के बाद आक्रोश मार्च प्रखंड कार्यालय परिसर में पहुंचा जहां मार्च सभा में तब्दील हो गया। सभा की अध्यक्षता भाजपा ग्रमीण मंडल अध्यक्ष सुशील ठाकुर संचालन अरविंद मेहता ने किया। सभा में भाजपा नेताओं ने राज्य सरकार पर जमकर हमला बोला। कार्यक्रम प्रभारी वरीय भाजपा नेता रामचंद्र यादव ने कहा कि झारखंड की हेमंत सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हो चुकी है। राज्य सरकार विकास के बजाय तुष्टिकरण कर रही है। भाजपा कार्य समिति सदस्य डॉ. ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने कहा कि राज्य में दलितों व आदिवासियों पर अत्याचार हो रहा है। इस सरकार को उखाड़ फेंकना होगा। तभी जाकर राज्य का भला होगा। राज्य में विधि व्यवस्था चौपट हो चुका है। अपराध और लूट खसोट चरम पर है। राज्य में कानून नाम का कोई चीज दिखाई नही दे रहा है। मौके पर पलामू जिला के उपाध्यक्ष रामचंद्र यादव जी सुनील तिवारी मानदेव साहब युवा मोर्चा के अध्यक्ष अरविंद मेहता ओबीसी मोर्चा के राजेंद्र विश्वकर्मा युवा मोर्चा के पारस चौधरी महेंद्र शर्मा संजय सिंह सत्येंद्र सिंह राम लखन सिंह सुरेंद्र नाथ तिवारी नीरज तिवारी नंदू चौधरी पवन ठाकुर रमेश चंद्रवंशी पवन ठाकुर चंदेश्वर ठाकुर गुड्डू चंद्रवंशी बजरंगी साहब रामसेवक पासवान नीरज तिवारी रविंद्र नाथ उपाध्याय उपेंद्र सिंह श्यामसुंदर विश्वकर्मा राजेंद्र विश्वकर्मा मुरलीधर शर्मा अखिलेश दीक्षित प्रदीप दीक्षित राजाराम मेहता सरिता देवी रिंकू देवी सुमन देवी ग्रामीण मंडल के कई भाजपा नेता कार्यकर्ता मौजूद थे।

चैनपुर में भाजपा प्रखंड कार्यालय का घेराव-जन आक्रोश प्रदर्शन

मेदिनीनगर। झारखंड की हेमंत सरकार की गलत नीतियों के कारण राज्य में भ्रष्टाचार, अपराध चरम सीमा पर है। इसी के खिलाफ चैनपुर-पथरा भाजपा मंडल द्वारा प्रखंड कार्यालय का घेराव किया गया। चैनपुर मंडल अध्य्क्ष शशि भूषण पांडेय एवं पथरा मंडल अध्यक्ष सकेन्द्र चौधरी के संयुक्त अगुवाई में जन आक्रोश रैली निकाली गई। जो विवेकानंद चौक शाहपुर से शुरू होकर चैनपुर ब्लॉक कार्यालय तक गई। जिसमें हजारों कार्यकर्ताओं एवं जनता शामिल हुए। कार्यक्रम के बतौर मुख्य अतिथि भाजपा झारखंड प्रशिक्षण प्रमुख मनोज कुमार सिंह ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा वर्तमान में झारखंड की हेमंत सरकार आदिवासी, युवा, महिला, दलित, पिछड़ा, किसान विरोधी है। 34 महीने के इस कार्यकाल में हेमंत सरकार भ्रष्टाचार एवं अपराध में लिप्त है। गरीबों को लूटा जा रहा है , युवाओं को ठगा जा रहा है। राज्य में विकास पूरी अवरुद्ध है। तुष्टीकरण एवं धर्मांतरण को बढ़ावा देने का कार्य हेमंत सरकार कर रही है। जनहित के मुद्दे एवं विकास को लेकर भाजपा सड़क से लेकर सदन तक आंदोलात्मक है। चैनपुर भाजपा प्रभारी सह जिला मंत्री धीरेन्द्र कुमार दुबे ,भीष्म चौरिसया चैनपुर मंडल के महामंत्री रूपेश कुमार , मनीष पांडे मंडल उपाध्यक्ष ईश्वरी प्रसाद, नन्हक चौधरी , मनोज मेहता ,युवा मोर्चा अद्यक्ष सुधेश्वर चौधरी , किसान मोर्चा अध्यक्ष मनोज दास एवम चैनपुर प्रखंड के सभी गाव, पंचायत से प्रमुख कार्यकर्ता एवम जनता तथा पथरा मंडल से राघवेंद्र तिवारी , जय दुबे आनंद सिंह, युवा मोर्चा अध्यक्ष अमरेंद्र चौरिसय, मनोज चौधरी, पंकज चन्द्रवंशी , लाल बहादुर भुइयां ,दिनानाथ मांझी सहित कई लोग उपस्थित हुए ।

मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण को लेकर लगा शिविर

मोहम्मदगंज। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राजकीय कृत मध्य विद्यालय में चिन्हित मतदान केंद्र संख्या 36 व 37 पर मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत शनिवार को शिविर लगाया गया। जिसमें पोस्टर के माध्यम से इस कार्यक्रम के प्रति लोगों को जागरुक किया गया। कई लोगों ने नाम जोड़ने व सुधार को लेकर विहित प्रपत्र में आवेदन जमा कराया। जिन्हें बीएलओ शकुंतला मेहता व संगीता देवी ने संबंधित एप में अपलोड करने का काम किया। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम को लेकर प्रचार-प्रसार तेज कर दिया गया। 1 जनवरी 2023 को अहर्ता तिथि मानते हुए अधिक से अधिक नए नाम जोड़ने का प्रयास है। मतदान केंद्रों पर आगे भी 13,19 व 20 नवंबर को विशेष शिविर का आयोजन किया जाना है। उन्होंने इस मौके पर मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर अहर्ता पूरी करने वाले मतदाताओं से नाम जोड़वाने के लिए विहित प्रपत्र जमा करने को कहा है। इस दौरान त्रुटियों में सुधार और नाम हटाने का काम भी होगा। वैसे, इसके लिए दावा आपत्ति प्राप्त करने की अंतिम तिथि 8 दिसंबर तक है। इस दौरान क्षेत्र भ्रमण कर पुनरीक्षण कार्य का निबटारा किया जाता रहेगा। इसके लिए मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। उन्होंने आधार से जुड़ने के लिए वंचित मतदाताओं को संपर्क स्थापित करने की बात कही है।

भारत जोड़ो यात्रा 65 वें दिन महाराष्ट्र के नांदेड़ पहुंचा

हुसैनाबाद। झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव ऋषिकेश सिंह व हुसैनाबाद विधानसभा निवासी, अखिल भारतीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिल कर, कन्याकुमारी से प्रारंभ हुई। भारत जोड़ो यात्रा में सिविल सोसायटी के राष्ट्रीय समन्वयक के रूप में अब तक किये गये उनके कार्यों से अवगत कराया। ऋषीकेश सिंह भारत जोड़ो यात्रा के कन्याकुमारी से शुरूआत से अब तक जुड़े हुए है और राहुल गांधी के नेतृत्व में लगभग 1500 किलोमीटर की यात्रा पूरी कर 65वें दिन महाराष्ट्र राज्य के नांदेड़ जिले में पहुंचे हैं। अब तक की यात्रा को पूरी तरह से सफल बताते हुए उन्होंने कहा है कि राहुल जी की यह यात्रा ऐतिहासिक है। लाखों लोग स्वयं से इस यात्रा में जुड़ रहे हैं। जिसका सकारात्मक परिणाम राजनीति में देखने को मिलेगा। इस यात्रा में वह कश्मीर तक बने रहेंगे। अभी तक की यात्रा में उन्होंने एक दिन की भी कोई छुट्टी नहीं ली है। और निरंतर आगे बढ़ते रहने का संकल्प लिया।

न्यूज गैलरी

भाजपा समर्थकों ने रैली निकाल सरकार विरोधी नारे लगायें

पाटन। भाजपा कार्यकर्ताओं ने हेमंत सरकार के खिलाफ रैली निकाला। रैली पाटन+2उवि प्रांगण से निकाला गया जो मुख्य मार्ग होते हुए प्रखंड कार्यालय परिसर पहुंचा। जहां सभा में तब्दील हो गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पाटन मंडल के अध्यक्ष संजय सिंह ने की। संचालन किशुनपुर मंडल अध्यक्ष संतोष पांडेय ने किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व सांसद सह भाजपा नेता मनोज कुमार शामिल हुए। रैली में महिलाओं पर अत्याचार बंद करो,युवाओं से मुर्गी बेचवाना बंद करो समेत अन्य नारे लगाये जा रहे थे। सभा में मनोज कुमार ने कहा कि झारखंड सरकार सभी मोर्चे पर विफल है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार चरम पर है। ट्रांसफर पोस्टिंग का व्यापार फल फूल रहा है। विकास व आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार के नाम पर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। मौके पर अशोक तिवारी,संजय कुमार सिंह,धीरेंद्र नारायण उपाध्याय,आनंद सिंह,राकेश कुमार दुबे,अरुण दुबे,सुजाता सिंह,चंद्रकांत उपाध्याय,पिंकी विश्वकर्मा,अजीत मेहता,जैनेंद्र यादव,राधेश्याम सिंह,उज्वल पांडेय,सुनील पांडेय, नीलम देवी,नीलिमा झा, प्रमोद सिंह, नॉलेज सिंह समेत अन्य लोग मौजूद थे।

तीन स्वयंसेवक गणतंत्र दिवस परेड प्रशिक्षण के लिए बिलासपुर रवाना

हुसैनाबाद। गणतंत्र दिवस परेड शिविर-2022 में भाग लेने के निमित प्रशिक्षण के लिए पलामू से तीन स्वयंसेवक बिलासपुर गए। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के निर्देशन में बिलासपुर (छत्तीसगढ़) के गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय में 21 नवंबर 2022 तक स्वयंसेवक ट्रेनिंग लेंगे। विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के राष्ट्रीय सेवा योजना यूनिट के नेतृत्व में झारखंड राज्य से कार्यक्रम पदाधिकारी भोलानाथ सिंह के नेतृत्व में 30 स्वयंसेवकों का दल रवाना हुआ है। इन 30 स्वयंसेवकों में पलामू के नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय से तीन स्वयंसेवक शामिल हैं। आरुषि कुमारी, जपला के एके सिंह कॉलेज, प्रीति कुमारी, पांकी के एमके कॉलेज तथा राजाराम रवि महुआडाड़ के संत जेवियर कॉलेज के विद्यार्थी हैं। परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रम व अन्य गतिविधियों के आधार पर स्वयंसेवकों का चयन किया गया है। प्रशिक्षण के बाद चयनित स्वयंसेवक नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड 2023 में भाग लेंगे। एके सिंह कॉलेज के प्राचार्य सूर्यमणि सिंह, सचिव रौनक सिंह, कार्यक्रम पदाधिकारी राजेश कुमार सिंह आदि ने विद्यार्थियों को रवाना किया।

झारखण्ड के निर्मित यूरिया का बाजार में लॉन्चिंग

हुसैनाबाद। जिले के हुसैनाबाद बाजार में झारखंड के धनबाद जिला में सिंदरी का बना हुआ हिन्दुस्तान का अपना यूरिया खाद का उत्पादन शुरू हो गया हैं। जिले के किसानों को अब राहत भरी खबर के साथ हुसैनाबाद बजार में भारतीय स्टेट बैंक के बगल में मेसर्स प्रकाश ट्रेड्स में इस खाद्य को मंगाया गया एवं शनिवार क्षेत्र के कई किसानों को बुलाकर इसका विधिवत लांचिंग कराया गया। मौके पर मेमर्स प्रकाश कश्यप ने बताया कि यह खुशी का विषय हैं । यहां के किसानों को हमलोग समय समय पूरी मात्रा में यूरिया उपलब्ध करा सकेंगे । आगे उन्होंने यह भी बताया कि अभी हुसैनाबाद, हैदरनगर, दंगवार, देवरी,मोहमदगंज के सभी दुकानदारों को यह उपलब्ध कराया गया हैं । इधर दुकानदारों ने ट्रक पहुंचे ही गाजे बाजे के साथ स्वागत किया । मौके पर मनीष कश्यप,संजीव लाल,मुन्ना सिंह,अनूप सिंह,बबलू सिंह,इमदाद,पवन गुप्ता, रामचंद्र प्रसाद,दिलीप गुप्ता,भानु सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान व दुकानदार मौजूद थे ।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय एकडरी में अंतर क्लास सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

हुसैनाबाद। जिले के हुसैनाबाद प्रखण्ड क्षेत्र अंतर्गत पंचायत पथरा के उत्क्रमित मध्य विद्यालय एकडरी में अंतर क्लास सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता कराया गया । जिसमें क्लास 6,7,8 के बच्चे को शामिल किया गया । जिसमे मौखिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछा गया । जिसमें क्लास 6 के विद्यार्थियों को कुल अंक 34 मिला । वहीं क्लास 7 के बच्चों ने 33 अंक पाया तथा क्लास 8 के बच्चों को 32 अंक लाया हैं । मौके पंचायत के मुखिया नरेश पासवान उपस्थित थे । उन्होंने शिक्षकों को इस तरह के आयोजन के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि आपलोग बच्चों को और मॉडल तरीके से क्वालिटी टेस्ट ले । इससे बच्चों के अंदर पढ़ने और सीखने की रुचि मिलेगी। वही प्रधानाध्यापक निर्मल कुमार ने कहा कि प्रतियोगिता से बच्चों के अंदर स्मरण शक्ति का विकास होगा । मौके पर अनिल कुमार ,राज कुमार , असलम अंसारी लक्ष्मी ,किरण,उपेन्द्र कुमार आदि विद्यालय के सभी विद्यार्थी उपस्थित थे।

मंडल अध्यक्ष व मुखिया के रिहाई पर स्वागत

हरिहरगंज। पिपरा के भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय कुमार मेहता व सरैया पंचायत के मुखिया पति डॉ विजय कुमार मेहता शनिवार को जेल से रिहा हो गए। जेल से रिहाई होने पर पिपरा बाजार में भाजपा कार्यकताओं, परिजनों व समर्थकों ने फूल माला से उनका भव्य स्वागत किया। मालूम हो कि उक्त दोनों को एक मामले में जेल हुयी थी। इस दौरान डॉ विजय कुमार मेहता ने कहा कि उन्हें षड्यंत्र के तहत झूठे मामले में फंसाया गया था। उन्होंने जोर देकर कहा कि सत्य परेशान हो सकता है, परंतु पराजित नहीं। उन्होंने कहा कि वह हमेशा जनहित के कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते आए हैं। और आगे भी जनसेवा कार्य जारी रहेगा।

32 पेंशन सहित 40 लोगों का ई-श्रम कार्ड का किया गया रजिस्ट्रेशन

अपनी दिव्यांग जीवित पत्नी की पेंशन की लगाई गुहार

नवीन मेल संवाददाता

नावाबाजार । विश्रामपुर प्रखंड के पंजरी कला पंचायत में आयोजित आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में 32 पेंशन योजना की सूची ऑन स्पॉट दी गई। साथ ही 40 लोगों का ई श्रम कार्ड का रजिस्ट्रेशन किया गया है। इतना ही नहीं शिविर में 12 मनरेगा मजदूरों के बीच जॉब कार्ड का वितरण किया गया। 82 आवेदन प्रधानमंत्री आवास का प्राप्त हुए हैं। जिस पर आगे की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। जानकारी देते हुए पंचायत की मुखिया रंभा मिश्रा ने बताई कि शिविर में पहुंचे लोगों की समस्याओं को दूर करने की सार्थक पहल की जा रही है। वैसे लोग जिनके समस्याओं का समाधान आयोजित कार्यक्रम में नहीं हो पाया। उसे शीघ्र ही पूरा कराई जाएगी। लोगों को भटकने की नौबत नहीं आएगी। शिविर में अटरिया गांव निवासी रामदेव भुईयां के द्वारा अपनी पत्नी के नाम पेंशन एक बार फिर से शुरू करने का आवेदन दिया । उसने बताया कि जिम्मेवार लोगों के द्वारा उसकी पत्नी चनरी देवी को मृत बताकर पेंशन को रोक दिया गया है। जबकि वह पिछले 10 वर्षों से लकवा बीमारी से ग्रसित होकर बिस्तर पर लेटी रहती है। इस पर

प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रशांत हेंब्रम के द्वारा फिर से पेंशन स्वीकृत करने का आश्वासन दिया। वही जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का वितरण किया गया। सूचना के अधिकार कार्यकर्ता संपूणानंद सिंह के द्वारा मुख्यमंत्री झारखंड सरकार को दिए गए आवेदन की प्रति शिविर में जमा किया। साथ ही प्रखंड के द्वारा मांगी गई सूचना उपलब्ध नहीं कराई जाने की बातें कही। सूचना न मिलने की स्थिति में प्रथम अपील और राज्यपाल को आवेदन दिया जाता रहा है। बावजूद प्रखंड कर्मियों के द्वारा इस पर गंभीरता नहीं दिखाई जा रही। ऐसे में आयोजित कार्यक्रम में आवेदन देकर प्रखंड विकास पदाधिकारी से संबंधित सूचना उपलब्ध कराते हुए इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की गई है। आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता पंचायत की मुखिया रंभा मिश्रा व संचालन प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश राम ने की। जहां भव्य प्रशाल में 16 विभागों के स्टाल लगाए गए। जहां पंचायत क्षेत्र से आने वाले लोगों को समुचित जानकारी देते हुए उनकी समस्याओं का ऑन स्पॉट समाधान भी किया गया। आयोजित शिविर में झारखंड खाद्य सुरक्षा अधिनियम, समाजिक सुरक्षा, पेयजल, आजिविका, सेवा का गारंटी अधिनियम, वन अधिकार, स्वास्थ्य एवं पोषण, कृषि, ईश्रम पोर्टल, छात्रवृति, भूमी सुधार, आवास, उर्जा, शहरी स्थानीय निकाय विभाग शामिल थे। मौके पर बीडीओ प्रशांत हेंब्रम ने कहा कि लोगों की सुविधा का ख्याल रखते हुए सभी विभाग का स्टॉल अलग-अलग लगाए गए हैं। जहां राज्य सरकार की ओर से चलाई जाने वाली सभी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। साथ ही उनकी जरूरतों के अनुरूप ऑन स्पॉट कार्य का निष्पादन भी की जा रही है।

GOVERNMENT OF JHARKHAND URBAN DEVELOPMENT OF DEPARTMENT
NAGAR PARISHAD, BISHRAMPUR
E-PROCURMENT NOTICE (VERY SHORT TERM NOTICE)

SL.	WARD NO.	REFERENCE NO.	SCHEME NAME	ESTIMATE COST	EARNEST MONEY (2% OF ESTIMATE COST)	TENDER FEE	COMPLETION OF WORK
15वें वित्त आयोग							
01	17	UDD/NPB/30/22-23	Construction of P.C.C. Road on Kacha Road from the Plaugh of Shivnath Thakur to Bhandar of Tarkeshwar Singh Via Bhandar to Harekrishna Singh.	2465300.00	49310.00	5000	03 Month
02	07	UDD/NPB/31/22-23	Construction of R.C.C. Drain from the House of Birbal Saw to :House of Vijay Goswami via House of Lalan Vishwakarma.	2141000.00	42820.00	5000	03 Month
03	18	UDD/NPB/32/22-23	Construction of P.C.C. Road on Kacha Rd. with Guardwall from the house of Ramji Yadav to Devi Dham Chhipadohar via House of Jugesh Yadav to House of Ritu Mishra.	2478000.00	49560.00	5000	03 Month
04	13	UDD/NPB/33/22-23	Construction of P.C.C. Road on Kaccha Road from Pandeypur Urshula shayan Aahar (New PCC_ to Diharia Aahar Culvert via Teen Tola Old Culvert to house of Khurshid Ansari with one Culvert and 200 fit Guardwall.	2376000.00	47520.00	5000	03 Month
05	Date Of Publication Of Tender On Website			11.11.2022 05.00 am			
06	Date Start Of Submission Of Bids			11.11.2022 05.00 am			
07	Last Date/Time Of Submission Of Bids			21.11.2022 05:00 pm			
08	Last Date/Time Of Submission At Office Cost of BOQ, Earnest Money And Tender Document			22.11.2022 Till 01:00 pm at Bishrampur Thana			
09	Date Of Bid Opening			23.11.2022 12:30 pm			
10	Name & Address Of Office Inviting Tender			Nagar parishad Bishrampur			
11	Contact No. Of Procurement Officer			9525633383			
12	Helpline Number Of E-Procurement Cell			9771761820			

NOTE: - Only E-Tender will be accepted. Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in & Notice Board office of the Nagar Prishad, Bishrmapur.

सहायक नगर आयुक्त
नगर परिषद विश्रामपुर

PR 282128 District(22-23)D

ग्रामीणों ने पीडीएस दुकानदार को अनाज का हेराफेरी करते पकड़ा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। नौडीहा प्रखण्ड क्षेत्र के तरीडीह पंचायत के ग्राम डुमरी में शक्रवार की संध्या पीडीएस दुकान से बनिये को गेहूं की खरीदारी करते ग्रामीणों ने पकड़ लिया। इस बीच काफी हो-हल्ला हंगामे के बीच ग्रामीणों ने पीडीएस डीलर पर राशन गबन का आरोप लगाया है। प्रत्यक्षदर्शी ग्रामीण मनिष सिंह, कुमुद सिंह, जुगेश प्रसाद, सरस्वती देवी, मधेश्वर पासवान, गुप्तेश्वर पासवान, सोनू कुमार,इत्यादि ग्रामीणों ने पीडीएस, दुकानदार प्रमोद कुमार सिंह

के दुकान से स्थानीय बनिया को गेहू खरीद करते पकड़ा। ग्रामीणों ने बताया कि हमलोगों के बीच नवम्बर माह का गेंहू वितरण नहीं किया गया है। और इसे बनिये से बेचा जा रहा था। जिसे हम लोगों ने पकड़ा है। ग्रामीणों ने बताया कि जब हम अपने राशन लेने दुकानदार के पास गए और पूछा कि नवम्बर का गेहूं क्यों नहीं दिया जा रहा है। तो उन्होंने कहा कि इस माह में गेहूं नही आया है। वही दुकानदार से दूरभाष के मध्यम से बात करने पर बताया कि मै गेहूं के बदले में चावल का वितरण किया हूं। जबकि ऐसी कोई बात नहीं है। लगातार नौडीहा बाजार में ऐसी स्थितियां बनती जा रही है कि राशन लोगों को मुहैया नहीं हो रहा है।

लोहे के डिवाइडर से टकराकर युवक की मौत

अविनाश देव ने सदर अस्पताल पहुंचकर युवक का कराया पोस्टमार्टम

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सदर थाना क्षेत्र के पोखराहा खुर्द निवासी अजय प्रजापति के पुत्र पिंटू प्रजापति की मौत बाइक दुर्घटना में हो गयी। जानकारी के अनुसार पिंटू प्रजापति उम्र 27 वर्ष मेदिनीनगर से अपने घर पोखराह खुर्द जा रहा था। इस बीच रेड़मा चौक के पास किसी बाइक से साइड लेने के क्रम में वह लोहे से बने डिवाइडर से टकरा गया । जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद स्थानीय लोगों के द्वारा घायल को इलाज के लिए मेदिनीनगर सदर अस्पताल लाया गया । जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। वही घटना की जानकारी मिलने पर माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष अविनाश देव अपने सहयोगियों के साथ पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर चिकित्सकों से रात में ही पोस्टमार्टम करने की बात कही। उनके बात पर डॉक्टर रोहित पांडे पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर युवक का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया। वही लोगों ने बताया कि मृतक फोटोग्राफी का काम करता था। वही इस घटना के बाद से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

स्लीपर सेल को लेकर हाई अलर्ट जारी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। रेल कर्मचारियों के बीच स्लीपर सेल को लेकर हाई अलर्ट जारी किया गया है । ये स्लीपर सेल बड़ी आतंकवादी घटना को अंजाम दे सकते हैं। इस संबंध में सुरक्षा एजेंसियों ने हाई अलर्ट जारी किया है। दरअसल, इस संबंध में दीनदयाल उपाध्याय रेल डिवीजन के आरपीएफ के सीनियर डिविजनल सिक्योरिटी कमिश्नर ने उत्तर प्रदेश के चंदौली के एसपी, बिहार के कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, गया, आरा के एसपी, झारखंड के पलामू, इलाहाबाद, पटना और धनबाद के रेल एसपी को पत्र लिखा है। दरअसल, कहा गया है कि एमपी के इंदौर की रहने वाली एक महिला ने डीजीपी राजस्थान को एक पत्र लिखा था। महिला के द्वारा लिखे गए पत्र में कहा गया है कि विशेष समुदाय के स्लीपर सेल के लोग रेलवे कर्मियों के बीच है। उनके माध्यम से विभिन्न त्योहारों में इन स्लीपर सेल का इस्तेमाल कर बड़ी आतंकवादी घटना को अंजाम दिया जा सकता है। इसमें यह भी कहा गया है कि कुछ कर्मियों को इसके लिए मजबूर किया गया है। रेल के अलावा बसों में भी इस तरह की घटना को अंजाम दिया जा सकता है। मामले को लेकर स्पेशल ब्रांच बिहार झारखंड में भी अलर्ट जारी किया है। पत्र लिखने वाली महिला ने अपना पता इंदौर बताया है। मामले में विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों ने पत्र लिखते हुए अधिकारियों को जरूरी कदम उठाने और सुरक्षा बढ़ाने को कहा है। इस मामले में रेलवे के हाजीपुर जोन को भी बिहार के विशेष शाखा ने पत्र लिखा है।

बिना परमिट व लाइसेंस के सड़कों पर चल रहें है ऑटो

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर में ऑटो चालकों की मनमानी के कारण आये दिन जगह-जगह सड़कें जाम हो रही हैं। जिससे यात्रियों के साथ-साथ आमजनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वही सड़क हादसे भी बढ़ रहे हैं। पलामू में परमिट वाले ऑटो से ज्यादा बगैर परमिट वाले ऑटो चलते हैं। जबकि झारखंड हाईकोर्ट का सख्त आदेश है कि शहर हो या गांव परमिट वाले ऑटो को ही चलने दिया जाए। इसके बावजूद मेदिनीनगर शहर में धड़ल्ले से बगैर परमिट वाले ऑटो दौड़ रहे हैं। वहीं पुलिस-प्रशासन ने भी इसे लेकर अपनी आंखे बंद कर रखी है। उनके द्वारा किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की जा रही है। शहर में लगभग ऑटो का परमिट और ऑटो चालकों के पास ड्राइविंग लाइसेंस नही है। सख्त कार्यवाई नहीं होने के कारण बिना लाइसेंस और परमिट के ऑटो सड़क पर सरपट घूम रहे हैं। जिस कारण शहर में ऑटो की संख्या बहुत ज्यादा बढ़ गई है। जरूरत से ज्यादा ऑटो होने के कारण शहर में हर जगह जाम की समस्या उत्पन्न हो रही है। इसके अलावा यात्री भी रास्ते में ही ऑटो को हाथ दिखा कर रोक देते हैं। वहीं दूसरी ओर ऑटो चालकों का कहना है कि उनके लिए स्टैंड तो बना हैं। लेकिंग वहां लोकल पैसेंजर नही रहते है। ऐसे में उन्हें यात्री बैठाने के लिए मजबूरन जहां-तहां ऑटो रोकना पड़ता है। बताते चलें कि शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में ऑटोरिक्शा चालकों की मनमानी बाधा बन गयी है। ट्रैफिक पुलिस के द्वारा इन ऑटो चालकों पर सही तरीके से कार्रवाई नहीं की जा रही है ।अपनी मर्जी के मुताबिक ऑटो चालक कहीं भी पैसेंजर को बैठाने के लिए ऑटो रोक देते हैं। ऐसा लगता है कि इन मामलों में ट्रैफिक पुलिस और प्रशासन ने अपनी आंखे बंद कर रखी है। छह मुहान चौक पर एक पुलिस कर्मी ने बताया कि ऑटो चालकों की मनमानी पर प्रशासन की ओर से कोई सख्त कार्रवाई अभी तक नहीं हुई है और ना ही कोई सख्त कानून बना है। जिसकी वजह से मौके पर मौजूद ट्रैफिक पुलिस और पुलिसकर्मी भी कुछ नहीं कर पाते हैं। ऑटो चालकों को रूट पास और परमिट निर्धारित किया गया है फिर भी कुछ ऑटो चालक अवैध रूप से ऑटो चला रहे हैं।

क्या कहते हैं ट्रैफिक प्रभारी: ट्रैफिक प्रभारी रामजीत सिह कहते हैं कि बिना परमिट वाले ऑटो के लिए समय-समय पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है । फिर भी अगर ऐसे ऑटो चल रही है तो निश्चित रूप से कार्रवाई करेंगे।

हमारा वार्ड पार्षद कैसा हो: वार्ड पार्षद को सभी समस्याओं की जानकारी होनी चाहिए

प्रतीमा दुबे | राजीव कुमार | रीना देवी | अचूतानन्द दुबे | दीपक कुमार | मुकेश कुमार | रूपेश कुमार

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। वार्ड का सफल संचालन के लिए वार्ड पार्षद को परिसीमन का पूर्ण जानकारी होना जरुरी होता है। जन प्रतिनिधि के कंधे पर वार्ड की विकास का जिम्मेदारी होता है। हर जनता को अपने प्रतिनिधि से अपेक्षा होता है,वार्ड में सतत विकास की रुपरेखा तय करने के लिए पार्षद को हमेशा सक्रिय रहना चाहिए। ऐसा पार्षद हो जिन्हें वार्ड की तमाम समस्याओं की जानकारी हो। ताकि वह समस्या व स्थान चिन्हित कर आसानी से समाधान कर सके। साथ ही वार्ड पार्षद जुझारु होना चाहिए। जो जनता की समस्या का स्थायी निदान करें। शनिवार को रास्ट्रीय नवीन मेल के संवाददाता ने वार्ड 11 के लोगों के बीच होने वाले निकाय चुनाव को लेकर कैसा हो हमारा पार्षद विषय पर परिचर्चा किया। जिसमें वार्ड के लोगों ने वार्ड की सफल संचालन को लेकर वार्ड पार्षद में क्या क्या गुण होना चाहिए । लोगों ने राष्ट्रीय नवीन मेल के संवाददाता के साथ साझा की। कहा कि पार्षद जुझारु होना चाहिए। जो जनता के साथ सुख व दुख में हमेशा साथ रहे। इसके अलावा पार्षद मिलनसार होना चाहिए। जो हर क्षेत्रों में समान भाव से विकास करे। निगम की योजना का लाभ हर जरुरतमंदों तक पहुंचे, इस दिशा में पहल होनी चाहिए। सभी प्रत्याशियों ने अपनी अपनी बातों को संवाददाता के सामने रखी। वहीं प्रत्याशी

अचुतानंद दुबे-वार्ड 11 ने कहा कि हर जरुरतमंदों तक सरकारी योजना का लाभ अनिवार्य रुप से पहुंचे। ताकि लोगों को पार्षद कार्यालय का चक्कर लगाना न पड़े। वार्ड क्षेत्र में अधिक से अधिक पक्की सड़कों का निमार्ण हो ताकि लोगो को जर्जर व कच्ची सड़कों से मुक्ति मिले।

प्रतिमा दुबे-वार्ड 11 ने कहा कि अधिकार क्षेत्र के हर गली मोहल्ले में नाली का निर्माण हो, ताकि जल जमाव से लोगों को छुटकारा मिले। वार्ड में साफ-सफाई निरंतर होना चाहिए। ठोस कचरा उठाने का प्रबंधन होना चाहिए।

रीना देवी-वार्ड 11 ने कहा कि चुनकर आनेवाले पार्षद वादा से परे होकर विकास की दिशा तय करे। हर जरुरतमंदों को आवास व अंत्योदय योजना का समान लाभ मिले।

रूपेश कुमार-वार्ड 11 ने कहा कि पार्षद मिलनसार होना चाहिए। वार्ड पार्षद निःस्वार्थ भाव से जनता की सेवा करे। वार्ड की हर मुहल्ले की दौरा कर समस्या का जायजा लें। लोगों को जब पार्षद से कोई काम हो तो वह सुलभता से उपलब्ध हो जाये।

राजीव रंजन- वार्ड 11 ने कहा कि वार्ड की जनता को जन प्रतिनिधियों से आशा होती है। जनता की समस्याओं को हर संभव समाधान करने के लिए पार्षद को सक्रिय रहना चाहिए। सड़क, नाली, पानी जैसी मुलभूत सुविधाओं को जन जन तक पहुंचाना चाहिए।

दीपक कुमार-वार्ड 11 ने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ जनता के बीच सुलभता से पहुंचे, ऐसा पार्षद का लक्ष्य होना चाहिए। साथ ही पार्षद मिलनसार हो, ताकि जनता पार्षद के समक्ष अपनी समस्या स्पष्ट रुप से रख सके।

मुकेश कुमार- वार्ड11 ने कहा वार्ड की नाली व सड़क की स्थिति सुदृढ़ हो। पार्षद अपने कार्यालय में समय से लोगों को उपलब्ध हो। अंत्योदय, आवास योजना, पेशन योजना का सरकारी लाभ हर जरुरतमंदों तक पहुंचाने वाला पार्षद होना चाहिए।

सरकारी स्कूल में पढ़ाने वाले टीचर की खुली पोल

गायब रह कर दूसरे से कराता था स्कूल में पढ़ाई

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के एक सरकारी स्कूल में हैरान करने वाला एक मामला सामने आया है। यहां एक शिक्षक ने अपनी जगह एक अन्य व्यक्ति को नौकरी पर रख रखा था। उसी से अपनी जगह पढ़ाई कराता था और खुद गायब रहता था। इसका खुलासा जांच में हुआ है। मामला पलामू के सतबरवा प्रखंड के घुटवा का है। दरअसल, पलामू डीसी ए दोड्डे से घुटवा के ग्रामीणों ने शिकायत की थी कि स्कूल के सरकारी शिक्षक कुंदन कुमार दो महीने से स्कूल नहीं आ रहे हैं। कुंदन कुमार ने अपनी जगह बच्चों को पढ़ाने के लिए भाड़े पर एक ग्रामीण को नियुक्त कर दिया है। इसी शिकायत के बाद सहायक समाहर्ता श्रीकांत विसपुते सतबरवा के घुटवा स्थित प्राइमरी स्कूल की जांच करने पहुंचे थे। सहायक समाहर्ता ने जांच में पाया कि स्कूल के सरकारी शिक्षक कुंदन कुमार काफी समय से गायब हैं और स्थानीय ग्रामीण मोहन कुमार के माध्यम से बच्चों की स्कूल में पढ़ाई कराते हैं। हालांकि सरकारी गाड़ी को स्कूल की तरफ आते देख आशंकित मोहन कुमार फरार हो गए। बता दें कि डीसी ने सहायक समाहर्ता की जांच के आलोक में जिला शिक्षा अधीक्षक को शिक्षक कुंदन कुमार को निलंबित करने का निर्देश दिया है। घुटवा प्राइमरी स्कूल में करीब 111 छात्र पढ़ाई करते हैं। सभी बच्चों की पढ़ाई एक ही शिक्षक के भरोसे है, जिस शिक्षक के भरोसे इन छात्रों की पढ़ाई होनी थी उसने भी एक भाड़े पर ग्रामीण को रख लिया था।

ऐसे हुआ खुलासा: जांच के लिए पहुंचे सहायक समाहर्ता श्रीकांत विसपुते कई घंटों तक स्कूल में रूके थे,और स्थानीय ग्रामीणों से भी बातचीत की थी। स्थानीय ग्रामीणों ने स्कूल के संबंध में आईएएस अधिकारी से कई शिकायतें की हैं।

शिक्षा मंत्री से मिला सहायक अध्यापक मोर्चा का प्रदेश प्रतिनिधि मंडल

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड राज्य सहयोगी सामुदायिक सहायक अध्यापक मोर्चा का प्रदेश प्रतिनिधि मंडल शुक्रवार को स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के मंत्री जगरनाथ महतो से उनके आवास पर मिला। सहायक अध्यापकों के मामले पर प्रतिनिधिमंडल के विनोद बिहारी एवं विनोद तिवारी के साथ मंत्री जगरनाथ महतो से घंटों चली बातचीत में कई मुद्दों पर चर्चा हुई। जिसमें मंत्री जगरनाथ महतो ने कहा कि सहायक अध्यापकों के लिए ईपीएफ का फाइल बढ़ा दिया गया है, इसे जल्द लागू किया जाएगा। उन्होंने चर्चा में अनुकंपा को स्थिर करने पर सहमति दिया तथा कल्याण कोष जल्द लागू करने का भरोसा दिलाया है । प्रतिनिधिमंडल में वेतनमान के मुद्दों पर चर्चा किया और कहा कि सहायक आचार्य एवं सहायक अध्यापकों के वेतन मानदेय में कोई अंतर नहीं होनी चाहिए। प्रतिनिधि मंडल के विनोद तिवारी ने मंहगाई पर चर्चा करते हुए कहा कि कम पैसे में काम करना संभव नहीं है घर परिवार चलाने की जवाबदेही , बच्चों की शिक्षा,लड़की की शादी ,बीमारी से पार पाना काफी महंगा है । चर्चा के क्रम में मंत्री ने पैसे बढ़ाने का भरोसा दिलाया है । मंत्री ने हाई स्कूल में पढ़ाने वाले स्नातकोत्तर, बीएड उच्च योग्यता वाले सहायक अध्यापकों के मामले पर विचार करने की बात कही है । साथ ही कहा कि विसंगति का मुद्दा जल्द सुलझा लिया जायेगा। मंत्री श्री महतो ने प्रतिनिधि मंडल के द्वारा सीटेट को जे टेट के समान झारखंड में मान्यता को लेकर सकारात्मक दिखे तथा लागू करने की बात भी कहा । ज्ञात हो कि जेटेट परीक्षा का आयोजन सरकार के द्वारा प्रतिवर्ष करवाया जाना है । परंतु सरकार की लापरवाही के कारण परीक्षा का आयोजन नहीं हो पा रहा है। जिसका खामियाजा सहायक अध्यापकों के साथ-साथ आम प्रतिभागी को भी भुगतना पड़ रहा है।

गढ़वा जिले के तिलदाग में आयोजित आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम में पहुंचे आयुक्त

नवीन मेल संवाददाता

'मेदिनीनगर। आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत सरकार की जनउपयोगी योजनाएं लोगों तक पहुंच रही है। यह कार्यक्रम लोगों के लिए काफी उपयोगी साबित हुई है। सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ लाभुकों को एक ही स्थान पर आसानी से मिल पा रहा है। इसके लिए उन्हें कार्यालय या पदाधिकारियों के पास जाने की जरूरत नहीं पड़ रहा है। बल्कि सरकारी पदाधिकारी ही उन तक पहुंचे हैं। पदाधिकारी आम लोगों को लाभ देना सुनिश्चित करायें। आमजनों से प्राप्त आवेदनों का गुणात्मक निष्पादन कराना सुनिश्चित करायें। यह बातें आयुक्त जटा शंकर चौधरी ने कही। वे आज 'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत पलामू प्रमंडल के गढ़वा जिले के तिलदाग पंचायत में आयोजित शिविर में बोल रहे थे। आयुक्त ने कहा कि फूलो-झानो आशीर्वाद अभियान के माध्यम से सरकार महिलाओं को सशक्त कर रही है। हड़िया-दारु बेचने जैसी कुरीतियों से जुड़े महिलाएं इस योजना का लाभ लेकर सम्मानजनक जिंदगी जीने लगी हैं।उप विकास आयुक्त राजेश कुमार राय ने कहा कि 'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत सरकार आप तक विभिन्न योजनाओं को लेकर आई है। उन योजनाओं का लाभ से लाभान्वित करने के लिए पंचायत स्तर पर शिविर का आयोजन कर रहे हैं, ताकि अधिक- से-अधिक लोग जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आसानी से ले सकें। उन्होंने कहा कि यह विकास उत्सव है, जहां लोगों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है और उन्हें जागरूक भी किया जा रहा है। उन्होंने सरकार की विभिन्न योजनाओं सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, सर्वजन पेंशन योजना, केसीसी, सोना सोबरन सहित अन्य योजनाओं के बारे में लोगों को जानकारी दी। साथ ही योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लेने की अपील की। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए थे, जहां सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ लोगों को दिया जा रहा था। अतिथियों ने भी लाभुकों को ऑन स्पॉट योजनाओं का लाभ दिया। साथ ही परिसंपत्तियों का भी वितरण किया। प्रखंड विकास पदाधिकारी कुमुद झा ने सभी का स्वागत किया। साथ ही उन्होंने कहा कि 'आपकी योजना- आपकी सरकार-आपके द्वार' कार्यक्रम से आम लोगों को सीधे तौर पर लाभ मिल रहा है। उन्होंने सभी से अपील किया कि वे शिविर में आएं और सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लें।कार्यक्रम में उक्त अतिथियों के अलावा जिला समाज कल्याण पदाधिकारी पूर्णिमा कुमारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, अधिकारी, बड़ी संख्या में लाभुक एवं आमजन उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

अभाविप ने डीईओ को ज्ञापन सौंपा

मेदिनीनगर। अभाविप के द्वारा नगर सह मंत्री नितीश दुबे की अध्यक्षता में जिला शिक्षा पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया । ज्ञापन के माध्यम सें ध्यान आकृष्ट कराते हुए बताया गया कि पलामू जिले के प्रतिष्ठित जिला स्कूल में लगातार प्राचार्य एवं छात्रों के बीच हो रहे मारपीट और गाली-गलौज प्राचार्य के बिगड़ते मानसिकता को दशार्ता है। ऐसे असंतुलित मानसिक के प्राचार्य को पद मुक्त करने की मांग अभाविप करती है। जिले के सभी प्लस टू विद्यालयों में शिक्षकों की कमी, शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करती जा रही है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। विद्यार्थी परिषद जिले के प्लस टू विद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त पदों को अविलंब भरने की मांग करती है। जिले के सभी विद्यालयों में नामांकन एवं परीक्षा फॉर्म भरने के समय हो रहे पैसे की अनावश्यक उगाही को संज्ञान में लेते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की मांग करती है। जिले के निजी विद्यालयों द्वारा वाहनों में क्षमता से अधिक बच्चों को ढ़ोया जा रहा है। ऐसे विद्यालयों को चिन्हित कर क्षमता से अधिक बच्चों को ढ़ोने पर रोक लगे एवं दोषियों के विरुद्ध प्रशासन के द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जाए। मौके पर मुख्य रूप से राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य विनीत पांडे,जिला संयोजक अभय वर्मा,जिला एस एफ डी प्रमुख गोविंद मेहता,नगर मंत्री रामा शंकर पासवान,नगर सह मंत्री अभिषेक कुमार रवि,अंकित लाल,राहुल कुमार चेरो, राकेश कुमार गुप्ता आदि कार्यकर्ता मुख्य रूप से उपस्थित थे।

धनवान, बलवान नहीं गुणवान मेयर चुनिये : पंकज

मेदिनीनगर। नगर निगम में मेयर पद का चुनाव में धनवान,बलवान नहीं गुणवान चुनिये ऐसा कहना है इस बार मेयर पद के भावी प्रत्याशी पंकज श्रीवास्तव का। अपने छात्र जीवन में वह अभाविप से जुड़े रहे। बिहार आन्दोलन,संपूर्ण क्रांति आन्दोलन या जेपी आंदोलन के दौरान 19 महीने जेल में रहे। 1980में नामधारी के लिए नारे गढ़ने और पैरोडी गीत लिखा। सरकारी नौकरी भी किया। अनेक पुस्तक के लेखक,सह लेखक रहे और आज के समय भी सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं। साहित्य सृजन में जुड़े हैं। उन्होंने मेयर पद के चुनाव के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से एक सर्वे के आधार पर चुनाव में अपना भाग्य आजमाने का निर्णय किया है। बातचीत के क्रम में उन्होंने बताया कि अभी तक जितने भी मेयर पद के उम्मीदवारों ने चुनाव में आने का निर्णय किया है वो सभी या तो धनवान है या बलवान है। लेकिन शहर को विकसित करने और बेहतर परिणाम के लिए गुणवान उम्मीदवार की जरूरत है। युवाओं को गुणवान के साथ जाने की जरूरत है ,ताकि समाज को एक सकारात्मक दिशा मिल सके। गौरतलब है कि पंकज श्रीवास्तव की पत्नी के द्वारा भी लगातार सामाजिक कार्य किया जाता रहा है। मिशन समृद्धि के नाम से चल रहे संस्था आज किसी पहचान की मोहताज नही है।

शिव की शिष्यता एक नई मनुष्यता का जन्म है : अविनाश

मेदिनीनगर। शहर के स्थानीय बाईपास रोड स्थित अमोद गुरूभाई के यहां शिवगुरु चर्चा का आयोजन किया गया। जिसमें शिवगुरु पर आधारित भजन कीर्तन के साथ शिव चर्चा हुआ। शिव चर्चा करते हुए अविनाश देव ने कहा कि वर्तमान समय में मनुष्य उलझेपन में जी रहा है। ज्ञान के बिना ही ज्ञान देने की कोशिश हो रहा है। गुरु बनाकर ज्ञान लेने की प्रथा बंद हो रही है, जरूरत है गुरु के ज्ञान को आचरण में उतारकर जीवन को बेहतर बनाए। आज के समय में शिव चर्चा से बौद्धिक विकास की परिकल्पना साकार हो रही है। इसका एक ही कारण है की हमारी मन की व्यथा, मन की ज्वालामुखी एकाग्र व संतुलित होकर प्रसन्नचित मुद्रा में ध्यान केंद्रित कर कार्य करता है। जिसका नतीजा एकसाथ सकारात्मक ऊर्जा प्रवाहित होने के कारण व्यक्ति सफलता की रह पर चल पड़ता है। शिव की शिष्यता एक नई मनुष्यता का जन्म है जो हर उलझन से हटकर अपनी चेतना को परिष्कृत करता है। वह व्यक्ति समाज के लिए पूजनीय होने लगता है। इसके लिए व्यक्ति को चाहिए वह हर पल शिवत्व में जिए। उन्होंने कहा कि गुरु के ज्ञान की चर्चा सार्थकता में परिवर्तित हो ताकि हमारा समाज रूढ़िवादिता से ऊपर उठ समाज में एक नई चेतना का संचार कर सके और ये सब गुरु के दया पर ही निर्भर है। दया मांगने से पहले दयालु होना आवश्यक है। ओंकार नाथ तिवारी ने कहा कि पूजा करने से पहले पूजा का ज्ञान लेना आवश्यक है। इस भौतिकवादी युग में कर्म ही पूजा है। गुरु चर्चा कार्यक्रम में कमलदेव सिंह, बिनोद , रोहित , अमोद, कृष्णा , आशा,अनिता , मंजू , संपूर्ण सहित कई लोग उपस्थित रहे।

लकवा मारने से 32 वर्षीय युवक की मौंत

मेदिनीनगर। नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के ग्राम कठौतिया निवासी अवधेश चंद्रवंशी उम्र 32 वर्ष की मौत ब्रेन में लकवा मारने की वजह से हो गयी। जानकारी के अनुसार अवधेश चंद्रवंशी शुक्रवार की शाम मजदूरी कर अपने घर वापस लौटे और खाना पीना खाने के बाद आराम करने चले गए। आराम करने के कुछ ही देर बाद उनके दोनों हाथ पैर कांपने लगे और वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े। परिवार के लोग इस हादसे को लेकर काफी चिंतित हुए और उन्हें इलाज के लिए छतरपुर अस्पताल लेकर गए जहां चिकित्सकों के द्वारा इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। बताते चलें कि अवधेश चंद्रवंशी राजमिस्त्री का काम कर अपने परिवार का भरण पोषण करते थे। मृतक अपने पीछे दो बेटा और दो बेटी छोड़ गये है। इनकी मौत के बाद पूरा परिवार अनाथ हो गया है। वही अवधेश के मौत के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल।

समृद्धि की पाठशाला में बच्चों को प्रशिक्षित करने की कोशिश जारी

मेदिनीनगर। शहर में निः शुल्क चल रहे समृद्धि की पाठशाला निरंतर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। पढ़ाई के साथ -साथ बच्चों को कला और नृत्य के क्षेत्र में भी आगे आने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। हालांकि इस क्षेत्र में जाने के लिए बच्चों को पैसों की जरूरत पड़ती है। जिनके लिए विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के परिवार सक्षम नहीं है। इसलिए विद्यालय में बच्चो को इन क्षेत्रों की जानकरी दी जा रही है। उनके अच्छे स्वास्थ्य के लिए योग का क्लास भी विधिवत चलता है। इस कार्य मे प्रो वन्दना श्रीवास्तव ,एवं रंजीता का विशेष योगदान रहता है। मौके पर बैजन्ती, वीणा गुप्ता ,अहिल्या गिरी ,प्रो सरिता कुमारी, ऋषि कुमार मौजूद रहे।

मेयर प्रत्याशी ने चलाया जनसंपर्क अभियान

मेदिनीनगर। घर घर पदयात्रा के क्रम में भावी मेयर प्रत्याशी मनोज सिंह ने शनिवार को चैनपुर के वार्ड नंबर 35 में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस क्रम में श्री सिंह ने वार्डवासियों का आशीर्वाद लेते हुए कहा कि बीते पांच साल में वो निगम के लोगों के साथ सदैव खड़े रहे हैं। उन्होंने कहा कि नगरनिगम चुनाव में अगर आप सभी आशीर्वाद देते हैं तो नगरनिगम को अव्वल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि नगरनिगम चैनपुर को बेसहारा छोड़ दिया है और आज चैनपुर वासियों को बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित होना पड़ रहा है।

न्यूज गैलरी

1932 का खतियान और ओबीसी आरक्षण पारित होने पर केतार में महागठबंधन ने मनाया जश्न

केतार। झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र में ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण, स्थानीय के लिए 1932 का खतियान पारित होने पर महागठबंधन के कार्यकताओं ने शनिवार को केतार में जश्न मनाया। कांग्रेस, झामुमो और राजद के कार्यकताओं ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर मिठाई खिलाई और पटाखे फोड़े। सब्जी बाजार से लेकर कपूरी गेट तक जुलूस निकाली गई।इस दौरान महागठबंधन के कार्यकताओं ने हेमंत सोरेन जिंदाबाद, महागठबंधन सरकार जिंदाबाद के नारे लगायें।इस अवसर पर झामुमो नेता सह उप प्रमुख शम्भु सिंह खरवार ने कहा झारखंड के आदिवासी,मूलवासी, दलित और पिछड़े वर्ग के और इस राज्य के मूलवासियों का वर्षों का सपना हेमंत सोरेन की सरकार ने साकार किया है। हेमंत सोरेन ने झारखंडी जनभावना के अनुरूप तमाम झारखंडवासियों को झारखंडी पहचान दिया है।इसके साथ ही आदिवासी, दलित और पिछड़े वर्ग को आरक्षण के जरिए उनको उनका हक दिया है।इस मौके पर कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष राम भजन गुप्ता, कामेश्वर सिंह,राम बिचार साहू, बिंदू राम,यमुना सिंह, सूर्य नाथ सिंह, यमुना प्रसाद, मनोरंजन गुप्ता,छोटन सिंह, प्रदीप गुप्ता, चन्दन प्रसाद सहित दर्जनों महागठबंधन के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

फर्जी केश में फंसाने का आरोप लगाते हुए श्रम अधीक्षक को दिया आवेदन

भवनाथपुर। प्रखण्ड के श्रम मित्र नागेंद्र शर्मा ने अरसली उतरी पंचायत के वार्ड नम्बर 6 के सदस्य लीलावती देवी पर फर्जी केश में फसाने का आरोप लगाते हुए श्रम अधीक्षक को आवेदन दिया है। श्रम मित्र ने आवेदन में लिखा है अरसली उतरी के वार्ड 6 के महिला वार्ड सदस्य लीलावती देवी द्वारा 6 -7 लोगो का अवैध श्रम कार्ड बना कर सरकारी सुविधा दिलाने का दबाव बना रही है मेरे द्वारा कार्ड बनाने से इंकार करने पर फर्जी केश में फसाने की धमकी दिया जा रहा है। श्रम मित्र ने श्रम अधीक्षक से जांचों उपरांत कारवाई करने की मांग की है।

वार्ड संख्या 16 व 17 में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित

श्री बंशीधर नगर। नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड नम्बर 16व 17 के लिये जतपुरा ग्राम स्थित स्तरोन्नत उच्च विद्यालय प्रांगण में आपकी योजना,आपकी सरकार,आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष विजया लक्ष्मी देवी ने उक्त दोनों वार्डो में हुई विकास योजनाओं की जानकारी देते हुये कहा कि सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का सीधा लाभ वार्डवासियों को मिल रहा है .उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन,राशनकार्ड, जॉब कार्ड,प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी,महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिये नगर पंचायत की ओर से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार आपके द्वार कार्यक्रम वार्डवासियों के लिये वरदान साबित हो रहा है .उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य समस्याओं से सम्बंधित आवेदन लिया जा रहा है,जिसकी सूची सरकार को भेजी जायेगी। कार्यक्रम में अंचलाधिकारी अरुण कुमार मुंडा, प्रखण्ड बीस सूत्री अध्यक्ष शैलेश चौबे, वार्ड पार्षद मीरा देवी, अनिल गुप्ता,विजय ठाकुर, नगर पंचायत कर्मी आशीष कुमार नंदन सहित बड़ी संख्या में महिला पुरुष उपस्थित थे।

बीडीओ ने किसानों के बीच सरसों बीज का किया वितरण

डंडई। प्रखंड कार्यालय के सभागार भवन में शनिवार को डंडई पंचायत के किसानों के बीच दलहन बीज वितरण किया गया। मुखिया प्रतिनिधि महेश्वर राम के साथ सरसों का बीज लेने पहुंचे सैकड़ों किसानों को वीडियो सोमा उराँव, प्रखंड कृषि पदाधिकारी रमेश सिंह, सतीश कुमार मौर्य, व पंचायत राज पदाधिकारी विकास कुमार ने संयुक्त रूप से पंचायत के 5 किसानों के बीच बीज वितरण कर इसकी शुरूआत की । उसके बाद मुखिया प्रतिनिधि के द्वारा बनाए गए सूची के अनुसार बारी-बारी से सभी किसानों के बीच बीच वितरण किया गया। सरसों का बीज पा कर किसान काफी खुश हुए । किसान योगेंद्र गुप्ता, कामता साहू, इंद्रजीत राम ,शंभू राम, ओस्ताज अंसारी, एनुल अंसारी, मिथुन कुशवाहा, इत्यादि लोगों ने बताया कि इस वर्ष हम लोगों को स समय सरसों का बीज मिल रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष हम सभी को पॉकेट से पैसा खर्च कर अपने अपने खेतों में सरसों का बीज बोना पड़ा था।

राज्य सरकार के खिलाफ भंडरिया में भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

भंडरिया। भंडरिया मंडल भाजपा इकाई द्वारा पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत शनिवार को झारखंड के हेमंत सोरेन सरकार के विरोध में प्रखंड मुख्यालय में जन आक्रोश रैली व विरोध-प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भंडरिया मंडल अध्यक्ष राजेश्वर ठाकुर ने की। इस मौके पर गढ़वा भाजपा जिला मंत्री ठाकुर प्रसाद महतो कार्यक्रम के प्रभारी उतम पाण्डेय मुख्य रूप से उपस्थित थे। जन आक्रोश रैली स्थानीय पी डब्लु डी डांक बंगला से चलकर, बाजार क्षेत्र का भ्रमण करते हुए प्रखंड कार्यालय तक गई व धरना प्रदर्शन में तब्दील हो गई। रैली में शामिल लोग वर्तमान सरकार के खिलाफ नारे लगा रहे थे तथा हाथ में तख्ती लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला मंत्री ठाकुर प्रसाद महतो ने झारखंड की हेमंत सरकार को जमकर कोसा। वहीं सांसद प्रतिनिध रूपनिरंजन सिन्हा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा की झारखंड राज्य की सरकार अवैध रूप से सिर्फ बालू, पत्थर बेचने का काम कर रही है। जब तक हेमंत सरकार को नहीं हटाएंगे तब तक भाजपा के कार्यकर्ता चुप बैठने वाली नहीं है। सभा को कार्यक्रम प्रभारी उतम पाण्डेय, भूषण सिंह, राजेश बर्मा,युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष अनिल केशरी, ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न मांगों से संबंधित मांग- पत्र प्रखंड विकास पदाधिकारी विपिन कुमार भारती को सौंपा गया। इस मौके पर उपरोक्त लोगों के अलावे भंडरिया, बरगढ़ प्रभारी रामकरेश चौरसिया, सांसद प्रतिनिधि रूपनिरंजन सिन्हा, आनंद सोनी, विधायक प्रतिनिधि बड़गड़ ओमप्रकाश, भंडरिया प्रतिनिधी बिरझु सिंह, भंडरिया मंडल अध्यक्ष राजेश्वर ठाकुर,उपाध्यक्ष विनय जयसवाल, सुरेश केसरी आदि सहित अन्य लोग काफी संख्या में उपस्थित थे।

सिलिदाग पंचायत में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित, बोले जनप्रतिनिधि

जरूरतमंदों को मिलेगा योजनाओं का लाभ

नवीन मेल संवाददाता

रमना। आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का अंतिम कैंप प्रखंड के सिलिदाग पंचायत सचिवालय में शनिवार को आयोजित किया गया। जिसमे प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, सभी प्रखंड कर्मियों, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, जिलापरिसद अध्यक्ष और मुखिया अनीता देवी के गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। सरकार की यह सोच है कि सरकारी योजनाओं का लाभ सभी जरूरतमंद को मिले।यदि योजनाओं का लाभ आम जनता को प्राप्त नहीं होगा, तो योजना बनाने का औचित्य क्या? किसी कारणवश अगर जरूरतमंद सरकार की योजनाओं तक अपनी पहुंच बनाने में असमर्थ हैं,तो क्यों ना सरकार योजनाएं लेकर उनके दरवाजे तक पहुंचे? इसी सोच को पूरा करने के लिए विगत वर्ष से वर्तमान सरकार ने 'धरती आबा' भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर ₹आपके अधिकार-आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का शुभारंभ किया था। जिससे लोगों को उनका हक -अधिकार प्राप्त हो! इस अभियान के जरिए अन्य छुटे हुए लोगों को योजनाओं से जोड़ने हेतु एक बार फिर आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया।अप्राह्न दो बजे तक छह सौ पन्द्रह आवेदन विभिन्न विभागों के स्टाल पर जमा कराया गया। जिसमे सर्वाधिक आवेदन आवास से संबंधित 215 आवेदन दिया गया। जबकि पीडीएस से जुड़ी 72,पेंशन के 15,पेयजल के 16, मनरेगा के 200,पशुपालन 1,जेएसएलपीएस के 20,स्वास्थ जांच 3, कृषि के 6,15 वाँ वित्त आयोग के 10,उर्जा के 1,महिला बाल विकास विभाग मे 06 तथा मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के 7 आवेदन समर्पित किया गया।

- कार्यक्रम में सर्वाधिक आवेदन आवास योजनाओं से संबंधित 215 आवेदन प्राप्त हुए
- पेयजल से संबंधित 16 आवेदन प्राप्त हुए

बीआरपी-सीआरपी की बैठक में विभागीय कार्यो की हुई समीक्षा

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। प्रखंड संसाधन केन्द्र अधौरा में शनिवार को बीआरपी,सीआरपी की बैठक बीआरपी श्रीकांत चौबे की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में श्री चौबे ने विभागीय कार्यो की समीक्षा किया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिया। बैठक में उन्होंने सभी प्रधानाध्यापकों को 8वीं से 12वीं तक के छात्राओं का सावित्रीबाई फुले किशोरी समवृद्धि योजना का फार्म भरकर आगामी 14 नवम्बर तक बाल विकास परियोजना कार्यालय में जमा करने का निर्देश दिया। उन्होंने परियोजना पदाधिकारी के निर्देशानुसार सभी छात्र छात्राओं का खाता खोलने, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों का प्रशिक्षण कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी सीआरपी अपने अपने सीआरसी में प्रधानाध्यापक से सम्पर्क कर प्रशिक्षण कराना सुनिश्चित करेंगे। विद्यालय विकास 2022-23 के तहत ऑन लाइन गूगल सीट के माध्यम से भरने का निर्देश दिया.उन्होंने कहा कि अनुश्रवण के क्रम में ऐसा देखा गया कि एमडीएम पंजी विद्यालय में नही है,अगर है तो संधारित नही किये गये है। उन्होंने ऐसी लापरवाही को शीघ्र दूर करने का सुझाव देते हुये प्रतिदिन एसएमएस करने,सभी छात्र छात्राओं की उपास्थिति ई विद्या वाहिनी में बनाने का निर्देश दिया। बैठक में बीआरपी प्रकाश कुमार, सीआरपी संजय कुमार सिंह,अजय कुमार, बिरेन्द्र प्रजापति,लेखापाल चंदन कुमार, रिसोर्स शिक्षक शशिकांत पाल, कम्प्यूटर ऑपरेटर रोहित कुमार उपस्थित थे।

फांसी के फंदे से लटकता एक व्यक्ति का शव बरामद

पुलिस से ग्रामीणों ने अविलंब मामले की उद्भेदन करने की मांग की

नवीन मेल संवाददाता

डंडई। डंडई थाना क्षेत्र के रारो पंचायत स्थित बेलवाटीकर गांव में शनिवार को 55 वर्षीय अधेड़ का शव पशु शेड में लटकते पाया गया। शव की पहचान 55 वर्षीय भूखन कोरवा के रूप में हुई है। घटना के संबंध में मृतक की पत्नी आशा देवी ने बताया कि कल मेरे पति पैसे की निकासी कर घर आए थे। रात्रि में हम लोग साथ खाना खाने के बाद सोने चले गए। करीब 11 बजे उन्होंने बाहर जाने के लिए मुझसे चप्पल की मांग की। मैंने बताया कि चप्पल वहीं पर होगा इसके बाद वह बाहर चले गए और मैं सो गई। सुबह जगी तो लोगों से पता चला कि उनका शव उनके ही पशु शेड में फंदे से लटक रहा है। घटना के बाद उन्हें विश्वास ही नहीं हो रहा था कि मेरे पति अब इस दुनिया में नहीं रहे। आशा देवी ने बताया कि एक माह पूर्व उसके बड़े बेटे जसवंत कोरवा व उसकी पत्नी चंद्रशिला देवी से नल से पानी भरने को लेकर झगड़ा हुआ था। झगड़ा के बाद बेटे व पतोहू द्वारा गढ़वा न्यायालय में केस भी दर्ज कराया गया था। 14 नवंबर को केस के सिलसिले में गढ़वा जाना था। इससे पहले या घटना हो गई। आशा देवी ने आशंका जताई है कि उन्होंने आत्महत्या नहीं की बल्कि उनकी हत्या कर शव को पशु शेड में लटका दिया गया है।

ग्रामीणों ने हत्या की जतायी आशंका

इधर ग्रामीण पुष्पा देवी, संगीता देवी, जयराम गोंड, रविंद्र कुमार, सुंदर यादव, अक्षय यादव, महेंद्र यादव आदि ने आशंका जताया की भूखन कोरवा की हत्या की गई है। हत्या कर शव को उनके ही पशु शेड में लटका दिया गया है। भूखन कोरवा एक सीधे-साधे व्यक्ति थे। उनका गांव में किसी से झगड़ा नहीं था। ग्रामीणों ने बताया कि जिस शेड में मृतक का शव लटका हुआ पाया गया है उसकी ऊंचाई महज 7 फीट है । जबकि मृतक की लंबाई 6 फिट की है । साथ ही कहा कि अगर मृतक स्वयं फांसी के फंदे पर लटकता तो उसका पैर बिल्कुल रूप से जमीन से ऊपर होता जबकि उसका पैर पूरी तरह जमीन से सटे था । सिर्फ साक्ष्य को छुपाने के लिए मृतक के शव को फांसी के फंदे पर लटकाने के काम किया गया है । ग्रामीणों ने स्थानीय पुलिस प्रशासन से मामले का अविलंब उद्भेदन करने की मांग की है । ग्रामीणों की सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंच कर डंडई पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण हेतु गढ़वा भेज दिया है। इस संबंध में थाना प्रभारी सुनील कुमार पटेल ने बताया कि हत्या है या आत्महत्या रिपोर्ट मिलने के बाद ही बताया जा सकता है।

विस से स्थानीयता नीति पारित होने पर झामुमो कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

नवीन मेल संवाददाता

बड़गड़। अखिल भारतीय आदिवासी महासभा ने विधानसभा में 1932 के खतियान को स्थानीयता का आधार मानने हेतू विधेयक पास कराने को लेकर राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित राज्य सरकार को बधाई दी है। शनिवार को महासभा के केंद्रीय अध्यक्ष जयप्रकाश मिंज ने बड़गड़ के गोठानी गांव स्थित अपने आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन कर कहा की मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड विधानसभा में 1932 खतियान आधारित स्थानीयता एवं नियुक्ति तथा सेवाओं में आरक्षण वृद्धि का विधेयक पास कर ऐतिहासिक कार्य किया है। मुख्यमंत्री द्वारा चीर लंबित आदिवासियों एवं मूल वासियों को उनका अधिकार देने के साथ-साथ यहां रह रहे लोगों के हितों का ख्याल रख एवं सुरक्षा देने का वादों को निभाने के प्रति किए जा रहे कार्यों के लिए अखिल भारतीय आदिवासी महासभा की ओर से कोटि कोटि बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। मौके पर उपरोक्त के अलावा महासभा के प्रखंड अध्यक्ष अर्जुन मिंज सहित मिलयानुस केरकेट्टा, अमोस मिंज, सुनील मिंज, संजय कुजूर, विश्राम बाखला उपस्थित थे।

एसडीओ ने किया मतदाता जागरूकता रथ को झंडी दिखाकर रवाना

श्री बंशीधर नगर। मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण2023 को लेकर आम लोगो व मतदाताओं को जागरूक करने के लिये निर्वाचक निबन्धन पदाधिकारी (81 भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र) सह अनुमण्डल पदाधिकारी आलोक कुमार ने शनिवार को अनुमण्डल कार्यालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर मतदाता जागरूकता रथ को रवाना किया। मतदाता जागरूकता रथ भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र के सभी प्रखंडों के गांव गांव में जाकर अधिक से अधिक योग्य लोगो को मतदाता सूची में नाम जोड़वाने के लिये जागरूक करने को लेकर प्रचार प्रसार करेगा। मौके पर सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह बीडीओ श्रवण राम, कार्यालय प्रधान सहायक सुरेश राम, सहायक शुभम कमल, नगर प्रबंधक रवि कुमार, कम्प्यूटर ऑपरेटर कमल किशोर व अन्य कर्मी उपस्थित थे।

अरसली उत्तरी पंचायत में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में लोगों ने दिया आवेदन

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। अरसली उत्तरी पंचायत के झुमरी के खेल मैदान में शनिवार को आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बीडीओ जयपाल महतो, सीओ रामा शंकर श्रीवास्तव, प्रखंड प्रमुख शोभा देवी, जिला परिषद सदस्य रंजनी शर्मा, मुखिया इशरत जहां, मिना देवी उप मुखिया, बीस सूत्री अध्यक्ष इंद्रदेव बैठा, बीडीसी अनिता देवी, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष चंदन ठाकुर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। मौके पर 15 लोगों के बीच बीडीओ, सीओ, प्रमुख एवं मुखिया ने सयुक्त रूप से जेएसएलपीएस सखी मंडल की महिलाओं को रोजगार के लिए 10लाख का चेक, 20 लोगों को कंबल एवं 12 लोगों के बीच जॉब कार्ड वितरण किया गया। शिविर में पंचायत के लोगों की विभिन्न समस्याओं के निदान के लिये

अलग-अलग स्टॉल लगाकर आवेदन लिया गया। जिसमें अंचल, बाल विकास, शिक्षा, पेंशन, आवास, स्वास्थ्य, पशु पालन, बैंक, कृषि, 15वें वित्त आयोग, समाज कल्याण सहित कई अन्य विभाग के स्टॉल लगाए गए। शिविर में 900आवेदन मिले एवं 250का निष्पादन किया गया' कार्यक्रम का संचालन रोजगार सेवक तहमिद अंसारी एवं जयराम पासवान ने किया। मौके पर बीपीओ दयानंद प्रजापति, पंचायत सेवक अजीत सिंह, विष्णु प्रसाद, बीपीएम नीरज कुमार, श्रम मित्र नगेंद्र शर्मा, गणपत राम, पंकज कुमार, धर्मेंद्र कुमार आदि मौजूद थे।

सीएस ने बंद पड़े प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

केतार। सिविल सर्जन अनिल कुमार शनिवार की शाम केतार प्रखंड के विभिन्न स्वास्थ्य उप केंद्रों सहित बंद पड़े प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। सीएस ने सर्वप्रथम स्वास्थ्य उपकेंद्र केतार का निरीक्षण किया,जहां कार्यरत एएनएम पबिता कुमारी से विधि व्यवस्था के बारे में पूछताछ किया। एएनएम पबिता कुमारी ने सिविल सर्जन अनिल कुमार से स्वास्थ्य उपकेंद्र में बिजली पानी और शौचालय सम्बंधित होने वाली परेशानी से अवगत कराई। सीएस ने बिजली, पानी एवं शौचालय की परेशानी को दूर करने का निर्देश विभागीय पदाधिकारियों को दिया। वहीं सीएस ने उद्घाटन के बाद से बंद पड़े 2.35 करोड़ की लागत से

निर्मित स्वास्थ्य केन्द्र की साफ सफाई कराने को कहा, उन्होंने कहा की पंद्रह दिन के भीतर स्वास्थ्य केन्द्र में ओपीडी सेवा शुरू करायी जायेगी।ताकी यहां के मरीजों को इलाज कराने दुसरे जगह जाना नहीं पड़े।इसके बाद सिविल सर्जन ने केतार मां चतुभुर्जी का दर्शन एवं पूजन किया।इस मौके पर डीपीएम प्रवीण सिंह, डीएस अवधेश सिंह, डॉक्टर नितेश भारती, डॉक्टर अभिजीत विश्वास, एमपीडब्ल्यू मनोज पाठक उपस्थित थें।

राशन के चावल कालाबाजारी करने वाले एक व्यक्ति को किया गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। पुलिस ने राशन के चावल कालाबाजारी करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर शनिवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है गिरफ्तार व्यक्ति गढ़वा थाना क्षेत्र के भागलपुर टंडवा मोहल्ला निवासी स्वर्गीय विश्वनाथ साव का पुत्र दिनेश कुमार गुप्ता बताया गया है इस संबंध में थाना प्रभारी लक्ष्मीकांत ने बताया कि प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी राहुल कुमार ने शाहपुर रोड स्थित दिनेश कुमार गुप्ता एवं गणेश गुप्ता के गोदाम में कालाबाजारी का अनाज रखने के सूचना पर छापामारी करने के लिए पुलिस बल के साथ वहां पहुंचे थे जहां पुलिस ने छापामारी किया तो उसके गोदाम से राशन का कालाबाजारी का चावल पुलिस ने बरामद किया इसके बाद दोनों के

विरुद्ध करवा थाने में कांड संख्या 607/ 22 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराया इसके बाद पुलिस ने उसे छापामारी कर दिनेश कुमार गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया इस दौरान गणेश गुप्ता छापामारी के दौरान फरार हो गया विदित हो कि दिनेश गुप्ता को गोदाम में पूर्व में भी राशन कालाबाजारी को लेकर छापामारी किया गया था इसमें भी पुलिस ने 491/ 21 के तहत दिनेश गुप्ता के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज किया था।

चौरिया में राशनकार्डधारियों ने पूर्व उपप्रमुख को दिया आवेदन

डीलर पर लगाया एक माह का राशन नही देने का आरोप

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी(गढ़वा)। प्रखंड के चौरिया गांव के दर्जनों राशन कार्डधारी लाभूकों ने पूर्व उपप्रमुख गोरखनाथ चौधरी को उपायुक्त के नाम आवेदन देकर विकास भारती स्वयं सहायता समूह के डीलर मुन्नी देवी पर एक माह का राशन नही देने का आरोप लगाया है। आवेदन में उल्लेख किया है कि डीलर मुन्नी देवी ने हमलोगो का अगस्त एवं सितंबर का पर्ची निकाल ली। दो माह का पर्ची निकालने के बाद सिर्फ एक माह राशन दी। दूसरे माह का देकर राशन नही दी। राशनकार्डधारी यदुनंदन चौधरी, नंदन कुमार पटेल, प्रहलाद चौधरी, अरुण चौधरी, नारद चौधरी, बैजनाथ चौधरी, बिफनी कुँवर, नेपुरी कुँवर, सभापति चौधरी, शोभा यादव सहित दर्जनों कार्डधारकों ने बताया हमलोग सभी डीलर मुन्नी देवी के दुकान से राशन उठाव करते है। हम लोगों को डीलर

मुन्नी देवी अगस्त एवं सितंबर तथा का पर्ची पॉस मशीन से अंगूठा लगवाकर निकाल ली। जब हमलोग राशन दोनो माह का लेने डीलर के घर गये तो डीलर के एक माह का ही राशन दिया। डीलर के पति मनदीप साह ने बताया अभी एक माह का ही राशन आया है। दूसरा माह का जब राशन आयेगा तो देंगे। जबकि जिला खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी ने सितंबर महीने तक लाभुकों को शतप्रतिशत अनाज उपलब्ध कराने का निर्देश डीलरों को दिया है। जब हमलोगो को दोनो माह का राशन नही मिला तो निराश होकर पूर्व उपप्रमुख गोरखनाथ चौधरी से मिलकर उपायुक्त गढ़वा के नाम आवेदन देकर राशन दिलाने की मांग किये है। इसकी जानकारी पूर्व उपप्रमुख गोरखनाथ चौधरी ने बीडीओ सह एमओ गणेश महतो को दूरभाष पर दिया। साथ ही डीलर पर जांचोपरांत आवश्यक करवाई करने की मांग किया है। इसके अलावे गोरखनाथ चौधरी ने बताया पर्ची निकालने के बावजूद राशन को नहीं देना गलत है। ऐसे में उपायुक्त एवं जिला खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी से मिलकर करवाई की मांग करेंगे। बीडीओ सह एमओ गणेश महतो ने बताया डीलर पर्ची निकाल कर राशन नही दिए है तो गलत है। इसकी जांच कर कार्रवाई की जायेगी।

झामुमो कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

खरौंधी(गढ़वा)। विधान सभा मे 1932 का खतियान आधारित स्थानीयता नीति और आरक्षण विधेयक पारित होने पर झामुमो कार्यकताओं ने खुशी जाहिर की है। खरौंधी बजारमे झामुमो के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जमा होकर अतिशबाजी किया। इस दौरान पार्टी के झंडे लेकर कार्यकताओं ने हेमंत सरकार के समर्थन में जमकर नारेबाजी भी किया एवं एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर खुशी जाहिर किया। इस दौरान प्रखंड अध्यक्ष अभिजीत किशोर,सचिव मिथलेश कुमार, झामुमो कार्यसमिति के सदस्य हिफाजत अंसारी, बिनोद यादव,उपप्रमुख देवदत्त प्रसाद आर्य, राकेश उरांव,राजेंद्र यादव,देवबंश गुप्ता,अरविंद पासवान,विजय मेहता,अजय बैठा, उमाशंकर प्रसाद, जाकिर हुसैन, सतेंद्र बैठा, अजित यादव सहित कई लोग मौजूद थे।

जनविरोधी नीतियों के खिलाफ केतार में भाजपा ने किया प्रदर्शन

नवीन मेल संवाददाता

केतार। केतार मंडल के भाजपा कार्यकताओं ने शनिवार को हेमंत सोरेन सरकार के खिलाफ जन आक्रोश रैली निकाल कर प्रदर्शन किया। सरकार के नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की। सरकार पर भ्रष्टाचार में लिप्त रहने, तुष्टिकरण की राजनीतिक करने व बालू पत्थर की लूट की छुट के आरोप लगायें। जुलूस केतार कपूरी गेट से होकर? प्रखंड कार्यालय पहुंच कर प्रर्दशन किया,प्रर्दशन के बाद सभा की गई।इस अवसर पर भाजपा नेता व जिप सदस्य ज्वाला प्रसाद ने कहा कि हेमंत सरकार में भ्रष्टाचार का बोलबाला है, प्रखंड और अंचल मे लूट मची है। गरीबों को कोई भी काम नहीं हो रहा है। यहां के मजदूर बाहरी राज्यों में पलायन करने को विवश हैं। राजस्व कर्मचारी दो माह से हड़ताल पर हैं , सुखाड़ से राहत के लिए सरकार के द्वारा कोई

योजना नहीं चलाई जा रही है। सभा की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष कन्हाई प्रसाद और संचालन सतेन्द्र ठाकुर ने किया। मौके पर कार्यक्रम प्रभारी उमेन्द्र यादव,जिप सदस्य ज्वाला प्रसाद, ओबीसी मंडल मुंगा साह , विधायक प्रतिनिधि विकर्मा सिंह,राम कुमार पासवान,राम प्रसाद कमलापुरी, राकेश सिंह, सुनील सिंह रविन्द्र सोनी, सुधीर ठाकुर, हीरालाल ठाकुर, नागेन्द्र प्रजापति सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

न्यूज गैलरी

चंदवा में राज्य सरकार के खिलाफ भाजपा का आक्रोश प्रदर्शन

चंदवा। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत भारतीय जनता पार्टी मंडल कमिटी के द्वारा राज्य सरकार के जनविरोधी नीतियों के खिलाफ शनिवार को प्रखंड मुख्यालय परिसर में आक्रोश प्रदर्शन किया गया। इससे पहले भाजपा कार्यकर्ता कुसुमटोली स्थित कृषि फार्म के समीप जमा हुए वहां से सभी रैली की सकल में प्रखंड कार्यालय पहुंचे और प्रखंड मुख्यालय का घेराव किया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में भाजपा नेता और कार्यकर्ता शामिल थे।।आक्रोश प्रदर्शन का नेतृत्व चंदवा मंडल अध्यक्ष अमित कुमार गुप्ता ने की जबकि संचालन मनीष कुमार कर रहे थे। प्रदर्शन में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम के प्रभारी अवधेश सिंह चेरो, महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष नीलम देवी, राकेश दुबे, पूर्व जिला अध्यक्ष लाल अमित नाथ शाहदेव,सांसद प्रतिनिधि महेन्द्र प्रसाद साहु मौजूद थे। आक्रोश प्रदर्शन को संबोधित करते हुए भाजपा नेता अवधेश सिंह चेरो ने कहा कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबी हुई है मुख्यमंत्री खुद जेल जाने के दिन गिन रहे है वर्तमान सरकार लोगों को सिर्फ बरगलाने का कार्य कर रही है। कार्यक्रम में भाजपा नेताओं ने कॉग्रेस नेता बंधु तिर्की के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। मौके पर युवा मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष रिकी कुमार वर्मा, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष साजिद खान उर्फ धन्नू, एससी मोर्चा अध्यक्ष उमेश गंझू, सुनील कुमार मुंडा,अवधेश यादव सहित अन्य मौजूद थे।

हेमंत सरकार के खिलाफ भाजपा ने निकाली आक्रोश रैली

मयूरहंड/प्रतापपुर(चतरा)। शनिवार को जिले के मयूरहंड व प्रतापपुर प्रखंड में हेमंत सरकार के खिलाफ भाजपाईयों द्वारा आक्रोश रैली निकाली गई। मयूरहंड प्रखंड डाक घर मोड़ से भाजपाईयों ने ने रैली निकाली जो प्रखंड मुख्यालय पहुंचकर सभा में तब्दील हो गई। सभा की अध्यक्षता मंडल उपाध्यक्ष अयोध्यानंद शर्मा और संचालन मंडल महामंत्री महेंद्र कुमार नायक ने किया। सभा में वक्ताओं ने हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार लोक लुभावन नारों के साथ सत्ता में आई। आज झारखंड में सर्वत्र लूट खसोट और अराजकता का माहौल है। हेमंत सरकार अपने चहेतों के माध्यम से पूरे झारखंड में लूट मचा रखी है। कोयला, पत्थर के खदान अपने परिजनों को बांटे जा रहे हैं। झारखंड की बेटियां जलाई जा रही हैं, बलात्कार जैसे जघन्य कृत्य किए जा रहे हैं। वहीं सरकार की सहयोगी कांग्रेस पर सत्ता लोलुपता के गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जनता सब देख रही है। आगामी चुनाव में निकम्मी, विकास विरोधी और झूठी सरकार को अवश्य सबक सिखाएगी। कार्यक्रम में मंडल प्रभारी मृत्युंजय कुमार सिंह, शिवबालक सिंह, उज्ज्वल कुमार दास, रसिक शिरोमणि, संजय कुमार सिंह, रंजय भारती, जिला कार्यसमिति सदस्य अश्विनी कुमार सिंह के साथ बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल थे। वहीं प्रतापपुर प्रखंड मुख्यालय में जनाक्रोश रैली सह धरना प्रदर्शन का संचालन सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र पासवान ने किया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक जनार्दन पासवान ने कहा की वर्तमान सरकार व उनके मंत्री सिर्फ उगाही करने में लगे हैं। प्रतापपुर जैसे सुदूरवर्ती क्षेत्र में किसानों का दर्द वर्तमान सरकार को दिखाई नहीं देता है। लेकिन जनता अब आंदोलन के मूड में हैं। मौके पर मंडल अध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता, प्रमुख स्मिता प्रकाश, पूनम देवी, अमरेश सिंह, सुरेंद्र भारती, रविंद्र कुमार राबो, पार्वती देवी आदि शामिल थे।

जर्जर भवन में चल रहा आंगनबाड़ी केंद्र, कभी भी हो सकता है हादसा

इटखोरी/चतरा (महेश प्रजापति)। बाल विकास परियोजना द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों व महिला व बच्चों के कुपोषण से बाचाव को लेकर तरह-तरह की योजनाएं चलाई जा रही हैं। लेकिन इटखोरी प्रखंड अंतर्गत पितीज पंचायत स्थित पितीज कोइरी टोला (कोड संख्या 74) का आंगनबाड़ी केंद्र अत्यंत जर्जर और बदहाल भवन में संचालित हो रहा है। जिससे केंद्र में पहुंचने वाले बच्चों के सिर पर खतरा मंडराता रहता है। सेविका संगीता कुमारी का कहना है कि केंद्र का भवन जर्जर स्थिति में है, ऐसे में अभिभावक केंद्र में बच्चों को भेजने में कतते हैं। सेविका ने जर्जर भवन को देखते हुए नए भवन की मांग जिला प्रशासन से की है।

रात्रि चौपाल में स्वीकृति पत्र एवं परिसंपत्तियों का किया गया वितरण

चतरा। सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत नगर परिषद क्षेत्र में न्यू पेट्रोल पम्प के समीप रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल कार्यक्रम में उपायुक्त अबु इमरान पहुंच, लाभुकों के बीच कई योजनाओं के स्वीकृति पत्र एवं परिसंपत्तियों का वितरण किया। उपायुक्त ने इस दौरान कहा कि राज्य सरकार के तीन वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सभी योग्य लाभुकों को योजनाओं से लाभान्वित करने के उद्देश से पूरे राज्य में एक साथ दो चरणों में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश योग्य लाभुक जागरूक हों और योजनाओं का लाभ उठाएं। कार्यक्रम में एसी पवन कुमार मंडल, एसडीओ मुमताज अंसारी, भू अर्जन पदाधिकारी गौरांग महतो, नप कार्यपालक पदाधिकारी अभय कुमार झा, डीटीओ संतोष कुमार सिंह, योजना पदाधिकारी अनूप कुमार समेत अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

ट्रैक्टर से दबकर मजदूर की मौत

टंडवा (चतरा)। टंडवा थाना क्षेत्र के हुम्बी निवासी 45 वर्षीय मजदूर दशरथ गंझू की दर्दनाक मौत ट्रेक्टर पलटने के उपरांत उसमें दबकर हो गई। वहीं वाहन में सवार तीन अन्य सतीश गंझू, हृषिकेश सिंह एवं मंटू सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार रेलवे में पेटी कांट्रेक्टर पर कार्य करने वाले बालूमाथ थाना के नावाटोला बेसरा निवासी अनिल तुरी के ट्रेक्टर में सभी मजदूर के रूप में काम करते थे और कोयद में लगने वाले साप्ताहिक बाजार से बिते देर शाम अपने घर लौटने रहे थे कि अनियंत्रित हो ट्रेक्टर गड्ढे में पलट गया, जिससे दबकर दशरथ की मौत मौके पर हीं हो गई। सूचना पाकर सराढू पिकेट प्रभारी राजेश कुमार देर रात हीं घटनास्थल पर पहुंच घायलों को स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां से हृषिकेश एवं मंटू को बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया। दूसरी ओर शनिवार को शव को पोसर्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया।

विभिन्न प्रखंड़ों में मेगा लीगल एंपावरमेंट कैंप का किया गया आयोजन

विधिक व सरकारी योजनाओं की दी गयी जानकारी

नवीन मेल संवाददाता

चतरा/सिमरिया/पत्थलगड़ा/मयूरहंड : शनिवार को डीएलएसए के निर्देशन में सिमरिया, गिद्धौर, मयूरहंड व पत्थलगड़ा आदि प्रखंड कार्यालय परिसर में मेगा लीगल एंपावरमेंट कैंप का आयोजन किया गया। सिमरिया में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी मोहम्मद उमर, जिप सदस्य देवनंदन साहू, बीडीओ नीतू सिंह, अंचलाधिकारी छुटेश्वर कुमार दास आदि ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्वलित कर किया। श्री उमर ने कहा कि शिक्षा से ही लोगों का समुचित विकास हो सकता है, अतः हम सभी लोगों को अपने क्षेत्र में शिक्षा के विकास पर ध्यान देना चाहिए। बीडीओ ने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। वही अंचलाधिकारी ने लोगों को सड़क दुर्घटना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। मौके पर विधिक

कार्यकर्ता सुबोध कुमार शर्मा, उमेश प्रसाद, रंजन कुमार मिश्रा, गुड्डू आलम, सुबोध कुमार पांडेय, उप प्रमुख रोहन यादव आदि मौजूद थे। वहीं गिद्धौर प्रखंड कार्यालय परिसर में आयोजित मेगा सशक्तिकरण शिविर में न्यायिक दंडाधिकारी मुक्ति भगत, प्रमुख अनिता यादव, बीडीओ संजीत कुमार सिंह, सीओ जयशंकर पाठक, उपप्रमुख प्रितम यादव आदि शामिल थे। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का सभी ने निरीक्षण किया। साथ ही श्री भगत ने कानून से सम्बंधित कई जानकारी लोगों को दिए। इस अवसर पर 10 कम्बल, 11 लोगों को सरसों मिनी किट, 3 को केसीसी ऋण, जेएसलपीएस से डमी चेक, फुलोझानो से 1 लाभुक को दस हजार का चेक, 1 विल चेयर, किशोरी समृद्धि योजना का 10 स्वीकृति पत्र, 17 वृद्धापेंशन की स्वीकृति पत्र, 8 अम्बेडकर आवास स्वीकृति पत्र सहित कई परिसम्पतियों का वितरण किया गया। शिविर में बीपीओ अजय कुमार सिन्हा, मुखिया निर्मला देवी, डेगन गंझू, पीएलभी शम्भू राणा, उर्मिला देवी व काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। पत्थलगडा प्रखंड कार्यालय में प्राधिकार के अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह व सचिव प्रज्ञा वाजपेई के निर्देशन में आयोजित मेगा विधिक सशक्तिकरण शिविर में न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी मुक्ति भगत, बीडीओ मोनी कुमारी, जिप सदस्य, प्रमुख मनीषा कुमारी, पीएलभी मुनीलाल दांगी, रविंद्र दांगी, सांसद प्रतिनिधि अमित तिवारी, विधायक प्रतिनिधि अरविन्द ठाकुर, बीस सूत्री उपाध्यक्ष जितेन्द्र दांगी आदि उपस्थित थे। बरवाडीह निवासी दिव्यांग प्रदीप साव को व्हील चेयर दिया गया।

विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। प्रखंड अंतर्गत नेवाड़ी पंचायत में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान बीडीओ श्री मेघनाथ उरांव ने शिविर में उपस्थित लोगों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी विस्तार से दी। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के लाभुकों को लाभ पहुंचाने का है। जिन्हें अब तक सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ नहीं मिला है या किसी अन्य कारण से लाभ से वंचित है, वैसे लाभुक यहां आवेदन कर सकते हैं। जिसकी जांच कर त्वरित निष्पादित किया जाएगा।

कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारी व जनप्रतिनिधियों द्वारा संयुक्त रुप से लाभुकों के बीच 06 जॉब कार्ड, 10 जरुरतमंदो के बीच कंबल, 08 लाभुकों को शर्ट पैंट का वितरण किया गया। सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत 12 छात्राओं के बीच स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया।

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा अलग अलग स्टॉल लगाकर सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान ग्रीन राशन कार्ड निर्माण, सोना सबरन धोती - साड़ी योजना, फुलो झानों आर्शिवाद योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, ई श्रम पोर्टल पर श्रमिक निबंधन, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना आदि योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई।

सिंजो पंचायत में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन

ग्रामीणों तक पहुंचेगा योजनाओं का लाभ: विश्वनाथ

नवीन मेल संवाददाता

मनिका। प्रखंड के सिंजो पंचायत सचिवालय में दिन शनिवार को सरकार की आपकी योजना,आपकी सरकार,आपके द्वार कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय विकास शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुभारंभ उपस्थित सभी मुख्य अतिथियों के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।उक्त कार्यक्रम में प्रखंड के सभी विभागों के अलग-अलग स्टॉल लगाए गए थे। गांव के सैकड़ों ग्रामीणों ने अपनी समस्या से जुड़ी आवेदन संबंधित कर्मियों के पास जमा किया। मौके पर मनिका प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष विश्वनाथ पासवान ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार आपके द्वार यह योजना खास तौर पर गरीबों के लिए संचालित की गई है।

इस योजना के माध्यम से समाज के सबसे अंतिम पायदान पर रहने वाले गरीबों तक योजना का लाभ पहुंच पाएगा। गरीबों को वृद्धा पेंशन,विधवा पेंशन,राशन कार्ड सहित अन्य योजनाओं के लिए प्रखंड एवं जिला का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। इसलिए इस योजना को धरातल पर उतारा गया है। उन्होंने कहा कि सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत लाभुकों को तुरंत योजना का लाभ देने का काम किया जा रहा है। गांव के ग्रामीण योजनाओं का लाभ लेने हेतु ज्यादा से ज्यादा संख्या में विकास शिविर में उपस्थित होकर आवेदन जमा करें। वहीं जिप सदस्य बलवंत सिंह ने जनप्रतिनिधियों से भी आग्रह किया कि आप लोग भी अपने क्षेत्र के गरीबों तक सरकार की इस योजना का लाभ पहुंचाने का हरसंभव प्रयास करें। मौके पर उपस्थित, विधायक प्रतिनिधि दरोगी प्रसाद यादव, मनिका प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष विश्वनाथ पासवान,मुखिया निर्मला देवी, उप मुखिया सकलदीप यादव,बीपीओ अमित कुमार, रोजगार सेवक सुरेंद्र कुमार यादव, पंचायत सेवक मनोहर सिंह, पंकज यादव, अरुण यादव, संतोष यादव ,चंदन यादव, सुनील यादव ,उमाशंकर यादव सहित अन्य लोग मौजूद थे।

जिले के तीन प्रखंडों में आपके द्वार कार्यक्रम का किया गया आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

चतरा/प्रतापपुर। द्वितीय चरण के 11वें दिन जिले के हंटरगंज प्रखंड के केदली कला, तिलहेत, प्रतापपुर के सिजुआ व टंडवा के बचरा उत्तरी पंचायत में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से योग्य लाभुकों को लाभान्वित करने का कार्य किया गया। वहीं श्रम विभाग झारखंड सरकार के सचिव प्रवीण टोप्पो, उपायुक्त अबु इमरान एवं जिले के वरीय अधिकारियों संग केदली कला व सिजुआ पंचायत में आयोजित कार्यक्रम में पहुंच लगाये गये स्टॉलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में सचिव श्री टोप्पो ने कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि विभिन्न योजनाओं से संबंधित लगाये गये स्टॉलों में योग्य लाभुकों द्वारा प्राप्त आवेदनों का ऑन स्पॉट निष्पादन के साथ-साथ ऑन लाइन इंट्री तीव्र गति से करेंगे। वहीं मौके पर सचिव श्री टोप्पो ने योग्य लाभुकों के बीच जॉब कार्ड, समेत कई योजनाओं के स्वीकृति पत्र का वितरण किया। निरीक्षण के क्रम में मुख्य रूप से उपायुक्त अबु इमरान, डीडीसी उत्कर्ष गुप्ता, सदर एसडीओ मुमताज अंसारी सहित अन्य उपस्थित थे।

अनाथ बच्चों के घर पहुंचे न्यायिक दंडाधिकारी

सिमरिया (चतरा)। शनिवार को प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी मोहम्मद उमर सिमरिया प्रखंड के इचाक ग्राम के झरना टोला पहुंच सात अनाथ बच्चों से मिले। मेगा एंपावरमेंट कैंप में पहुंचे न्यायिक दंडाधिकारी को बीडीओ नीतू सिंह ने बताया कि ग्राम इचाक के झरना टोली में सात अनाथ बच्चे हैं जिनका भरण पोषण रीना तिर्की कर रही है। उसके बाद श्री उमर बीडीओ, सीओ छुटेश्वर कुमार दास, जिप सदस्य देवनंदन साहू, उपप्रमुख दामोदर गोप, विधिक कार्यकर्ता सुबोध कुमार शर्मा, उमेश प्रसाद, रंजन कुमार मिश्रा के साथ गांव पहुंचकर उनकी समस्याओं से अवगत हुए और कंबल प्रदान किया तथा सरकार के अन्य योजनाओं का लाभ देने की बात कही। जिप सदस्य उक्त बच्चों का नामांकन सरकारी आवासीय विद्यालय में कराने का भी आश्वासन दिया।

बरवाडीह में भाजपा कार्यकर्ताओं ने रैली निकालकर किया विरोध प्रदर्शन

नवीन मेल संवाददाता

बरवाडीह। प्रखंड भाजपा मंडल द्वारा राज्य की हेमंत सरकार के खिलाफ पुराना प्रखंड कार्यालय परिसर से चतरा सांसद सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में एक रैली निकाली गई। भाजपा द्वारा राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम के तहत शनिवार को प्रखंड मुख्यालय में विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष हर्षवर्धन सिंह ने किया। कार्यक्रम में सांसद के अलावे प्रभारी सह लातेहार भाजपा जिला अध्यक्ष व पूर्व विधायक हरे कृष्ण मुख्य रूप से उपस्थित रहे। हेमंत सोरेन सरकार के विरोध में नारेबाजी करते हुए जुलूस अंबेडकर चौक पहुंचकर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर सांसद सुनील सिंह, पूर्व विधायक हरि कृष्ण सिंह सदस्य संतोषी शेखर प्रखंड, प्रमुख सुशीला देवी समेत अन्य लोगों के द्वारा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर बारी बारी से माल्यार्पण किया

गया। जिसके बाद हेमंत सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन मार्च हेमंत सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गयी। इस दौरान छिपादोहर बरवाडीह भाजपा मंडल के कई सदस्यों सांसद प्रतिनिधि कन्हाई प्रसाद, प्रखंड प्रभारी मुकेश सिंह, किसान मोर्चा अध्यक्ष मनोज यादव दीपक तिवारी, बंसी यादव ,प्रवीण कुमार, ऋषि प्रजापति, कालो देवी, दिलीप सिंह यादव, सुनील सिंह, नीरज कुमार सिंह ,ईश्वरी सिंह, प्रदीप सिंह,अजय सोनी, समेत काफी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक शामिल थे।

तालाब जीर्णोद्धार कार्य लगभग पूर्ण, राशि का नही हुआ भुगतान, लाभुक परेशान

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। लातेहार जिला के बालूमाथ प्रखंड अंतर्गत बसिया पंचायत के नगड़ा ग्राम के पास भूमि संरक्षण विभाग से एक तालाब मोरशेरवा में तालाब जीर्णोद्धार नामक योजना का जीर्णोद्धार किया गया है। जिसके बारे में जानकारी देते हुए योजना अध्यक्ष बजरंगी यादव ने बतालाया की उक्त तालाब बहुत ही जनोपयोगी है। जिसके पानी से दर्जनों एकड़ भूमि सिंचित होती है। जिसका कार्य हम लोगों ने मिलकर जिला अभियंता अमित कुमार के देखरेख में 200/250 फिट का तालाब लगभग 80-90 प्रतिशत कार्य पूरा किया गया है। इस योजना का प्रकल्लन राशि 14,42,200 रु है। पर अभी तक पैसे की निकासी नहीं हो पाई है। जिस पर मजदूर आदि को अभी तक मजदुरी नहीं दी गई है। जिससे मजदूर ,आदि को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है लाभुक ने लातेहार उपायुक्त भोंर सिंह यादव से उपरोक्त योजना जांच उपरांत अग्रिम राशि देने की मांग की है।

इस संबंध में लातेहार जेई अमित कुमार ने कहा कि बालूमाथ के नगडा स्थित तालाब जीर्णोद्धार कार्य का अग्रिम राशि भुगतान के लिए विभागीय कार्रवाई पूरी की गई है। जल्द ही भुगतान होगा।

जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में जिला क्रिकेट लीग मैच का हुआ शुभारंभ

नवीन मेल संवाददाता

गिद्धौर (चतरा)। गिद्धौर प्रखंड मुख्यालय स्थित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में शनिवार से जिला क्रिकेट लीग मैच का आगाज हुआ। लीग मैच का विधिवत उद्घाटन मुखिया निर्मला देवी व जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय सिंह द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। लीग मैच की शुरूआत राष्ट्रीय गान के साथ की गई। लीग मैच का उद्घाटन मैच बचरा इलेवन बनाम टू इंडियन चतरा के बीच मैच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज करते हुए टू इंडियन टीम ने निर्धारित 30 ओवर में 188 रन बनाया। समीर कुमार ने 47 व रोहित कुमार ने 40 रन का योगदान दिया। जवाबी पारी खेलने उतरी बचरा इलेवन टीम ने 96 रेनो पर ही ऑल आउट हो गई। टू इंडियन के प्रवीण कुमार ने तीन ओभर में 15 रन देकर 4 विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच का खिताब हासिल किया। अंपायर की भूमिका विमल कुमार व सौरभ कुमार तथा स्कोरर की भूमिका में चंदन कुमार ने निभाया। मौके पर एसोसिएशन के सचिव मनोज सहाय, सह सचिव आशुतोष भारती, कोषाध्यक्ष सरोज सिन्हा, मिथिलेश कुमार, अमित कुमार, यदुनंदन पांडेय आदि मुख्य रुप से उपस्थित थे।

राज्यपाल के प्रधान सचिव ने अविराम के प्रयासों को सराहते हुए पुस्तकें भेंट की

छात्र-छात्राओं को आसानी से उपलब्ध होगी पुस्तकें: इंद्रजीत

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। अविराम संस्थान द्वारा आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्र में उच्च व्यावसायिक शिक्षा की दिशा में अथक परिश्रम और प्रयास किए जा रहे है। जिसके परिणाम स्वरूप आज अविराम में बीएड, डीएलएड, डी फामेर्सी, बी एससी नर्सिंग, एएनएम, ओटी, ड्रेसर,डीएमएलटी,जैसे कोर्स चलाए जा रहे है। जिसका लाभ स्थानीय युवाओं के साथ-साथ रांची, गुमला सिमडेगा, खूंटी, चतरा इत्यादि जिले के छात्र-छात्राओं को मिल रहा है। अविराम से प्रतिवर्ष यूनिवर्सिटी और जैक बोर्ड में टॉप टेन में स्टूडेंट्स रहते है। अविराम में उच्च शिक्षा को गुणात्मक,रोजगारमुखी बनाने के लिए अनुभवी शिक्षक, सुसज्जित आधुनिक प्रयोगशालाएं, वृहद पुस्तकालय आदि की व्यवस्था है। जिसके कारण निरंतर 10 से अधिक वर्षों से अविराम के स्टूडेंट्स अपने कॉलेज के साथ-साथ

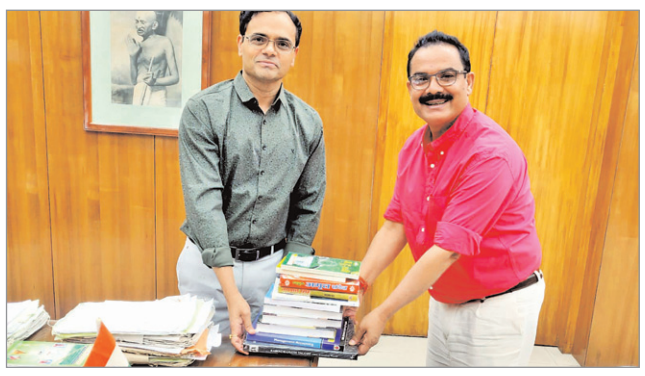

क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे है। अविराम की शिक्षा के द्वारा बदलाव की इस मुहिम को राज्य के उच्च अधिकारियों के द्वारा समय समय पर प्रसंशित किया जाता रहा है। राज्यपाल के प्रधान सचिव सह प्रमंडलीय आयुक्त दक्षिणी छोटा नागपुर डॉक्टर नितिन मदन कुलकर्णी जो झारखंड ही नहीं देश के जाने माने आईएस हैं, वे हमेशा शिक्षा से जुड़े रहते है, एक अधिकारी होने के साथ साथ पुस्तकों के लेखक भी है। उन्होंने अविराम के शिक्षा के प्रयासों को प्रोत्साहित करने हेतु अविराम पुस्तकालय के लिए विविध विषयों जैसे साहित्य, आध्यात्म,मैनेजमेंट अकाउंटिंग, सामान्य ज्ञान,प्रेरक व्यक्तित्व, बायोग्राफी इत्यादि से संबंधित पुस्तकें अविराम सचिव इंद्रजीत कुमार भारती को उपहार स्वरूप भेंट दी और कहा की पुस्तकालय में ऐसी सुविधा हो जिससे स्थानीय युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सके। उन्होंने कहा की अविराम के कार्यों को वर्षो से देख रहे है और ये दुर्लभ होता है की गुणवत्ता और सिद्धांतो के बीच समन्वय स्थापित कर वर्षो तक कार्य किया जा सके जो अविराम कर रहा है। भविष्य में अविराम और बेहतर करे झारखंड की शिक्षा, आजीविका,पर्यावरण आदि क्षेत्रों में यह कामना है।

सचिव इंद्रजीत कुमार ने कहा कि इन पुस्तकों को एक पृथक गैलरी बना के रखा जायेगा। जिससे छात्र छात्राओं को ये पुस्तकें सरलता से उपलब्ध हो सके और वे पढ़ कर प्रेरणा ले सकें,श्री भारती ने कहा की कुलकर्णी सर का शिक्षा के प्रति स्नेह है के उन्होंने स्वयं पुस्तके भेंट की क्यों की पुस्तकें दुनिया को परिवर्तित करने की सामर्थ्य रखती है।

पुलिस ने पांच टन अवैध लोहा लदा पिकअप वाहन किया जब्त

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। थाना क्षेत्र में अवैध लोहा चोरी की घटनाओ में लगातार इजाफा हो रहा है अभिजीत व एस्सार ग्रुप पॉवर प्लांट के लिक्विडेशन में जाने के बाद से लोहा चोर इलाके में सक्रिय हैं।दिन प्रतिदिन क्षेत्र में लोहा चोरी की घटनाएं घटित हो रही है पुलिस भी इन लोहा चोरों पर नकेल कसने के लिए प्रयासरत दिख रही है।हाल के दिनों में पुलिस ने अवैध लोहा लोड लगभग आधा दर्जन छोटे बड़े वाहनों को जब्त किया है।शुक्रवार रात पुनि सह थाना प्रभारी मदन कुमार शर्मा के नेतृत्व में पुलिस ने अभिजीत ग्रुप पॉवर प्लांट के नजदीक चकला नाला के समीप से एक पिकअप वाहन को जब्त किया है पुलिस को आता देख लोहा चोर वाहन छोड़ कर फरार हो गए जिसके बाद पुलिस वाहन को जब्त थाना ले आई जब्त वाहन में लगभग पांच टन अवैध लोहा लोड है। बिना नंबर प्लेट वाले वाहन से किया जा रहा है लोहा चोरी, पुलिस द्वारा जब्त वाहन में नंबर प्लेट भी नहीं लगा हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार जब्त वाहन चकला निवासी एक व्यक्ति का है जिसपर अभिजीत ग्रुप पॉवर प्लांट का लोहा लोड है। इस संबंध में पुनि सह थाना प्रभारी मदन कुमार शर्मा ने बताया कि मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया गया है जल्द ही वाहन मालिक और इसमें शामिल अन्य लोगों की पहचान कर ली जायेगी।

न्यूज गैलरी

नगर परिषद क्षेत्र में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन

लोहरदगा। नगर क्षेत्र के विज्ञान भवन के समीप में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सरकार द्वारा जारी योजनाओं से लोगों को अवगत कराया। वार्ड सात एवं आठ के लोगों की समस्याओं का निपटारा भी किया गया। शिविर में उपस्थित वार्ड 8 की पार्षद अविनाश कौर ने कहा की नगर परिषद आपकी सेवा में तत्पर है और सरकार के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का हम लोग कार्य कर रहे हैं। वही नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी देवेंद्र कुमार ने कहा कि सभी वार्डों में इस तरह का आयोजन करके जनता की समस्याओं का तत्काल निपटारा करने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर सिटी मैनेजर विजय कुमार सहित नगर परिषद के तमाम कर्मचारी उपस्थित थे। कैंप में आवास योजना सहित विभिन्न योजनाओं और पेंशन संबंधित आवेदन लिए गए और सैकड़ों लोगों के बीच कंबल का भी वितरण किया गया।

अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ बानो ने तोरपा विधायक को सौंपा ज्ञापन

बानो। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ बानो प्रखंड के प्रति मंडल के द्वारा शनिवार को तोरपा विधायक कोचे मुण्डा को अपनी 4 सूत्री मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौप अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ बानो प्रखंड के अध्यक्ष किशोर कुमार सिंह के नेतृत्व में जिला अध्यक्ष प्रेम कुमार शर्मा एवं महासचिव संजय कुमार के संरक्षण में बानो के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं के द्वारा मांग पत्र सौंपा गया। मांग उन्होंने विधायक को बताया गया की एमएसीपी हमे एमएसीपी की स्वीकृति दी जाय। उतक्रमित वेतन विसंगति में सुधार की जाय। अंतर जिला स्थानांतरण नियमावली संसोधन कर सभी को अंतर जिला स्थानांतरण किया जाय।गैर शैक्षणिक कार्य से मुक्त किया जाए। मांग पत्र सौंपने में शिक्षक प्रेम प्यारे लाल, जगतमणि वैद, दिनेश बड़ाईक, शिवसागर यादव, किशोर प्रसाद, केदारनाथ सिंह, दिलीप प्रसाद आदि शिक्षक उपस्थित थे।

जलडेगा का यह दिव्यांग, ट्राई साइकिल के लिए खा रहा है दर-दर की ठोकर

जलडेगा। प्रखंड के तुरतुरिया टोली निवासी सोमा कोनगाड़ी पिता स्व सुरेश कोनगाड़ी एक पैर से दिव्यांग है। जो पिछले 10 वर्षों से ट्राई साइकिल के लिए दर-दर की ठोकर खाने को विवश है। शनिवार को अपने 3 छोटे-छोटे बच्चों को साथ लेकर इलाज के लिए जलडेगा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आए सोमा कोनगाड़ी पर जब हमारी नजर पड़ी तब हमने उससे बात चीत कर उसकी दिव्यंगता का कारण पूछा। दिव्यांग सोमा कोनगाड़ी ने बताया कि लगभग 15 वर्ष पहले वो बानो स्टेशन से दिल्ली जा रहा था लेकिन बानो स्टेशन में में लाइन पार करते वक्त उसका एक पैर कट गया था। उस समय से वो लाठी के सहारे चलता है। यही नहीं उसने कहा की लगभग 10 वर्ष पूर्व उसे एक बैसाखी मिला था लेकिन उसका कोई लाभ नहीं हुआ, काफी ऊंचा होने के कारण वो बैसाखी ऐसे ही पड़ा रह गया। उस समय सोमा ने बैसाखी के जगह ट्राई साइकिल की मांग की थी लेकिन उसे नही दिया गया। तब से लेकर आज तक सोमा ने कई बार अलग अलग आयोजित शिविरों में ट्राई साइकिल के लिए आवेदन दिया परंतु उसकी ओर आज तक किसी भी अधिकारी ने अपनी नजरें इनायत नही की। सोमा के चार छोटे-छोटे बच्चे और उसकी पत्नी किसी तरह गुजर बसर करते हैं। सोमा ने प्रखंड प्रशासन से एक ट्राई साइकिल की मांग की है।

सूरज अग्रवाल झारखंड संवेदक संघ लोहरदगा के जिलाध्यक्ष निर्वाचित

लोहरदगा। झारखंड संवेदक संघ लोहरदगा का संवेदक संघ का चुनाव लोहरदगा समाहरणालय मैदान के सामने लिप्टस बागान में मुख्य चुनाव प्रभारी निधि कांत प्रसाद एवं 7 चुनाव प्रभारियों शाहिद अंसारी, जफर इकबाल,मनोज साहू, बैजनाथ शाहदेव, खालिक हुसैन,समीम खान,ओम गुप्ता की उपस्थिति में संपन्न हुई। जिसमें अध्यक्ष पद के लिए चार उम्मीदवार सूरज अग्रवाल 30 मत,जाहिद अंसारी 27 मत, राजकिशोर महतो 14 मत, एवं जहांगीर आलम को 13 मत प्राप्त हुआ जिसमें 3 मतों से सूरज अग्रवाल विजय घोषित किए गए सचिव पद के उम्मीदवार भिगुर्नदन तिवारी निर्विरोध चुने गए एवं कोषाध्यक्ष पद के लिए दो उम्मीदवार भैया मनोज लाल को 57 मत एवं इस्तियाक आलम को 27 मत प्राप्त हुआ है साथ ही उपाध्यक्ष के 2 पदों के दोनों पद पर निर्विरोध अजहर इकबाल एवं प्रेमचंद साहू व सह सचिव राजू गुप्ता एवं बिहारी भगत चुने गए इसके साथ अन्य कमेटी का घोषणा बहुत ही जल्द बैठक कर कमेटी का गठन कर दिया जाएगा सभी निर्वाचित पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण किया और कहा कि संवेदक हित में हम सभी निष्ठा पूर्वक अपना कार्य करेंगे।

सिमडेगा विस क्षेत्र के पालकोट में निकली कांग्रेस पार्टी की भारत जोड़ो पदयात्रा

भारत जोड़ो पदयात्रा से देश हो रहा है एकजुट और मजबूत : भूषण बाड़ा

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। प्रखंड अध्यक्ष विकास कुमार गुप्ता के नेतृत्व में शनिवार सिमडेगा विस क्षेत्र के पालकोट में कांग्रेस पार्टी की भारत जोड़ो पदयात्रा निकाली गई। पदयात्रा में सिमडेगा के युवा विधायक भूषण बाड़ा, पूर्व सांसद प्रत्यासी काली चरण मुंडा, जिप सदस्य जोसिमा खाखा सहित हजारों कांग्रेसी और आम जनता शामिल हुए। मौके पर विधायक भूषण बाड़ा ने कहा कि कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा देश को एकजुट करने, लोगों को एक साथ लाने और देश को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू की है। यह पदयात्रा में माननीय श्री राहुल गांधी ने जनता की समस्या जानने और देश को एकजुट करने के लिए 150 दिन पैदल चलने का संकल्प लिया है। इस पद यात्रा में न सिर्फ कांग्रेस के नेता व कार्यकर्ता शामिल हो रहे हैं बल्कि देशभर के अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़ी हस्तियां भी हिस्सा ले रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महंगाई पर रोक लगाने के लिए बड़े-बड़े वादे किए और आज मुकर गए हैं। देश में महंगाई चरम पर पहुंच गई है। कई लोगों की नौकरियां चली गई है। लोगों की आमदनी कम हो गई हैं और खर्च में काफी बढ़ोतरी हो गई है। बच्चों को पढ़ाने के खर्च से लेकर घर चलाने तक की सारी सामग्री के दामों में बढ़ोतरी हो गई है। पर केंद्र सरकार को इससे कोई लेना-देना नहीं है। अब वक्त आ गया है कि मोदी सरकार को देश से उखाड़ फेंकने का। इसलिए सभी एकजुट हों और कोंग्रेस के इस पदयात्रा में शामिल होकर कांग्रेस का साथ दें। विधायक ने राज्य सरकार के 1932 खतियान विधेयक पारित करने, ओबीसी के 27 प्रतिशत आरक्षण को मंजूरी देने के फैसले को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन के शासनकाल में राज्य के हर वर्ग के लोगों के चेहरे पर मुस्कान है। सरकार लगातार कल्याणकारी फैसले ले रही है, जो भाजपा को नहीं पच रहा है। यही कारण है कि भाजपा संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर पिछले दरवाजे से सत्ता हथियाना चाहती है।

केंद्र सरकार की गलत नीति से परेशान है आम जनता : काली चरण मुंडा

पूर्व सांसद प्रत्यासी काली चरण मुंडा ने कहा कि केंद्र सरकार की गलत नीति के कारण महंगाई से हर रोज जनता त्राहिमाम कर रही है। सभी प्रकार के चीजों के दामों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। मोदी की गलत नीति के कारण ही अमीर और अमीर होते जा रहे हैं तथा गरीब और गरीब होते जा रहे हैं। देश में लोगों की नौकरियां खतरे पर पड़ गई है। उन्होंने कहा कि आज देश मे भाजपा केंद्रीय एजेंसियों का गलत इस्तेमाल कर रही है। जहां भाजपा सत्ता से बाहर है, वहीं पर ईडी कार्रवाई कर रही है।

भाजपा के गलत नीति से तबाह है देश की आम जनता : जोसिमा खाखा

वहीं जिप सदस्य जोसिमा खाखा ने कहा कि भाजपा के गलत नीति को अवगत कराने के लिए कांग्रेस ने पदयात्रा कार्यक्रम शुरू किया है। इसके माध्यम से आम जनता भाजपा के गलत नीति से अवगत होंगे। भाजपा के गलत नीति से देश की आम जनता तबाह है। समय की भी अब मांग है देश मे सत्ता परिवर्तन की। भाजपा को उखाड़ फेंकने की। आने वाले 2024 के चुनाव में देश से भाजपा को जनता भगाने का काम करेगी। आज मुख्यमंत्री माननीय श्री हेमन्त सोरेन एक से एक ऐतिहासिक और साहसिक कार्य कर रहे हैं। महागठबंधन की सरकार ने 1932 खतियान के आधार पर स्थानीयता परिभाषित हम झारखंड के आदिवासियों को के अधिकारों की रक्षा करने का काम किया है। सत्ता और संसाधनों में उनकी भागीदारी देने का काम किया है। इस ऐतिहासिक एवं बहुप्रतीक्षित निर्णय के लिए प्रदेश कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडेय, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम बधाई के पात्र हैं। महागठबंधन सरकार के कार्य को देख हतोत्साहित हो चुकी भाजपा अब ईडी से समन जारी करवा रहा है। महागठबंधन के विधायकों के घर आयकर का छापा मरवा कर डरवाया जा रहा है। भारत जोड़ो पदयात्रा में हजारों की संख्या में कांग्रेस के नेता, कार्यकर्ता और आम जनता भी शामिल हुए थे। सभी गगनचुंबी नारों के साथ पैदल यात्रा शुरू कर भाजपा के जन विरोधी नीतियों से लोगों को बताने का प्रयास किया।मौके पर पालकोट प्रखंड में प्रखंड अध्यक्ष विकास कुमार गुप्ता, पूर्व सांसद प्रत्याशी कालीचरण मुंडा,रमेश चीनी चैतू उरांव,बसंत कुमार गुप्ता, बसंत सिंह, 20 सूत्री उपाध्यक्ष मनोज जयसवाल,जिला प्रवक्ता रणधीर रंजन,विधायक प्रतिनिधि अख्तर खान,विधायक प्रतिनिधि गुड्डू खान, पूर्ण प्रखंड अध्यक्ष अजीत लकड़ा,पूर्ण प्रखंड अध्यक्ष डेविड तिर्की, उप प्रमुख सिबेश्टर बघवार,मुखिया नेलसन सोरेंग, विधि व्यवस्था बनाए रखने में थाना प्रभारी अनिल लिंडा दल बल के साथ मुस्तैद रहे।

कैरो में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

कैरो / लोहरदगा। प्रखंड मुख्यालय परिसर में शनिवार को कैरो पंचायत का पंचायत स्तरीय आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि कैरो जिला परिषद सदस्य सुखदेव उरांव, प्रखंड प्रमुख श्रीराम उरांव, उप प्रमुख मधुलिका रानी, प्रखंड विकास पदाधिकारी पवन कुमार महतो, अंचलाधिकारी कमलेश उरांव, प्रखंड बीससूत्री अध्यक्ष अनीश अहमद खान, उवाध्यक्ष बुधवा उरांव समेत अन्य अतिथियों द्वारा दिप प्रज्ज्वलित कर किया गया वहीं जे एस एल पी एस के द्वारा बुके देकर अतिथियों का स्वागत किया गया। मौके पर जिला परिषद सदस्य सुखदेव उरांव ने कहा कि झारखंड सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शिविर का आयोजन किया जा रहा है लोग सरकार के योजनाओं का लाभ लें विकास की रफ्तार को गति प्रदान करें। कहा कि प्रखण्ड अंचल के पदाधिकारी, कर्मी, क्षेत्र के जनप्रतिनिधि जनता की सेवा करने के लिये हैं, कहीं पर कोई दिक्कत होती है तो आप मेरे साथ साथ अन्य जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों से सम्पर्क कर सकते है। उन्होंने लोगो को शिक्षा को बढ़ावा देने, हड़िया दारू जैसे नशापान, अंधविश्वास से दूर रहने की अपील की। प्रखंड विकास पदाधिकारी पवन कुमार महतो ने कहा कि हम अधिकारियों, कर्मियों को जनता की सेवा करनी है उनके साथ सम्मान पूर्वक व्यवहार करते हुए उनके समस्याओं को यथाशीघ्र समाधान करनी चाहिये। उन्होंने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। बीससूत्री अध्यक्ष अनीश अहमद खान ने सरकार की उपलब्धियों को बतलाते हुए कहा कि गठबंधन की सरकार जनहित में कार्य कर रही है। आज सरकार आपके गांव,पंचायत, द्वार पर पहुंचकर आपके लिए कार्य करा रही है। शिविर में अतिथियों द्वारा मनरेगा, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, वृद्धा विधवा पेंशन योजना समेत अन्य योजनाओं के लाभुकों को स्वीकृति प्रमाण पत्र के साथ साथ महिला समूहों को चेक का डेमो, कम्बल आदि का वितरण किया गया। मौके पर प्रमुख श्रीराम उरांव, उपप्रमुख मधुलिका रानी, प्रखंड बीससूत्री अध्यक्ष अनीश अहमद खान, उपाध्यक्ष बुधवा उरांव, सदस्य शरत कुमार विद्यार्थी, समीद अंसारी, धनपत उरांव, प्रतिमा देवी, मुखीया वीरेंद्र महली, पंचायत समिति सदस्य सुनीता लकड़ा, अंगनु उरांव, अख्तर अंसारी, नाजिर आलम खान, समीरुदीन अंसारी, डॉक्टर राकेश प्रसाद, कैरो उपमुखिया रवि प्रजापति आदि उपस्थित थे।

झारखंडी की एक ही पहचान 1932 का खतियान के लगे नारे

भंडरा / लोहरदगा। राज्य सरकार द्वारा केबिनेट की बैठक में लिए गए निर्णय 1932 का खतियान एवं 27% ओबीसी को आरक्षण दिए जाने के उपलक्ष्य में प्रखंड भंडरा झामुमो कमिटी के द्वारा आभार यात्रा 12 नवम्बर निकाला गया। यह आभार यात्रा प्रखण्ड अध्यक्ष प्रवेज अंसारी के नेतृत्व निकाली गई। यात्रा में बाजे गाजे के साथ झामुमों कार्यकताओं ने जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं द्वारा झारखंडी की एक ही पहचान 1932 का खतियान, झारखंड का मुख्यमंत्री कैसा हो हेमन्त सोरेन जैसा हो, शिबू सोरेन जिंदाबाद सहित अन्य नारे लगाए जा रहे थे। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष प्रवेज अंसारी ने कहा कि झारखंड के लिए कल का दिन ऐतिहासिक रहा है और इसके अलावा कई ऐतिहासिक निर्णय मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के द्वारा लिया गया है। अब चाहकर भी विरोधी कुछ नही कर पा रहे है। प्रखंड अध्यक्ष ने कहा कि आनेवाले चुनाव में भाजपा सहित एनडीए में शामिल दलों के लोगों की जमानत जब्त हो जाएगी। आभार यात्रा में प्रखंड अध्यक्ष के अलावा जिला सचिव अनिल उरांव, जिला उपाध्यक्ष तिवारी उरांव, प्रखंड सचिव डेनियल लकड़ा, विनोद उरांव, खुर्शीद अंसारी ,साजिद अंसारी, साहिल मंसूर ,मगुल मिंज, सोनू, रामबीरीच उरांव, रामविलास उरांव,सुमंती उराईन, तबरेज अंसारी, कमरुद्दीन अंसारी, जलेश्वर उरांव, और जेएमएम के बहुत सारे कार्यकर्ता इस कार्यक्रम में उपस्थित हुए थे।

विहंगम योग समारोह 501 कुण्डीय विश्वशान्ति वैदिक महायज्ञ 16 से शुरू

- मात्र 10 मिनट के नियमित अभ्यास से साधक की चेतना ऊर्ध्वमुखी होने लगती है

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा के भक्सो, कोयल नदी तट, रेलवे स्टेशन के नजदीक 16 एवं 17 नवम्बर 2022 को विहंगम योग समारोह 501 कुण्डीय विश्वशान्ति वैदिक महायज्ञ होगा। कार्यक्रम में सद्गुरु आचार्य श्री स्वतन्त्रदेव जी महाराज व संत प्रचर श्री विज्ञानदेव जी महाराज आएंगे। बताया गया कि सद्गुरू सदाफलदेव विहंगत योग संस्थान एक आध्यात्मिक एवं सामाजिक संगठन है। विहंगम योग के प्रणेता अनन्त श्री सद्गुरु सदाफलदेव जी महाराज ने सम्पूर्ण विश्व के मानवमात्र के भौतिक एवं आध्यात्मिक कल्याण के निमित्त विहंगम योग की विमल ज्ञानधारा को प्रकाशित किया है। विहंगम योग के द्वारा मानव-जीवन के पुरुषार्थ चतुष्टय धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष की प्राप्ति होती है। धर्म अर्थ, काम एवं मोक्ष की चतु:सूत्री ही भारतीय संस्कृति का आधार है। संस्थान के द्वारा भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन का उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है । विहंगम योग की साधना-पद्धति पर विश्व के अनेक देशों में वैज्ञानिक अनुसंधान हुए हैं, जिससे अद्भुत सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुआ है। विहंगम योग की साधन पद्धति से आन्तरिक शान्मि का मार्ग प्रशस्त होता है। विहंगम योग की साधना से जुड़कर आज लाखों व्यक्ति अपने आध्यात्मिक जीवन का निर्माण कर रहे हैं और जीवन में सुख-शान्ति की प्राप्ति कर रहे हैं। विहंगम योग की साधना में मात्र 10 मिनट के नियमित अभ्यास से साधक की चेतना ऊर्ध्वमुखी होने लगती है और उसका आत्मिक विकास होने लगता है। उक्त जानकारी संयोजक बन्दे भगत, कार्यक्रम संयोजक दुबराज बर्मा, मीडिया प्रभारी कौशल मित्तल ने दी। बताया कि समारोह के सायंकालीन सत्र में सपूज्य संत प्रवर श्री विज्ञानदेव जी महाराज की दिव्यवाणी (जय स्वर्वेद कथा) के रूप में प्राप्त होगी। सुपूज्य संत प्रवर श्री विज्ञानदेव जी महाराज ने मानवमात्र के कल्याणार्थ 'स्वर्वेद' को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया है। विहंगम योग वास्तव में योग का एक सत्य मार्ग है। योग कहते हैं आत्मा एवं परमात्मा के मिलन को विहंगम योग वही सनातन वैदिक मार्ग है, जिसे ब्रह्मविद्या भी कहते हैं। प्राचीन काल से चले आ रहे इस वैदिक महायज्ञ से प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष दोनों रूप से सभी हवन-यज्ञ से जलवायु की शुद्धता, पर्यावरण का संरक्षण एवं शारीरिक स्वस्थता के साथ-साथ भौतिक कामनाओं की पूर्ति भी अवश्य होती है। इस प्रकार विहंगम योग संस्थान के माध्यम से भौतिक एवं आध्यात्मिक दोनों प्रकार के कल्याणी किये जाते हैं। उक्त अवसर पर पधार कर संत प्रवर श्री विज्ञानदेव जी महाराज की दिव्यवाणी (जय स्वर्वेद कथा) तथा सद्गुरूदेव की अमृतवाणी एवं दर्शन लाभ से अपने भौतिक एवं पारमार्थिक जीवन को मंगलमय बनावें।

मनोहर लाल अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में शनिवार को मनाया विश्व पक्षी दिवस

प्रकृति में संतुलन के लिए पक्षियों का संरक्षण जरूरी : अखिलेश

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। मनोहर लाल अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में शनिवार को विश्व पक्षी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में विद्या विकास समिति झारखंड के गुमला विभाग प्रमुख अखिलेश कुमार ने किया। मौके पर उन्होंने कहा कि प्रकृति में संतुलन के लिए पक्षियों का संरक्षण जरूरी है। शनिवार को विविध कारणों से पक्षियों की कई प्रजातियां विलुप्त हो चुकी हैं और कई पर विलुप्त का संकट बना है। प्राचीन काल से ही पक्षी मानव जाति के लिए बड़ी सहायक भूमिका में रहें है। इनका महत्व संदेशवाहक से

लेकर युद्ध में योद्धा की तरह भी रहा है। विलुप्त होते गिद्ध जैसे पक्षी की भूमिका वातावरण को शुद्ध करने में रहती है। हम सभी का कर्तव्य है कि पक्षियों के लिए घोंसला, दाना-पानी आदि की व्यवस्था करते हुए वनों को संरक्षित एवं संवर्धित करें। मौके पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए आयोजित घोंसला निर्माण प्रतियोगिता में बनाए गए घोंसला की प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रतियोगिता में रोशनी उरांव प्रथम और राज प्रजापति द्वितीय हुए। सुहानी टोप्पो और पूर्णिमा कुमारी को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। जिन विद्यार्थियों के घोसले सराहे गए उनमें रिया कुमारी, सोनी उराव, ईशा कुमारी, सुषमाभिषेक लकड़ा, चरणजीत उरांव, रितेश मुंडा एवं अजीत उराव शामिल हैं। सभी प्रतिभागियों और विजेताओं को मुख्य अतिथि एवं महाविद्यालय के प्राचार्य उत्तम मुखर्जी ने पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। संचालन और धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम प्रमुख यशोदा कुमारी ने किया। इस अवसर पर नीतू कुमारी, रश्मि साहू, रेणु कुमारी, ऋद्धि मिश्रा, कविता कुमारी, चेतना प्रिया, आरती भगत आदि भी उपस्थित थे।

चालक का आरोप कुरडेग पुलिस की मनमानी लाइसेंस रहते हुए काट दिया गया चालान

कुरडेग। कुरडेग थाना गेट के समीप शनिवार को वाहन जांच अभियान के दौरान लाइसेंस रहने के बावजूद एक व्यक्ति का चालान काटने आरोप लगाया है। बताया गया कुरडेग थाना परिसर में कुरडेग पुलिस के द्वारा वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में केरसई निवासी पवन कुमार अपने मालवाहक वाहन से आलू बीज बेचने के के लिए अपने पिता के साथ कुरडेग बाजार जा रहा था,कुरडेग थाना परिसर के समीप जांच के क्रम में इनके गाड़ी को रोका गया। जिस दौरान वाहन चालक अपनी सीट बेल्ट नहीं लगाया था। जिस समय कुरडेग थाना के एएसआई विजय कुमार सिंह ड्यूटी पर थे। इन्होंने वाहन चालक पवन कुमार से सीट बेल्ट की फाइन लगाते हुए 1000 रुपयों की मांग की। विजय कुमार सिंह को पैसा नहीं देने पर तुरंत उन्होंने बिना लाइसेंस का अलग से चालान काट दिया, पवन कुमार के द्वारा बार बार ड्राइवरी लाइसेंस दिखाने के बाद भी विजय कुमार सिंह ने उनकी एक ना सुनी ऊपर से कानूनी डर दिखाई ऐसे में पवन कुमार मजबूरन वहां से अपनी फाइन चालान रशिद ले कर चला गया। किधर पवन कुमार का कहना है कि सीट बेल्ट का चालान काटना समझ में आया लेकिन लाइसेंस रहने के बावजूद लाइसेंस का चालान काटना पुलिसकर्मी की मनमानी है। इधर इस मामले में एएसआइ विजय कुमार सिंह से बात की गई उन्होंने बताया कि चालक झूठ बोल रहा है। उसने लाइसेंस नहीं दिखाया इसी कारण उसका चालान काटा गया है।

भ्रष्टाचार को ले सरकार के खिलाफ भाजपाइयों ने बोला हमला

नवीन मेल संवाददाता

केरसई। भारतीय जनता पार्टी केरसई प्रखंड द्वारा झारखंड सरकार के खिलाफ एक दिवसीय जनाक्रोश धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया। धरना प्रदर्शन कार्यक्रम हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए एवं जुलूस के रूप में केयर से इंदिरा चौक से लेकर प्रखंड मुख्यालय तक झारखंड सरकार हाय हाय हेमंत सोरेन मुदार्बाद हेमंत सोरेन होश में आओ जैसे नारे लगाए धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में स्वागत भाषण करते हुए मंडल अध्यक्ष मानकीलाल ने कहा की की झारखंड सरकार हर मोर्चे पर फेल है चारो ओर भ्रष्टाचार का बोलबाला है, जनता का कोई भी काम बिना पैसे के नही हो रहा है ऐसी सरकार की बिदाई आवयश्क है जनाक्रोश धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए

झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष सह मांडर के पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि हेमन्त सोरेन के नेतृत्व वाली झारखंड सरकार अब तक कि सबसे भ्रष्ट सरकार है, खनिज संपदा की लूट मची हुई है मुख्यमंत्री के विधायक प्रतिनिधि खुद जेल में है नैतिकता के आधार पर ऐसे मुख्यमंत्री को इस्तीफा दे देनी चाहिए। भारतीय जनता पार्टी के आवाहन पर झारखंड के भाजपा कार्यकर्ता एवं जनता अब इस सरकार को बर्दाश्त नहीं करेगी जल्द ही इस सरकार की विदाई हो जाएगी। भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रणव कुमार ने धरना प्रदर्शन में कहा की लचर सरकार रहने की वजह से तंत्र पूरी तरह पंगु हो चुकी है जनता का एक भी काम नहीं हो रहा है चाहे वह जाति आवाज से हो या किसी संबंधित किसानों का कोई भी कार्य हो प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना का भी लाभ किसानों को नहीं मिल रहा है जिले से लेकर प्रखंड तक भ्रष्टाचार का बोलबाला है प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना मैं चयनित एवं पास हुए लाभुकों को भी सिलेंडर और चूल्हा नहीं दिया जा रहा है, लाभुकों को जल्द इनका हक नहीं दिया जाता है तो भारतीय जनता पार्टी फिर से आंदोलन करेंगे।

धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिला सोशल मीडिया प्रभारी सह केरसई प्रखंड सांसद प्रतिनिधि रवि गुप्ता ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा की जल जंगल जमीन के नाम पर आई सरकार के कार्यकाल में सर्वाधिक जमीन एवं खनिज संपदा की लूट हुई है बहू बेटी सुरक्षित नहीं है इस सरकार के कार्यकाल में 5000 से अधिक बलात्कार की घटनाएं हो चुकी है 3 साल में सरकार के पास विकास के लिए गिनाने के तीन कार्य भी नहीं है सिर्फ घोषणा करने वाली है सरकार ओबीसी को 27 परसेंट आरक्षण के नाम पर इस वर्ग को चलने का काम किया है सरकार ने निकाय चुनाव में ओबीसी वर्ग को किसी प्रकार का आरक्षण नहीं दिया है जबकि रघुवर सरकार में ओबीसी वर्ग को आरक्षण दिया गया था, भाजपा कार्यकर्ता प्रण लेते हैं जब तक झारखंड सरकार को उखाड़ नहीं सकेंगे वह शांत नहीं बैठेंगे।धरना प्रदर्शन कार्यक्रम को महामंत्री प्रभु माझी ओबीसी मोर्चा मंडल अध्यक्ष दिनेश कुमार किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष रामविलास राणा एसटी मोर्चा मंडल अध्यक्ष रविंद्र बड़ाईक प्रमुख तरन भोय उप प्रमुख अनीता देवी महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष धनश्री देवी ने भी संबोधित किया।

प्रखंड से जिला स्तर पर आयोजित होगा विकास मेला-सह-सांस्कृतिक कार्यक्रम

लोहरदगा। 15 को राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिला/प्रखंड स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। जिला स्तर पर विकास मेला-सह-सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। इस तिथि को सुबह 9.30 बजे भगवान बिरसा मुण्डा की प्रतिमा एवं अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जायेगा। विकास मेला-सह-सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन 12.30 बजे अपराह्न से समाहरणालय परिसर मैदान में किया जायेगा जिसमें विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से लाभुकों को लाभान्वित करने एवं परिसम्पत्ति वितरण के कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। साथ ही, कार्यक्रम स्थल पर ही सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। 15 को राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर समाहरणालय परिसर मैदान में आयोजित होनेवाले विकास मेला-सह-सांस्कृतिक कार्यक्रमर में झारखंड सरकार की ओर से प्रभारी मंत्री के रूप में डॉ रामेश्वर उरांव, शामिल होंगे।

न्यूज गैलरी

घरेलू एयरलाइन उद्योग को चालू वित्त वर्ष में 17,000 करोड़ रुपए तक घाटे का अनुमान

मुंबई। घरेलू एयरलाइन उद्योग को चालू वित्त वर्ष में 15,000-17,000 करोड़ रुपए का नुकसान होने का अनुमान है। एक रिपोर्ट में शुक्रवार को कहा गया कि निकट भविष्य में उनका वित्तीय प्रदर्शन दबाव में रहेगा। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी इक्रा ने कहा कि घरेलू यात्री यातायात में अच्छा सुधार है लेकिन विमान ईंधन (एटीएफ) की ऊंची कीमतों के कारण निकट से मध्यम अवधि में एयरलाइंस की कमाई और नकदी के लिए जोखिम बना रहेगा। घरेलू विमान यात्रियों की संख्या अक्टूबर में सालाना आधार पर लगभग 26 प्रतिशत बढ़कर 114 लाख हो गई थी। एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 90 लाख था। रेटिंग एजेंसी ने रिपोर्ट में कहा कि अक्टूबर का आंकड़ा हालांकि महामारी से पहले के स्तर के मुकाबले आठ प्रतिशत कम है। इक्रा का घरेलू विमानन उद्योग पर नकारात्मक दृष्टिकोण है। रिपोर्ट के अनुसार, डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट के कारण भी एयरलाइंस की लागत बढ़ेगी। पट्टा देनदारियों सहित ऋण का स्तर चालू वित्त वर्ष में लगभग एक लाख करोड़ रुपए होने की उम्मीद है।

हिंदुजा परिवार के बीच ब्रिटेन की अदालत में चल रहे मुकदमे में समझौता

लंदन। ब्रिटेन के हिंदुजा बंधु, जो अपनी अरबों डॉलर की पारिवारिक संपत्ति को लेकर ब्रिटेन के उच्च न्यायालय में कानूनी विवाद से जूझ रहे थे, उन्होंने आपस में एक गोपनीय समझौता किया है। लंदन की एक अपीलीय अदालत ने अपने फैसले में यह जानकारी दी। यह मामला 86 वर्षीय श्रीचंद हिंदुजा द्वारा अपने भाइयों जी पी हिंदुजा, पी पी हिंदुजा और ए पी हिंदुजा के खिलाफ अदालत में लाया गया था। यह दो जुलाई 2014 के एक पत्र की वैधता और प्रभाव से संबंधित था। यह मामला इस बात से जुड़ा हुआ था कि परिवार का सबकुछ प्रत्येक व्यक्ति से संबंधित है और कुछ भी किसी से भी संबंधित नहीं है।" इस पर कानूनी विवाद नवंबर, 2019 से चल रहा था। न्यायाधीश ने कहा कि 30 जून, 2022 को परिवार ने एक गोपनीय समझौता किया।

एलन मस्क के आठ डॉलर के चक्कर में दवा कंपनी ने गंवाए 15 अरब डॉलर

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क ट्विटर पर ब्लू टिक वेरिफिकेशन बेचकर कमाई करने की सोच रहे थे। लेकिन यह दांव उनके लिए उल्टा पड़ता दिख रहा है। आठ डॉलर देकर कई यूजर्स ने फर्जी अकाउंट्स बना लिए और फिर उल्टे-सीधे ट्वीट करने शुरू कर दिया। अमेरिका की दिग्गज फार्मा कंपनी एली लिलि को इसके चक्कर में 15 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। किसी ने आठ डॉलर देकर इंसुलिन बनाने वाली इस कंपनी के नाम पर ब्लू टिक ले ली और फिर इस फर्जी अकाउंट से ट्वीट कर दिया कि अब इंसुलिन फ्री में मिलेगी। फिर क्या था शुक्रवार को कंपनी के शेयर औंधे मुंह गिर गए और उसका मार्केट कैप 15 अरब डॉलर गिर गया। ट्विटर ने दो दिन पहले ही ब्लू टिक सब्सक्रिप्शन शुरू किया था। इसमें कोई भी यूजर आठ डॉलर देकर ब्लू टिक ले सकता है। लेकिन कई यूजर्स ने इसका गलत फायदा उठाया। उन्होंने कई हस्तियों और जाने-माने ब्रांड्स के नाम पर ब्लू टिक ले ली। इसके बाद ट्विटर को मजबूरन यह सर्विस फिलहाल बंद करनी पड़ी। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। कम से कम एली लिलि के लिए तो इससे भारी नुकसान हुआ है। कंपनी के फेक ट्विटर अकाउंट से गुरुवार को ट्वीट किया गया था कि अब इंसुलिन फ्री मिलेगी। इससे कंपनी के निवेशकों में हड़कंप मच गया और विगत शुक्रवार को बाजार खुलते ही कंपनी के शेयरों में भारी गिरावट आई।

दिवालिया हो चुके क्रिप्टो एक्सचेंज के अकाउंट से ग्राहकों के 8000 करोड़ हुए गायब

दिल्ली (एजेंसी)। दिवालिया हो चुके क्रिप्टो एक्सचेंज प्लेटफॉर्म एफटीएक्स से ग्राहकों के 1 अरब डॉलर यानि लगभग 8054 करोड़ रुपये गायब हो गए हैं। एक्सचेंज के संस्थापक सैम बैंकमैन फ्रायड ने ग्राहकों के करीब 10 अरब डॉलर अपनी ट्रेडिंग कंपनी अलामेडा रिसर्च में ट्रांसफर किए थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार तब ही से इस अमाउंट के एक बड़े हिस्से का कुछ पता नहीं चला है। मामले से जुड़े लोगों के अनुसार ये रकम 1।7 अरब डॉलर है। वहीं कई लोग इसे 1 अरब से 2 अरब डॉलर के बीच मान रहे हैं। एक्सचेंज के संस्थापक बैंकमैन फ्रायड ने अन्य अधिकारियों के साथ पिछले रविवार को कंपनी के वित्तीय आंकड़े साझा किए थे, जिसमें यह गड़बड़ सामने आई है। एफटीएक्स में ऊंचे पदों पर बैठे 2 लोगों के हवाले से ये जानकारी दी गई है। उन लोगों का कहना है कि फ्रायड ने कंपनी की मौजूदा स्थिति के बारे में वित्तीय जानकारी मुहैया कराने के दौरान ये आंकड़े दिए थे। इस हफ्ते एफटीएक्स से भारी संख्या में निकासी हुई थी, जिसके बाद कंपनी ने शुक्रवार को बैंक्रप्सी के लिए दस्तावेज जमा कर दिए। एक दूसरे क्रिप्टो एक्सचेंज बिनांस के साथ कंपनी की रेस्क्यू डील भी पूरी नहीं हो पाई। वहीं 10 अरब डॉलर ट्रांसफर किए जाने के सवाल पर बैंकमैन फ्रायड ने कहा कि ये कोई गुप्च ट्रांसफर नहीं था। उन्होंने कहा कि गलत लेबलिंग होने के कारण ये असमंजमस की स्थिति पैदा हुई थी। उन्होंने शुक्रवार को एक ट्वीट में कहा कि इस हफ्ते जिस तरह से घटनाक्रम सामने आए उन्हें देखकर हैरान हूं। बकौल बैंकमैन, वह जल्द ही इस मामले पर पूरी विवरण लिखेंगे। वहीं एफटीक्स को बिनांस द्वारा खरीदे जाने की घोषणा के बाद मंगलवार को उनकी संपत्ति में जबरदस्त गिरावट आई। वह एक दिन में 15।2 अरब डॉलर से लुढ़कर 99 करोड़ डॉलर पर पहुंच गए। यह किसी भी अरबपति की संपत्ति में एक दिन में आई सबसे बड़ी गिरावट थी।

बेटियों के जन्म से शादी तक उप्र राज्य की सरकार उठाएगी जिम्मा, बस 10 रुपये होंगे खर्च

नई दिल्ली। बेटियों को लक्ष्मी का रूप माना जाता है। लेकिन आज भी देश के कई हिस्सों में लड़कियों की स्थिति दयनीय है। उनकी स्थिति को बेहतर बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें कई योजनाएं लाती रहती हैं। इन्हीं योजनाओं में से एक है उत्तर प्रदेश कन्या सुमंगला योजना। इस योजना के तहत यूपी सरकार लड़की के पैदा होने से लेकर पढ़ाई और शादी तक में मदद देती रहती है ताकि लड़कियां अपने पैरों पर खड़ी हो सकें। इस योजना के जरिए कन्या भ्रूण हत्या, बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराइयों को खत्म करने में भी मदद मिलेगी। इस योजना में सिर्फ उन बच्चियों को शामिल किया जाता है, जिनकी पैदाइश 1 अप्रैल 2019 के बाद की है। लड़की का यूपी का निवासी होना जरूरी है। सरकार लड़की के 21 साल की होने पर उसके विवाह के लिए भी आर्थिक सहायता देती है।

आरबीआई ने कैंसिल किया महिला सहकारी बैंक का लाइंसस बैंक को बंद करने का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बाबाजी दाते महिला सहकारी बैंक लिमिटेड, यवतमाल, महाराष्ट्र का लाइसेंस रद्द कर दिया है। रिजर्व बैंक ने विगत शुक्रवार को कहा कि इस ऋणदाता के पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं हैं, जिसके मद्देनजर यह कदम उठाया गया है। बैंक द्वारा दिए गए आंकड़ों के हवाले से रिजर्व बैंक ने कहा कि लगभग 79 प्रतिशत जमाकर्ता, जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) से अपनी जमा राशि की पूरी राशि प्राप्त करने के हकदार हैं। डीआईसीजीसी ने 16 अक्टूबर, 2022 तक पहले ही कुल बीमित जमा राशि का 294.64 करोड़ रुपए का भुगतान कर दिया है। अपने लाइसेंस को रद्द करने के परिणामस्वरूप, बाबाजी दाते महिला सहकारी बैंक लिमिटेड को बैंकिंग का व्यवसाय करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है, जिसमें अन्य बातों के अलावा, उसे जमा राशि लेने और भुगतान करने से तत्काल प्रभाव से रोका जाना शामिल है। विगत शुक्रवार को कारोबार बंद होने के बाद से बाबाजी दाते महिला सहकारी बैंक का लाइसेंस रद्द करने की घोषणा करते हुए रिजर्व बैंक ने कहा कि बैंक के पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं हैं। रिजर्व बैंक ने कहा कि बैंक अपनी वर्तमान वित्तीय स्थिति के साथ अपने वर्तमान जमाकर्ताओं को पूर्ण भुगतान करने में असमर्थ होगा और अगर बैंक को अपने बैंकिंग कारोबार को आगे बढ़ाने की अनुमति दी जाती है तो जनहित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

निवेशकों के लिए एक आकर्षक प्रवेश बिंदु के रूप में उभर रहा गिफ्ट-आईएफएससी : चेयरमैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) स्थित अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) के चेयरमैन इंजेती श्रीनिवास ने कहा है कि भारत का यह विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) विदेशी वित्तीय और संस्थागत कंपनियों के निवेशकों के लिए एक आकर्षक प्रवेश बिंदु के रूप में उभर रहा है। अमेरिका के दौरे पर आए श्रीनिवास ने यहां पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में कहा कि अगले पांच वर्षों में यह क्षेत्र देश के शीर्ष दस अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्रों में से एक होगा। श्रीनिवास अमेरिकी और वैश्विक निवेशकों के साथ बैठकों और गोलमेज चर्चाओं के लिए आए वरिष्ठ अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। इस दौरान बैंकिंग और शैक्षणिक संस्थानों के लिए संभानाएं तलाशने का भी प्रयास किया गया। अहमदाबाद से सटी गिफ्ट सिटी स्थित आईएफएससी के चेयरमैन श्रीनिवास ने इस पांच दिवसीय यात्रा के समापन पर कहा, मुझे लगता है कि अगले पांच वर्षों में आईएफएससी स्पष्ट रूप से खुद को भारत के लिए एक बहुत ही आकर्षक प्रवेश बिंदु के रूप में स्थापित करेगा। उन्होंने कहा, यह गैर-भारतीय व्यवसायों के लिए भी एक अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्र के रूप में उभरना शुरू कर देगा। अगले पांच वर्षों में यह मात्रा के लिहाज से निस्संदेह शीर्ष दस अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्रों में शामिल हो जाएगा। श्रीनिवास ने कहा, ₹हर कोई भारत में बहुत रुचि रखता है और गिफ्ट सिटी के बारे में अधिक जानना चाहता है। गिफ्ट सिटी स्थित आईएफएससी एक बहु-सेवा विशेष आर्थिक क्षेत्र है। इसे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवाओं की जरूरतें पूरी करने के इरादे से विकसित किया जा रहा है।

पीएनबी दे रहा 600 दिन में तगड़ा मुनाफा कमाने का मौका

नई दिल्ली। अगर आप पंजाब नेशनल बैंक के ग्राहक हैं और फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी कराने की सोच रहे हैं तो आपके लिए एक शानदार मौका है। दरअसल, पंजाब नेशनल बैंक ने विगत शुक्रवार को कहा कि वह 600 दिन की एक स्पेशल फिक्स्ड डिपॉजिट योजना पर सालाना 7.85 प्रतिशत ब्याज देगा। यह स्पेशल ब्याज दर योजना 19 अक्टूबर, 2022 से लागू हो गई है। एक बयान में कहा गया, बैंक 7.85 प्रतिशत सालाना तक हाई ब्याज दरों की पेशकश कर रहा है। यह योजना वरिष्ठ नागरिकों (60-80 वर्ष) और अति वरिष्ठ नागरिकों (80 वर्ष और अधिक) के लिए है। इसके तहत एकमुश्त दो करोड़ रुपये से कम की राशि जमा कराई जा सकती है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपने होम लोन की ब्याज दरों को 0.25 प्रतिशत घटाकर 8.25 प्रतिशत कर दिया।

क्रूड पर नरम पड़े अमेरिका के तेवर, जेनेट येलेन बोलीं

भारत रूस से जितना चाहे उतना कच्चा तेल खरीदे, कोई आपत्ति नहीं

नई दिल्ली। भारत के स्पष्ट रवैये के बाद अब अमेरिका ने कहा है कि वह खुश है कि नई दिल्ली जितना चाहे उतना रूस से तेल खरीदना जारी रखे। वह चाहे तो G 7 द्वारा लगाए गए प्राइस कैप सिस्टम से ऊपर की कीमतों पर भी तेल खरीदे। यूएस ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन ने शुक्रवार को यह बात कही। पहले अमेरिका समेत यूरोपीय देश रूसी तेल पर प्राइस कैप लगाने के लिए भारत पर दवाब भी बना रहे थे। दरअसल रूस के क्रूड ऑयल पर प्राइस कैप लगने से मॉस्को को कच्चा तेल बेचने पर जो मुनाफा हो रहा है उसमें कमी आएगी येलन ने अमेरिका और भारत के आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए आयोजित एक सम्मेलन में न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि, रूस के रेवेन्यू पर अंकुश लगाते हुए यह कैप अभी भी वैश्विक तेल की कीमतों को कम करेगा। येलेन के मुताबिक, रूस उतना तेल नहीं बेच पाएगा, जितना अब यूरोपीय संघ द्वारा आयात बंद कर दिया गया है, वो भी बिना कैप्ड कीमत या मौजूदा कीमतों से महत्वपूर्ण छूट का सहारा लिए हुए। येलेन ने कहा कि तेल की कीमतों में कैप के अस्तित्व में आने से भारत-चीन और रूसी कच्चे तेल के अन्य प्रमुख खरीदारों को मॉस्को को भुगतान की जाने वाली कीमत को कम करने में मदद मिलेगी। येलन ने कहा, रूसी तेल सस्ते दामों पर बिक रहा है और हम खुश हैं कि भारत को बेहतर सौदा मिल गया है।

देश के स्वर्ण भंडार में आयी भारी गिरावट विदेशी मुद्रा भंडार भी 1.09 अरब डॉलर घटा

दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार देश का विदेशी मुद्रा भंडार चार नवंबर को खत्म हुए हफ्ते में 1.09 अरब डॉलर घटकर 529.99 अरब डॉलर रह गया. इसकी प्रमुख वजह देश के स्वर्ण भंडार में आई भारी गिरावट है. गौरतलब है कि पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 6.56 अरब डॉलर बढ़कर 531.08 अरब डॉलर हो गया था, जो वर्ष के दौरान किसी एक सप्ताह में आई सबसे अधिक तेजी थी. एक साल पहले अक्टूबर, 2021 में देश का विदेश मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया था. देश के मुद्रा भंडार में गिरावट आने का मुख्य कारण यह है कि वैश्विक घटनाक्रमों की वजह से रुपये की गिरावट को थामने के लिए केन्द्रीय बैंक मुद्रा भंडार से मदद ले रहा है. रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार चार नवंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान मुद्रा भंडार का महत्वपूर्ण घटक मानी जाने वाली, विदेशी मुद्रा आस्तियां 12 करोड़ डॉलर घटकर 470.73 अरब डॉलर रह गयीं. डॉलर में दर्शाए जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों यानि फॉरेन करंसी एसेट्स में रखे यूरो, पौंड और जापानी येन जैसे गैर डॉलर मुद्रा के मूल्य में आई कमी या बढ़त के प्रभावों को दर्शाया जाता है. आंकड़ों के अनुसार मूल्य के संदर्भ में देश का स्वर्ण भंडार 70.5 करोड़ डॉलर घटकर 37.057 अरब डॉलर रह गया. केंद्रीय बैंक ने कहा कि विशेष आहरण अधिकार 23.5 करोड़ डॉलर घटकर 17.39 अरब डॉलर रह गया है.

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, गढ़वा

आवश्यक सूचना

राज्य परियोजना निदेशक, झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद्, राँची के विज्ञापन ज्ञापांक–ME/01/393/2006/Part File/1537 दिनांक–06.09.2021 एवं संशोधित विज्ञापन ज्ञापांक–GE/8/145/2021/1680 दिनांक 20.09.2021 के अनुपालन में जिले के विभिन्न कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों में पूर्णकालिक शिक्षिका (महिला) के रिक्त पदों के विरूद्ध पूर्णतया अस्थायी एवं अल्पकालीन संविदा के आधार पर चयन हेतु इच्छुक महिला अभ्यर्थियों के अस्वीकृत आवेदनों की पदवार विवरणी जिले के आधिकारिक वेबसाइट www.garhwa.nic.in पर प्रकाशित करते हुए आपत्ति की मांग की गई थी। निर्धारित तिथि तक प्राप्त आपत्तियों का उप विकास आयुक्त, गढ़वा की अध्यक्षता में गठित 05 सदस्यीय समिति की बैठक–11.11.2022 में निष्पादन करते हुए निर्णयानुसार औपबंधिक मेधा सूची तैयार की गई है। मेधा सूची निर्माण में निम्न प्रक्रिया अपनाई गई है:–

- मैट्रिक, इण्टरमीडिएट एवं प्रशिक्षण में वैकल्पिक/वोकेशनल विषय के प्राप्त अतिरिक्तांक/कृपांक (Grace marks) को कुल प्राप्तांक से हटाते हुए मेधा सूची तैयार की गई है।
- स्नातक प्रतिष्ठा के स्थान पर स्नातक स्तर के कुल प्राप्तांक के अनुसार मेधा सूची तैयार की गई है।
- मैट्रिक, इण्टर, स्नातक एवं प्रशिक्षण के प्राप्तांक प्रतिशत का औसत अंक तथा टेट का नियमानुकूल (शिक्षक नियुक्ति नियमावली 2012) निर्धारित अंक (70% से कम–2 अंक, 80% से कम–4 अंक, 90% से कम–6 अंक, 90% एवं इससे उपर–10 अंक) को जोड़कर औपबंधिक मेधा सूची तैयार की गई है।
- गढ़वा जिला हेतु निर्धारित टेट के जनजातीय/क्षेत्रीय भाषा– कुडुख, मगही, भोजपुरी एवं नागपुरी को छोड़कर अन्य जनजातीय/क्षेत्रीय भाषाओं के अभ्यर्थियों के आवेदन को अस्वीकृत किया गया है।

प्रकाशित औपबंधिक मेधा सूची के अभ्युक्ति कॉलम में अंकित विवरण से संबंधित दस्तावेज एवं प्रकाशित औपबंधिक मेधा सूची के संबंध में आपत्ति साक्ष्य के साथ दिनांक–13.11.2022 को अपराह्न 5:00 बजे तक झारखण्ड शिक्षा परियोजना, गढ़वा के कार्यालय में अपनी आपत्ति लिखित रूप में दिया जाना आवश्यक होगा। निर्धारित तिथि व समय के समाप्ति के पश्चात् किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

जिला शिक्षा पदाधिकारी–सह–
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
झारखण्ड शिक्षा परियोजना, गढ़वा।

PR 282172 Human Resource Developement (22-23)D

कार्यालय:- जिला मत्स्य पदाधिकारी सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, पलामू

अति अल्पकालीन बन्दोबस्ती की सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पलामू जिला अन्तर्गत निम्नांकित जलकर को बन्दोबस्ती विभागीय परिपत्र संख्या 114/दिनांक 18/01/1992 के आलोक में वर्ष 2022–23 से 2024–25 तीन वर्ष के लिए अल्पकालीन बन्दोबस्ती हेतु दिनांक 29/11/2022 को 12:00 बजे पूर्वाह्न में अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में किया जायेगा। बन्दोबस्ती के दौरान बन्दोबस्त जलकरो का तीन साल की राशि एक मुश्त जमा करनी होगी।

संबंधित मत्स्यजीवी सहयोग समिति वर्ष 2022–23 में अबन्दोबस्त जलकरों को सुरक्षित जमा निर्धारण राशि में बन्दोबस्ती दिनांक 25/11/2022 तक अपनी अहर्त्ता को पूर्ण करते हुए बन्दोबस्ती ले सकती है।

उक्त तिथि को अपरिहार्य कारणवश डाक नहीं होने पर अगली तिथि 06/12/2022 या इसकी अंतिम तिथि 14/12/2022 को होगी।

क्र0	जलकर का नाम	खाता सं0	खेसरा सं0	रकबा (ए0)	जलक्षेत्र (ए0 में)	वर्षिक सु0 जमा राशि
1	2	3	4	5	6	12
			अंचल – मेदिनीनगर			
1	बारालोटा टैंक	300	960, 961	3.70	2.50	5000.00
2	चियाँकी तालाब	129	627	3.70	2.50	17000.00
			अंचल – पण्डवा			
3	सरैया डैम	14	53	0.50	0.50	4500.00
4	रामसागर तालाब	42	211	7.50	6.20	55000.00
5	विसैनसागर तालाब	42	269	3.16	2.10	20000.00
6	भूसरा डैम	36	931	1.00	0.75	6000.00
7	भूतहा आहर	93	368	2.25	1.00	7000.00
8	बहेरा आहर	36	931	101.70	2.30	14000.00
			अंचल – हरिहरगंज			
9	अररूआखुर्द तालाब	134	340	0.27	0.15	1800.00
10	हरिहरगंज तालाब	300	1180	1.14	0.85	5000.00
			अंचल – छत्तरपुर			
11	खाटीन तालाब	88	517	1.50	0.40	4000.00
12	हेसला तालाब	83, 1	565, 619	21.28	4.00	25000.00
			अंचल – हैदरनगर			
13	हैदरनगर तालाब	431	1973	2.84	1.50	10000.00
14	मुकहरकला तालाब	81	104	10.98	4.00	26000.00
			अंचल – नावाबाजार			
15	कण्डा तालाब	-	-	1.00	0.81	3000.00
			अंचल – चैनपुर			
16	फरबीस बाँध	56	2,27,300,1014	1.65	1.50	27500.00
17	निमिया तालाब	-	58,122	1.37	1.37	10000.00
18	सोनपुरवा तालाब	-	154	2.10	1.50	11000.00
19	बभण्डीह तालाब	-	214,637,640	-	1.21	8000.00
20	गरदा तालाब	-	-	1.50	1.00	7000.00
21	खपिया मछली घाट	-	-	-	-	6000.00
22	तलैया तालाब	-	185,1527	1.81	1.18	9000.00
23	नेउरा तालाब नं0–1	-	114,1659,391	2.04	2.04	15000.00
24	नेउरा तालाब नं0–2	-	114,1659,391	2.04	2.04	15000.00
25	बराँव तालाब	-	536,2616	1.40	1.00	8000.00
26	काराकाट तालाब	-	-	1.50	1.00	8000.00

डाक के आवश्यक शर्ते निम्नांकित है :–

1. डाक में भाग लेने वाले व्यक्तियों को सुरक्षित जमा राशि का 10प्रतिशत अग्रधन के रूप में डाक बोलने के पूर्व जमा करनी होगी। डाक की समाप्ति के बाद उच्चतम डाक वकता के अग्रधन राशि को बन्दोबस्ती राशि में समायोजित कर ली जाएगी। शेष अन्य डाक वक्ताओं के अग्रधन राशि को लौटा दी जाएगी।
2. उच्चतम डाक वकता को डाक समाप्ति के तुरन्त बाद डाक की पूर्ण राशि जमा करनी होगी अन्यथा अग्रधन की राशि जब्त कर ली जायेगी तथा डाक में व्यवधान पैदा करने के आरोप में उनके विरूद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।
3. अद्योहस्ताक्षरी को किसी भी डाक को रद् अथवा सम्पूर्ण डाक को स्थगित करने का अधिकार सुरक्षित होगा।
4. मत्स्य पालन एवं शिकारमाही का परवाना सक्षम पदाधिकारी से बन्दोबस्ती की स्वीकृति एवं एकरारनामा सम्पन्न होने के बाद निर्गत किया जाएगा।

(मो0 कमरूज्जमाँ)
जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, पलामू

PR 282146 Fish (22-23)_D

रिलायंस बनायेगी देश का पहला मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क, करीब 1424 करोड़ रुपए खर्च करने का है लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के दूसरे सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज तमिलनाडु में तिरुवल्लूर जिले के माप्पेडु में देश में पहला मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क (एमएमएलपी) बनाएगी। इस अत्याधुनिक फ्रेट हैंडलिंग फैसिलिटी में कई तरह के ट्रांसपोर्ट के एक्सेस होंगे और इसे तीन चरणों में विकसित किया जाएगा। पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप यानी पीपीपी मोड में बनाए जा रहे इस प्रोजेक्ट में करीब 1424 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इसमें करीब 783 करोड़ रुपए का निवेश रिलायंस करेगी। रोड्स, ट्रांसपोर्ट और हाइवे मिनिस्ट्री का कहना है कि इसके पहले चरण का काम 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है, इसके साथ ही इसका कमर्शियल ऑपरेशन भी शुरू हो जाएगा। 184.25 एकड़ में बन रहे इस पार्क को 45 साल के कंसेशन पीरियड के लिए दिया जाएगा। यह 71.7 लाख मीट्रिक टन कार्गो हैंडल कर सकता है। ट्रांसपोर्ट मिनिस्ट्री की पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान के तहत पूरे देश में इस तरह के 35 पार्क बनाने की योजना है। इससे विभिन्न इकनॉमिक जोंस को मल्टीमोडल कनेक्टिविटी से जोड़ा जाएगा। इनमें से अगले तीन वर्षों में 15 एमएमएलपी को प्राथमिकता दी जाएगी। नेशनल हाइवेज लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट (NHLML) के चीफ एग्जीक्यूटिव प्रकाश गौड़ ने बताया कि अगला नंबर बैंगलूरु एमएमएलपी का है। इसके लिए दिसबंर तक बोली लगाई जानी है। इसका ठेका दिसंबर में ही दे दिया जाएगा। नागपुर एमएमएलपी के लिए दिसंबर में बोली मंगाई जाएगी और इसका ठेका जनवरी 2023 में दिया जाएगा। इंदौर एमएमएलपी के लिए जनवरी में बोली मंगाई जाएगी और मार्च में ठेका दे दिया जाएगा। एनएचएलएचएल एक स्पेशल पर्पज वीकल (SPV) है जिसे नेशनल हाइवेज अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ठलअक) ने लॉजिस्टिक्स पार्क्स विकसित करने के लिए बनाया है।

> चीफ एग्जीक्यूटिव प्रकाश गौड़ ने बताया कि अगला नंबर बैंगलूरु एमएमएलपी का है। इसके लिए दिसबंर तक बोली लगाई जानी है। इसका ठेका दिसंबर में ही दे दिया जाएगा।

एक कंपनी खरीदने को अनिल अग्रवाल ने लगा दी ताकत, 10 साल बाद मिली सफलता

नई दिल्ली। वैसे तो दिग्गज अरबपति अनिल अग्रवाल ने देश-विदेश में कई कंपनियों का अधिग्रहण किया है लेकिन एक ऐसी भी कंपनी थी जिसे खरीदने में उन्हें 10 साल लग गए। हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट 2022 के पांचवें दिन वेदांता के फाउंडर अनिल अग्रवाल ने इस किस्से के बारे में बताया। समिट के दौरान अनिल अग्रवाल ने बताया कि वह करीब 10 साल से जापान की कंपनी अवानस्ट्रेट को खरीदने की कोशिश कर रहे थे। इस डील के लिए वह हर साल जापान भी जाते थे। अनिल अग्रवाल आगे कहते हैं कि जापान में कंपनी की बिक्री सही नहीं मानी जाती है। हालांकि, करीब 3 साल पहले अनिल अग्रवाल ने अवानस्ट्रेट के अधिग्रहण के लिए सफलता हासिल कर ली। इस कंपनी के ताइवान, कोरिया और जापान में 2500 से ज्यादा कर्मचारी हैं। आपको बता दें कि अवानस्ट्रेट मदर ग्लास बनाती है।

एक नजर इधर भी

सपने देखने में हर्ज क्या

जब बात बिगड़ जाती, तो वे अपने-आप को धीरज बंधा देने के लिए कह दिया करते थे। लेकिन किस बात की उम्मीद रखें वे? अच्छे दिन आने की उम्मीद रखी थी कि आंकड़ा-शास्त्रियों ने घोषणा कर दी, लो तुम्हारे अच्छे दिन तो आकर चले भी गये। शहर के चुनिंदा रईस अब रईस कहलाना पसंद नहीं करते। लेकिन जमाना बदल गया। क्या फुटपाथों पर आलीशान दरवाजे लग जायेंगे? नोटबंदी होगी तो सारा कालाधन बाहर आ जायेगा और उनकी दुनिया साफ हो जायेगी! मगर इतना अधिक काला धन जमा हुआ कि हवेलियों वालों को सफेदपोश बना गया। जो फुटपाथ पर बैठे थे, वे लोग धंसते हुए फुटपाथों के जानशीं बनते चले गये। उधर सरकारी खातों में लिखा गया कि सब फुटपाथों का नवीनीकरण हो गया। धंसते हुए फुटपाथ और टूटी-फूटी सड़कें जो मरम्मत के ठेकेदारों की कृपा से और भी टूट-फूट गईं और नाम लग गया मानसून के अप्रत्याशित तेवरों का। सावन बीत जाने पर मरम्मत होती, तो घपला, घोटाला करने वालों को मुक्ति द्वार कैसे मिलते! वे कहते रहे हम तो चमचमाती सड़कों वाले अच्छे दिन लाये थे। यह सावन ही खलनायक बन सब बहा ले गया। अब न कहना कि अच्छे दिन लाने का वादा पूरा नहीं हुआ। 'भगवान की मर्जी' के आगे किसी का कोई बस नहीं चलता। न जाने कितनी सदियां गुजर गईं, अपनी गरीबी, अभाव और भुखमरी को दुर्भाग्य के सितम या 'भगवान की मर्जी' के हवाले करते हुए। पूरा देश भाग्यशाली बना, हस्तरेखा विशारदों और नजूमियों के हवाले कर दिया गया और कर्मशीलता, चरैवेति-चरैवेति अपनी जिंदगी खुद बनाने के उपदेश केवल मंचों के हवाले कर दिये गये। उम्मीद के पहाड़ ढोते-ढोते उनके कंधे शिथिल पड़ गये, लेकिन मंजिल मिलने का सपना एक बार रूठा तो जिंदगी में लौट कर नहीं आया। उधर बड़े लोगों की जिंदगी से हवेलियां रूठीं तो बहुमंजिली इमारतों के रूप में छवि बदल कर आ गईं। मर्सिडीज, टोयोटा और आयातित गाड़ियों ने हाथियों की जगह ले ली। इन गाडियों के खड़े होने के लिए मंजिल दर मंजिल गैराज बनने लगे और सफेद हाथी का नाम तो योजना आयोग को देकर नकार दिया गया। लेकिन वह उम्मीद ही क्या जो उनके लिए कभी वफा हो जाए! अब नीति आयोग फैसला कर रहा है कि नई उम्मीदों का दायरा बिछाने की अवधि क्या रखी जाय! अब या तो उस नारों का अलाव भेंट करो, जो हथेली पर सरसों जमा दे या विकास की तारीफ इतनी लंबी कर दो कि लोगों के धीरज की परीक्षा हो जाए। धैर्यवान बहुत हैं इस देश के लोग। अच्छे दिन आगामी अतीत बन गये, उनके पास तो यादों की कोई बारात भी नहीं है सजाने को। यादों की कोई मिठास भी होती है, ऐसा उन्होंने कभी जाना नहीं। हरी घास पर ठिठक कर किन अच्छे दिनों का एहसास तक पास फटकने नहीं दिया। न्यायपालिका ने कहा कि इस देश में कोई भूख से न मरे, क्योंकि हर नागरिक को रोटी मिले, यह उसका मूलभूत अधिकार है। देश के फरिश्तों ने इसकी हामी भरी, लेकिन दुनिया का भुखमरी सूचकांक कहता है कि देश भुखमरी वाले देशों की तालिका में कई सीढ़ियां नीचे उतर गया। भूख से मरते लोगों की संख्या दुगनी होने के बावजूद देश की युवा शक्ति को रोजगार का मूलभूत अधिकार नहीं दिया गया। हां, उनमें रोटी बांटने की दरियादिली दे दी गई। इसे खैरात कहते हैं। चौराहों पर बढ़ती हुई भिखारियों की संख्या ने चेताया, लेकिन न्यायपीठ ने कह दिया, देश में भीख मांगना प्रतिबंधित नहीं की जा सकती। चौराहों से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच तक भीख के समझौते करते देश करते रहेंगे। प्रबंधन की असफलता अच्छे और बेहतर जीने की रखी उम्मीदें देश के फुटपाथी लोगों के कानों में फुसफुसा देती हैं, 'उम्मीद रखो, वह दिन दूर नहीं, जब भीख मांगना संवैधानिक अधिकार बन जायेगा, कानूनसम्मत तो यह हो ही गया है!' आओ एक महोत्सव मना लेने के बाद उस शतकीय महोत्सव मनाने की प्रेरणा प्राप्त करें जब बेहतर जीने की उम्मीद केवल फुसफुसाएगी नहीं, जब टूटी सडकें टूटे सपनों की गलबहियां नहीं लेंगी, जब देश विकासशील की उपाधि त्याग विकसित होगा।

■ सुरेश सेठ

सौर ऊर्जा, भारत को नेट जीरो का लक्ष्य हासिल करने में मदद कर सकती है

दुनिया सौर क्रांति की दहलीज पर है। सूर्य, न केवल दुनिया का सबसे प्रचुर और स्वच्छ ऊर्जा स्रोत है, बल्कि व्यापक तौर पर इसे स्वीकार किये जाने के साथ, यह अंतर्राष्ट्रीय जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाने के लिए सुलभ ऊर्जा के रूप में आवश्यक हो गया है। कई देशों के पास अब अच्छी तरह से स्थापित नीतियां और विनियम हैं, जो इसे वैश्विक जलवायु कार्रवाई के लिए आवश्यक पैमाना और सामर्थ्य प्रदान करते हैं। सौर ऊर्जा, न केवल विकासशील देशों में ऊर्जा पहुंच और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, बल्कि विकसित देशों में बैटरी ऊर्जा संचयन, इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग अवसंरचना और हाइड्रोजन उत्पादन के एकीकरण के माध्यम से ऊर्जा के स्रोतों में बदलाव के लिए सुविधा भी प्रदान कर रही है। लागत, सरल और आसान रख-रखाव, सहज संरचना बदलाव, विभिन्न अनुप्रयोग आदि के सन्दर्भ में अन्य ऊर्जा प्रौद्योगिकियों पर तकनीकी श्रेष्ठता के बावजूद, सौर ऊर्जा उत्पादन एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना कर रहा है, जिसके समाधान की आवश्यकता है। वैश्विक फोटोवोल्टिक (पीवी) विनिर्माण आपूर्ति श्रृंखला कुछ ही देशों में केंद्रित है, जिसके परिणामस्वरुप मौजूदा सीमित आपूर्ति श्रृंखलाओं में अवरोध होने के बाद, हाल ही में कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है। इन व्यवधानों ने महत्वपूर्ण सवाल खड़े किये हैं। कोविड-19 संकट एवं बहुपक्षीय चुनौतियों के कारण वस्तुओं की कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। ऊर्जा, कच्चे माल और विनिर्मित वस्तुओं के आयात- जो ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं- पर कुछ देशों की उच्च निर्भरता के कारण, इन देशों का ध्यान सौर ऊर्जा पर केन्द्रित हुआ है। अतिरिक्त चुनौती सौर पैनलों की खरीद से जुड़ी है। अनुमान है कि सौर पीवी की वैश्विक मांग, निम्नतम स्तर पर भी, को पूरा करने में 2030 तक 5,000 गीगावाट (जीडब्ल्यू) की संचयी क्षमता की आवश्यकता होगी। हालांकि, सौर पैनलों की कम होती कीमतों और दुनिया भर में की जा रही पहलों को देखते हुए, यह अनुमान लगभग 10,000 गीगावाट तक भी पहुंच सकता है। इसका मतलब है कि हर साल लगभग 800-1,000 गीगावाट तक पीवी की वार्षिक क्षमता में वृद्धि हो सकती है, जो अब तक 200 गीगावाट तक सीमित थी। भविष्य में वर्तमान क्षमता से पांच गुना अधिक की खरीद की आवश्यकता होगी, इसलिए हमें सहनीय तथा विविधतापूर्ण आपूर्ति श्रृंखला तैयार करने की आवश्यकता है। देश अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाकर सहनीयता में सुधार किया जा सकता है। सौर पीवी विनिर्माण परियोजनाओं के

> **कोविड-19 संकट एवं बहुपक्षीय चुनौतियों के कारण वस्तुओं की कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। ऊर्जा, कच्चे माल और विनिर्मित वस्तुओं के आयात- जो ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं- पर कुछ देशों की उच्च निर्भरता के कारण, इन देशों का ध्यान सौर ऊर्जा पर केन्द्रित हुआ है। अतिरिक्त चुनौती सौर पैनलों की खरीद से जुड़ी है। अनुमान है कि सौर पीवी की वैश्विक मांग, निम्नतम स्तर पर भी, को पूरा करने में 2030 तक 5,000 गीगावाट (जीडब्ल्यू) की संचयी क्षमता की आवश्यकता होगी। हालांकि, सौर पैनलों की कम होती कीमतों और दुनिया भर में की जा रही पहलों को देखते हुए, यह अनुमान लगभग 10,000 गीगावाट तक भी पहुंच सकता है। इसका मतलब है कि हर साल लगभग 800-1,000 गीगावाट तक पीवी की वार्षिक क्षमता में वृद्धि हो सकती है, जो अब तक 200 गीगावाट तक सीमित थी। भविष्य में वर्तमान क्षमता से पांच गुना अधिक की खरीद की आवश्यकता होगी, इसलिए हमें सहनीय तथा विविधतापूर्ण आपूर्ति श्रृंखला तैयार करने की आवश्यकता है। देश अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाकर सहनीयता में सुधार किया जा सकता है। सौर पीवी विनिर्माण परियोजनाओं के विकास को समर्थन देने का सबसे अच्छा तरीका उत्पादन-लागत से जुड़े विभिन्न कारकों को वित्तीय प्रोत्साहन के माध्यम से प्रत्यक्ष समर्थन प्रदान करना है, जैसे टैक्स में छूट, कम लागत वाला वित्तपोषण या प्रत्यक्ष सब्सिडी (उदाहरण के लिए, भूमि या अवसंरचना में निवेश)।**

विकास को समर्थन देने का सबसे अच्छा तरीका उत्पादन-लागत से जुड़े विभिन्न कारकों को वित्तीय प्रोत्साहन के माध्यम से प्रत्यक्ष समर्थन प्रदान करना है, जैसे टैक्स में छूट, कम लागत वाला वित्तपोषण या प्रत्यक्ष सब्सिडी (उदाहरण के लिए, भूमि या अवसंरचना में निवेश)। इसलिए, मांग में वृद्धि करना और सहायक विनिर्माण कंपनियों को प्रोत्साहित करना भी उद्योग को विकसित करने का एक कुशल तरीका है, लेकिन इसके लिए और निवेश करने की आवश्यकता होगी। भारत ने हाल ही में सौर पीवी विनिर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का संचालन किया है, जो सफल रही है। इसके तहत परियोजनाओं के लिए बोली लगाने वाले ऐसी विनिर्माण सुविधाओं की स्थापना और संचालन करेंगे, जो पॉलीसिलिकॉन, इनगोट, वेफर्स, सेल और उच्च दक्षता वाले पैनल के निर्माण के साथ पूरे उत्पादन चक्र का भी विस्तार करेंगे। सौर पीवी विनिर्माण क्षेत्र की दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता, तीव्र और लागत प्रभावी स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन स्रोत को अपनाने के लिए महत्वपूर्ण है। तेजी से विकास और परियोजनाओं की शुरूआत से उत्पाद की बिक्री तक में लगने वाले लंबे समय के कारण, आपूर्ति और मांग के असंतुलन का जोखिम बढ़ जाता है, जिससे लागत में वृद्धि हो सकती है और आपूर्ति में कमी आ सकती है। सौर पीवी क्षेत्र में, सभी आपूर्ति श्रृंखला खंडों के लिए शुद्ध लाभ-प्राप्ति अनिश्चित व अस्थिर रही है। इस प्रकार, इस व्यवसाय के सभी उप-क्षेत्रों की कमजोरियों को सहायक नीतियों द्वारा नियंत्रित किये जाने की आवश्यकता है। देशों के बीच आपसी सहयोग ही ऊर्जा उत्पादन के स्रोतों में बदलाव, निवेश को बढ़ावा देने और लाखों नये हरित रोजगार पैदा करने का आधार होगा। सरकारों और हितधारकों ने सौर पीवी निर्माण पर अधिक ध्यान देना शुरू कर दिया है, लेकिन और अधिक सहयोग की आवश्यकता है। तेजी से कार्बन मुक्त हो रही दुनिया में इस क्षेत्र के रणनीतिक महत्व के लिए समान विचारधारा वाले देशों को साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। उम्मीद है कि हर जगह मॉड्यूल निर्माण हो रहा होगा। प्रारंभिक वर्षों में समर्थन की आवश्यकता है और एक वैश्विक समुदाय के रूप में, हमें विनिर्माण के लिए वातावरण को सक्षम करने में अन्य देशों को समर्थन प्रदान करने की आवश्यकता है। 110 सदस्य और हस्ताक्षरकर्ता देशों के साथ, अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन इस बदलाव के लिए प्रयासरत है। नई प्रौद्योगिकियां बाजार में आयेगी, जिनमें सौर-प्लस बैटरी का प्रतिस्पर्धी होना शामिल हैं। आपूर्ति श्रृंखला के साथ नई सौर पीवी विनिर्माण सुविधाएं 2030 तक अरबों रुपये के निवेश आकर्षित कर सकती हैं। पूरी आपूर्ति श्रृंखला में वार्षिक निवेश स्तर को दोगुना करने की आवश्यकता है। पॉलीसिलिकॉन, इनगोट और वेफर्स निर्माण महत्वपूर्ण चरण हैं और बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए इनमें अधिक निवेश की आवश्यकता होगी। सौर ऊर्जा प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है तथा सौर ऊर्जा के अलावा कोई अन्य उपयुक्त तकनीक नहीं है, जो घरों और समुदायों को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बना सकती है। ग्रिड और मिनी ग्रिड का आपसी जोड़ तथा सामुदायिक रूफटॉप सौर प्रतिष्ठान; इस बदलाव को सक्षम करेंगे। सौर ऊर्जा, नेट जीरो आधरित भारत के उस लक्ष्य को हासिल करने की आधारशिला बन सकती है, जिसे देश ने 2070 के लिए निर्धारित किया है।

■ **आर के सिंह**

भारत सरकार के ऊर्जा और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री हैं तथा अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के अध्यक्ष हैं। व्यक्त किये गये विचार व्यक्तिगत हैं।

जीएम सरसों पर आधी-अधूरी रिपोर्ट

देश में जीएम सरसों को पर्यावरणीय मंजूरी मिल जाने के बाद सरसों की इस किस्म को चालू रबी सीजन से ही उगाया जाय। इसके लिए जोरदार पैरवी की जा रही है। हालांकि हरित संगठनों के अलावा विभिन्न किसान संगठन भी इसका विरोध कर रहे हैं। इसके विरोध में सबसे मुखर स्वर आरएसएस से जुड़े भारतीय किसान संघ और स्वदेशी जागरण मंच का है। उनका आरोप है कि जेनेटिक इंजीनियरिंग अप्रेजल कमिटी (जीईएसी) गैर जिम्मेदाराना तरीके से काम कर रही है। जीईएसी ने डिवेलपर को एक अनुमतिपत्र में कहा कि उनके समर्थन में प्राप्त सभी जानकारी विदेश से लाई गई थी। हमारे देश में इसके बारे में अध्यन किया जाना बाकी है। इन संगठनों का सवाल है कि यदि भारत में कोई अध्ययन नहीं किया गया तो फिर जीईएसी ऐसा गैरजिम्मेदार, अवैधानिक निर्णय कैसे ले सकती है? **बीटी कॉटन के अनुभव :** इससे पूर्व जीएम बीटी कॉटन को लेकर भी इसी प्रकार के भ्रामक प्रचार किये गए थे कि इसको कीड़ों से कोई नुकसान नहीं होगा और उत्पादन ज्यादा होगा। पिछले 17 वर्षों से बीटी कपास के उत्पादन में कोई खास वृद्धि नहीं हुई है। फिर भी किसानों को दिवास्वप्न दिखाये जा रहे हैं कि कीटनाशकों का छिड़काव कम होने से लागत में कमी आयेगी और प्रति हेक्टेयर उत्पादन में वृद्धि होगी। कृषि मामलों की संसदीय समिति अपनी 37वीं रिपोर्ट में बता चुकी है कि बीटी कॉटन की व्यावसायिक खेती करने से कपास उत्पादकों की माली हालत बजाय सुधरने के और बिगड़ गई। बीटी कॉटन में कीटनाशकों का अधिक उपयोग करना पड़ा। महाराष्ट्र में पिछले दिनों कपास को कीड़े से बचाने की जुगत में किसानों ने अनजाने में मौत को गले लगा लिया। कुछ दिनों में ही महाराष्ट्र के यवतमाल जिले में 20 से अधिक किसानों की मौत हो चुकी है। इन मौतों का कारण किसानों द्वारा खरीदा गया वह कीटनाशक बताया गया है, जिसे उन्होंने फसलों पर कीड़े खत्म करने के लिए छिड़का था। बीटी कपास की खेती के लिए आवश्यक कीटनाशक का प्रचार करते हुए किसानों को यह नहीं बताया गया कि इसे इस्तेमाल करते समय किन चीजों का खास ध्यान रखना चाहिए। यह भी बताना आवश्यक नहीं समझा गया कि इसको छिडकने से पहले अगर सावधानी नहीं बरती गई तो मौत तक हो सकती है। **भुखमरी दूर होने की दलील :** जीएम फसलों को बढ़ावा देने के पीछे तर्क दिया जा रहा है कि इससे देश में भुखमरी की समस्या समाप्त हो जायेगी और कृषि उत्पादकता में बढ़ोतरी होगी। इससे जुड़े कुछ तथ्यों पर एक नजर डाल ली जाए। 1951-52 के दौरान देश में मात्र 5.2 करोड़ टन अनाज का उत्पादन होता था। आज बिना जीएम तकनीक के 30 करोड़ टन से अधिक का उत्पादन हुआ है। पहले हम गेहूं, चावल, शक्कर के लिए आयात पर निर्भर करते थे। लेकिन अब कोरोना के दौर में भी हमने गेहूं, चावल, शक्कर का निर्यात किया है। आज भारत गेहूं और चावल निर्यात करने वाला दुनिया का दूसरे नंबर का देश है। पिछले 2 वर्षों से 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त 5 किलो राशन उपलब्ध कराना हमारी कृषि सफलता का प्रमाण है। करोड़ों डॉलर की लागत के बाद भी कोई ऐसा जीएम बीज नहीं है, जो स्वाभाविक रूप से उपज बढ़ाता हो। अधिकांश खाद्य और व्यापार नीति से जुड़े संगठनों एवं विशेषज्ञों का कहना है कि कमिटी का निर्णय दबाव और जल्दबाजी में लिया गया है। सरसों की जिस किस्म को मंजूरी दी गई है, वह कम पैदावार वाली है। वर्तमान में जीएम सरसों की श्रेणी डीएमएच-11 से भी ज्यादा उपज वाली चार किस्में भारत में पहले से ही मौजूद हैं। डीएमएच-1, डीएमएच-2, डीएमएच-3, डीएमएच-4 सरसों की पैदावार जीएम सरसों से ज्यादा है। डीएमएच-4 जो एक पारंपरिक किस्म है, जीएम सरसों की तुलना में 14त्न अधिक उपज प्रदान करती है। **शहद उत्पादन पर असर :** जीएम सरसों के विरोध का एक बड़ा कारण मधुमक्खी पालन में आने वाली परेशानी भी है।

> **कृषि मामलों की संसदीय समिति अपनी 37वीं रिपोर्ट में बता चुकी है कि बीटी कॉटन की व्यावसायिक खेती करने से कपास उत्पादकों की माली हालत बजाय सुधरने के और बिगड़ गई। बीटी कॉटन में कीटनाशकों का अधिक उपयोग करना पड़ा। महाराष्ट्र में पिछले दिनों कपास को कीड़े से बचाने की जुगत में किसानों ने अनजाने में मौत को गले लगा लिया। कुछ दिनों में ही महाराष्ट्र के यवतमाल जिले में 20 से अधिक किसानों की मौत हो चुकी है। इन मौतों का कारण किसानों द्वारा खरीदा गया वह कीटनाशक बताया गया है।**

■ के. सी. त्यागी

ध्यान रहे, ऊपर उठ रहा है हिमालय

मंगलवार की देर रात नेपाल, चीन व भारत में आए भूकंप के झटके अस्वाभाविक नहीं थे। इसका केंद्र नेपाल का मणिपुर था और भूगोल के हिसाब से इंडियन टेक्टोनिट प्लेट पूर्व से पश्चिम तक फैला है, जिसमें हमारा पूर्वोत्तर का इलाका, हिंदुकुश, अफगानिस्तान, पाकिस्तान के कुछ भाग आदि आते हैं। यहां इंडियन प्लेट अपने से कहीं भारी यूरेशियन प्लेट के भीतर समा रही है या टकरा रही है, जिससे न सिर्फ हिमालय ऊपर की ओर उठ रहा है, बल्कि यह पूरा इलाका ही भूकंप के लिहाज से काफी संवेदनशील बन जाता है। फिलहाल 6.3 परिमाप का भूकंप आया है, पर पूर्व में इससे भी अधिक 'मैग्निट्यूड' के कंपन यहां आ चुके हैं। नेपाल का 1934 का भूकंप इसका दर्दनाक उदाहरण है। हिमालय के आस-पास भूकंप का आना बेशक चौंकाने वाली बात न हो, लेकिन ऐसी प्राकृतिक परिघटना को गंभीरता से लेना चाहिए। चूंकि हिमालय का फैलाव काफी दूर तक है, इसलिए यहां हल्की सी भी उथल-पुथल हमें बड़ी चोट दे सकती है। इसकी प्रकृति को देखते हुए ही यहां आठ या इससे भी अधिक तीव्रता के भूकंप की आशंका जाहिर की जा चुकी है। अगर ऐसा होता है, तो नेपाल या सीमावर्ती इलाकों के अलावा दिल्ली या उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में भी तबाही मच सकती है। अगस्त 1988 में बिहार में आए भूकंप को हम अब तक कहां भूल सके हैं? मुश्किल यह है कि भूकंप का पूवार्नुमान संभव नहीं। चंद हल्की थरथराहटों से बड़े भूकंप की आशंका भी नहीं जाहिर की जा सकती। हां, कुछ तकनीकी और व्यावहारिक उपाय जरूर किये जा सकते हैं। मसलन, एक बेहतर चेतावनी सिस्टम तैयार करना। दरअसल, भूकंप में दो तरह की लहरें पैदा होती हैं- एक 'पी' और दूसरी 'एस'। दोनों में समयांतर होता है। 'पी वेब' अपनी प्रकृति के कारण नुकसान नहीं पहुंचाती, लेकिन 'एस' तुलनात्मक रूप से ज्यादा हानि करती है। जैसे ही दो टेक्टोनिक प्लेट्स आपस में टकराती हैं, तो पहले 'पी' लहर पैदा होती है। मान लीजिये, यदि भूकंप का केंद्र नेपाल है, तो 'पी वेब' को दिल्ली तक पहुंचने में कुछ सेकंड का वक्त लगेगा। इसके बाद ही 'एस वेब' पैदा होगी, जो समान देरी से दिल्ली पहुंचेगी। अगर हमने 'पी वेब' को केंद्र पर ही नाप लिया और इसकी जानकारी तुरंत दिल्ली से साझा कर दी, तो 'एस वेब' की मारकता से बचने के लिए हमारे पास 30 से 50 सेकंड तक का वक्त होगा। इसमें मेट्रो, परमाणु केंद्र, आपात चिकित्सा जैसी अनिवार्य केंद्रों व सेवाओं के लिए बचाव-उपाय किये जा सकते हैं। मैक्सिको जैसे देश ऐसे निगरानी तंत्र से ही अपना बचाव करते हैं। वहां भूकंप से बचने के लिए एजेंसियों को एक से डेढ़ मिनट का वक्त मिल जाता है। जाहिर है, एशिया में इस तरह का तंत्र बनाने के लिए हिमालय के आस-पास बसे सभी देशों को एक मंच पर आना होगा। इसके साथ-साथ स्थानीय स्तर पर भी कई उपाय किये जा सकते हैं, जो कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। जैसे, घर को भूकंपरोधी बनाना। सच भी यही है कि भूकंप इंसान की जान नहीं लेता, इमारतें लेती हैं। अगर हम इमारतों को तैयार करने में आधुनिक व उन्नत तकनीक का इस्तेमाल करते हैं, तो बड़ी तीव्रता के भूकंप भी हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकेंगे। मगर दिक्कत यह है कि अपने देश में 'बिल्डिंग कोड' होने के बावजूद शायद ही घर-निर्माण में इस पर ध्यान दिया जाता है। जाहिर है, कानून लागू करने वाली एजेंसियों की जिम्मेदारी तय करनी होगी और यह सुनिश्चित करना होगा कि नई इमारतें पूरी तरह से बिल्डिंग कोड का पालन करें। भूकंप के लिहाज से भारत में चार जोन- 2, 3, 4 और 5 तय किये गये हैं। इसमें जोन-5 काफी संवेदनशील है, तो जोन-2 अपेक्षाकृत कम। मकानों को तैयार करते वक्त इन पर भी गौर किया जाना चाहिए। शहरों के अनियोजित विस्तार ने भी हमारी चिंताएं बढ़ाई हैं। दिल्ली में ही न जाने कितनी अवैध कॉलोनियां बस चुकी हैं। इनमें रहने वाली सघन आबादी निश्चय ही बारूद के ढेर पर है। चूंकि दिल्ली में 6.3 से भी अधिक तीव्रता का भूकंप आ चुका है और यह जोन-4 का हिस्सा है, इसलिए यह आशंका जताई जाती रही है कि बड़ा भूकंप यहां जान-माल का भारी नुकसान पहुंचा सकता है। सौभाग्य से, ऐसी नौबत अब तक नहीं आई है, लेकिन इस आशंका से पार पाने के उपायों पर हमारे नीति-नियंताओं को जरूर सोचना चाहिए। हम चाहें, तो 'रेट्रोफिटिंग' की तरफ ध्यान दे सकते हैं। अच्छी बात है कि साल 2005 में जो आपदा प्रबंधन अधिनियम बना, उसमें आपदा आने से पहले के बचाव-उपायों पर जोर दिया गया। इसमें जन-जागरूकता बढ़ाने की बात भी कही गई, जबकि इससे पहले की नीतियों में आपदा के बाद के राहत-कार्यों पर जोर दिया जाता रहा था। भूकंप से होने वाले नुकसान को टालने के लिए 'प्री-डिजास्टर मैनेजमेंट' काफी जरूरी है। आइसलैंड जैसे देशों में तो छोटे-छोटे परिमाप वाले भूकंप भी माप लिए जाते हैं, जिस कारण वे कहीं अच्छी तैयारी कर लेते हैं। हम ऐसा तंत्र नहीं बना सकते, लेकिन बचाव के उपायों के प्रति गंभीरता दिखाकर अपना नुकसान काफी कम कर सकते हैं। यह समझना होगा कि भूकंप ऐसी प्राकृतिक आपदा है, जिसे कतई रोका नहीं जा सकता, इसलिए बचाव के उपाय ही विकल्प हैं। यहां यह भी जानना चाहिए कि एक बड़े भूकंप के बाद कुछ हल्के कंपन आते ही हैं। इसे 'ऑफ्टर-शॉक' कहते हैं। दरअसल, जमीन के अंदर जब कोई टुकड़ा टूटता है या अपना स्थान बदलता है, तो उसके 'सेटल' होने, यानी किसी नये स्थान पर जमने तक धरती कई बार हल्की-हल्की कांपती है। मगर आम धारणा यही है कि एक बड़ा भूकंप आने के कुछ समय बाद फिर से उसी तीव्रता का कंपन आ सकता है। वैज्ञानिक इस मान्यता को खारिज करते हैं। हां, अगर बड़े भूकंप से आपकी इमारत को थोड़ा-बहुत नुकसान भी पहुंचा हो, तो मुमकिन है कि आने वाले हल्के कंपन भी आपको बड़ी चोट पहुंचा जाएं। यही वजह है कि मंगलवार की देर रात के बाद अब फिर से तुरंत बड़े भूकंप आने की आशंका नहीं जाहिर की जा रही।

> **हिमालय के आस-पास भूकंप का आना बेशक चौंकाने वाली बात न हो, लेकिन ऐसी प्राकृतिक परिघटना को गंभीरता से लेना चाहिए। चूंकि हिमालय का फैलाव काफी दूर तक है, इसलिए यहां हल्की सी भी उथल-पुथल हमें बड़ी चोट दे सकती है। इसकी प्रकृति को देखते हुए ही यहां आठ या इससे भी अधिक तीव्रता के भूकंप की आशंका जाहिर की जा चुकी है। अगर ऐसा होता है, तो नेपाल या सीमावर्ती इलाकों के अलावा दिल्ली या उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में भी तबाही मच सकती है। अगस्त 1988 में बिहार में आए भूकंप को हम अब तक कहां भूल सके हैं? मुश्किल यह है कि भूकंप का पूवार्नुमान संभव नहीं। चंद हल्की थरथराहटों से बड़े भूकंप की आशंका भी नहीं जाहिर की जा सकती।**

■ अतींद्र के शुक्ला

है न विचित्र बात !

छोटी-छोटी बातों में

दांपत्य जीवन पहेली है। कभी चित तो कभी पट है। कब क्या हो जाए पता नहीं है। एक पति ने पत्नी को जोरदार चांटा लगाते हुए कहा कि पति-पत्नी के संबंध चार लोगों की बीच की गई शादी या फिर फोटो एल्बम में सजी तस्वीरों पर नहीं टिकती। अगर ऐसा ही होता तो पुराने जमाने में कोई शादी न करता। यह तो एक-दूसरे के विश्वास पर टिकती है। इसलिए बार-बार यह कहना बंद करो कि जब मैं तुम्हें चार लोगों के बीच बेइज्जत करूँगी तब पता चलेगा कि मैं क्या चीज हूँ। पति की इज्जत उतारने से भला तुम्हें कौनसा सुख मिलेगा? तुरंत पत्नी ने पलटवार करते हुए कहा झ हाँ सही कहते हैं आप। लेकिन यह बोलने वाले पर निर्भर करता है कि वह सच्चा है या झूठा। झूठ की नींव पर खड़ी सच की गगनचुंबी इमारत भी पल में ढह सकती है। अच्छा! तो ऐसा मैंने क्या झूठ कह दिया जो तुम मुझसे झगड़ रही हो? यही न कि मैंने वाट्सप पर रानी रंग की साड़ी भेजी थी और तुम उसे गुलाबी समझ बैठी। सोचा कि शायद मैं ही गलत हूँ। तुम सही कह रही हो। इसलिए मैं इसे गुलाबी समझ बैठा। फोन का कैमरा फोटो ही ऐसा खींचता है कि वह तुम्हें कुछ का कुछ दिख गया। इसके लिए मुझे झूठा कहना कहाँ तक सही है? वैसे भी जब आदमी को भरपेट खाने को खाना, रहने को घर और पहनने के लिए महंगे-महंगे कपड़े मिलने लगे तो उसके पास ऐसे नुस्ख निकालने के सिवाय दूसरा काम ही क्या रह जाता है। हर छोटी-छोटी बातों पर नुस्ख निकालना और उसके बारे में घंटों मायके में शिकायत करना इसी का उदाहरण है। फिर उस दिन दाल में थोड़ा सा नमक क्या ज्यादा हो गया आप तो अपनी माँ की दाल याद करने लगे। ऐसा कौनसा मैंने जहर बना दिया था। जो आप अपनी माँ को याद करने लगे? जब आदमी की सोच सो जाए तब एक बार के लिए उसे जगाया जा सकता है, लेकिन जो जानबूझकर तिल का पहाड़ में बनाने पर आमदा हो जाएँ, उनकी सोच को नहीं बदला जा सकता। मैंने माँ की दाल इसलिए याद की थी कि तुम इसी बहाने उनसे फोन पर बात कर लो। उनका भी मन करता है कि अपनी बहू से बात करे। मैं तो बात करता हूँ। लेकिन वह भी तुम्हें बहू से ज्यादा बेटी की तरह चाहती हैं। पत्नी कुछ कहती तभी पति का फोन बज उठा। भाभी ने फोन किया था। भाभी ने बताया कि मेरे किडनी देने के बावजूद मैं तुम्हारे भैया को नहीं बचा सकी। इतना कहते-कहते वह बिफर गयीं....।

■ डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'
मो. नं. 73 8657 8657

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. की ओर से इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पब्लिकेशन डिवीजन रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, स्थानीय संपादक : ओम प्रकाश अमरेन्द्र*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 07759972937, 06562-240042/ 222539, फैक्स नम्बर : 06562-241176/231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-83001, फोन नं.- 0651-2283384/ फैक्स : 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25-एलएफ, तानसेन मार्ग, नयी दिल्ली-1, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लातेहार कार्यालय : रमेश सेनेटरी, मेन रोड, लातेहार -829206, फोन : 9128656020, 7763034341, लोहरदगा कार्यालय : रिलायंस पेट्रोल पंप के बगल में, आशा कॉम्प्लेक्स लोहरदगा- फोन : 7903891779, 8271983099, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)।

न्यूज गैलरी

टी-20 विश्व कप की जीत से हमारी फुटबॉल टीम को मिलेगी प्रेरणा : बटलर

मेलबर्न (एजेंसी)। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर का कहना है कि अगर उनकी टीम रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 विश्व कप फाइनल में जीत जाती है तो यह प्रदर्शन फीफा विश्व कप में उनके देश की टीम को प्रेरित करेगा। बटलर ने कप्तान के तौर पर अपनी पहली वैश्विक प्रतियोगिता में टीम को खिताबी मुकाबले में पहुंचा दिया है। यह पूछने पर कि क्या देश की फुटबॉल टीम क्रिकेट टीम से प्रेरणा ले सकती है तो मृदुभाषी कप्तान ने कहा कि बिलकुल, मुझे निश्चित रूप से ऐसी उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड की संस्कृति में खेल इतना अहम हिस्सा है और विश्व कप में टीमों को समर्थन देना इंग्लैंड में काफी होता है। आप भी निश्चित रूप से इस समर्थन को महसूस कर सकते हो। इंग्लैंड फीफा विश्व कप में ग्रुप बी में ईरान, वेल्स और अमेरिका के साथ शामिल है।

पंजाब किंग्स को धुरंधर जोड़ी के दम पर आईपीएल जीतने की उम्मीद

नयी दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के सह मालिक नेस वाडिया को उम्मीद है कि कप्तान शिखर धवन और कोच ट्रेवर बेलिस की जोड़ी आईपीएल खिताब का उनका लंबा इंतजार खत्म करेगी। आईपीएल का 2008 में शुरुआत के बाद से पंजाब 2014 में फाइनल में पहुंचा, लेकिन पिछले चार सत्र में प्लेऑफ में भी जगह नहीं बना सका। इसके बाद धवन को मयंक अग्रवाल की जगह कप्तान बनाया गया जबकि इंग्लैंड को 2019 वनडे विश्व कप और केकेआर को दो आईपीएल खिताब दिलानेवाले कोच बेलिस को अनिल कुंबले की जगह दी गई। वाडिया ने कहा कि हम चाहते हैं कि वे हमें अंतिम चार तक ले जायें और फिर खिताब दिलाये। धवन और ट्रेवर के अपार अनुभव से हमें फायदा मिलना चाहिए। खिलाड़ियों को बरकरार रखने (रिटेंशन) की 15 नवम्बर की समय सीमा से पहले वाडिया ने कहा कि हम कोशिश करेंगे कि कोर टीम बरकरार रहे। हमें सुनिश्चित करना होगा कि विश्लेषण सटीक हो। इस पर काम चल रहा है।

न्यूजीलैंड के ग्रेग बारक्ले फिर बने आईसीसी अध्यक्ष

दुबई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले को शनिवार को दूसरी बार अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का अध्यक्ष चुना गया है। जिम्बाब्वे के तवेंगवा मुकुहलानी के प्रक्रिया से हटने के बाद ग्रेग बार्कले का निर्विरोध चुनाव किया गया था और बोर्ड ने अगले दो सालों तक अध्यक्ष के रूप ग्रेग बार्कले के काम का पूर्ण समर्थन दिया। बार्कले ने अपनी पुनर्नियुक्ति पर कहा कि पिछले दो वर्षों में हमने अपनी वैश्विक विकास रणनीति के शुभारंभ के साथ महत्वपूर्ण प्रगति की है जो हमारे खेल के लिए एक सफल और टिकाऊ भविष्य बनाने के लिए स्पष्ट दिशा प्रदान करती है। यह क्रिकेट में शामिल होने का एक रोमांचक समय है और मैं अपने सदस्यों के साथ मिलकर काम करना जारी रखता हूं ताकि खेल को मजबूत किया जा सके और साथ ही इसे आगे बढ़ाया जा सके, साथ में यह सुनिश्चित किया जा सके कि दुनिया के अधिक लोग क्रिकेट का आनंद ले सकें। बता दें कि ऑकलैंड स्थित एक वाणिज्यिक वकील बार्कले को मूल रूप से नवंबर 2020 में आईसीसी अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था।

टीम इंडिया में बड़े बदलाव के आसार, सीनियर प्लेयर्स दो साल में हटेंगे : रिपोर्ट

बेंगलुरु (एजेंसी)। टी-20 विश्व कप 2022 में भारतीय टीम की सेमीफाइनल में शर्मनाक हार के बाद बीसीसीआई बड़े फैसले लेने के मूड में आ गया है। भारतीय टीम ने विश्व कप के बाद न्यूजीलैंड दौरे पर जाना है जहां तीन वनडे और तीन टी-20 मैच खेले जाने हैं। इसके लिये घोषित टीम से सीनियर प्लेयर्स का रेस्ट दे दी गयी है। आगामी टीम में अश्विन, विराट कोहली और रोहित शर्मा नहीं हैं। बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड अगले दो वर्षों में अगले टी-20 विश्व कप के लिए बड़े पैमाने पर बदलाव लाने के लिए तैयार है, जो कि 2024 में अमेरिका में होगा।

टॉप ऑर्डर फेल रहा : विश्व कप में रोहित शर्मा और लोकेश राहुल की ओपनिंग जोड़ी बुरी तरह फ्लॉप रही। छह मैचों में एक बार भी दोनों 50 रन की पार्टनरशिप नहीं बना सके। बीसीसीआई ने पूरे साल में ऋतुराज गायकवाड़, ईशान किशन, संजू सैमसन और दीपक हुड्डा से भी ओपनिंग करवाई थी। लेकिन बाद में रोहित और राहुल पर ही भरोसा किया गया। दोनों ने इंग्लैंड के खिलाफ 9 (10), बनाम जिम्बाब्वे 27 (23), बनाम बांगलादेश 11 (21), बनाम दक्षिण अफ्रीका 23 (26), बनाम नीदरलैंड 11 (16), बनाम पाकिस्तान 7 (11) की ही पार्टनरशिप की थी।

दिनेश कार्तिक ने भी निराश किया : बीसीसीआई विकेटकीपर के लिए ईशान किशन, संजू सैमसन, दिनेश कार्तिक, ऋषभ पंत और लोकेश राहुल में विकल्प देखे। कार्तिक को आईपीएल में बढ़िया परफॉर्मेंस के कारण विश्व कप में चुना गया जबकि पंत को बैकअप कीपर रखा गया। कार्तिक चार मैच में 14 रन ही बना पाये। पंत ने दो मैचों में सिर्फ नौ रन।

केएल राहुल नॉकआऊट में हो रहे फेल : भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल का प्रदर्शन नॉकआऊट मुकाबलों में अच्छा नहीं रहा है। पाकिस्तान के खिलाफ महत्वपूर्ण मुकाबलों में वह रन नहीं बना पाये। इस विश्व कप में उनसे काफी उम्मीदें थीं, लेकिन वह जिम्बाब्वे और बांगलादेश को छोड़कर किसी बड़ी टीम के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये। सेमीफाइनल मुकाबले में भी वह पांच रन बनाकर चलते बने।

बढ़ती उम्र भी बनी वजह : यह भी पता चला है कि कई सीनियर खिलाड़ी जिनमें रविचंद्रन अश्विन और मोहम्मद शमी शामिल हैं, अब लंबे समय तक छोटे प्रारूप की योजना का हिस्सा नहीं होंगे। ऑस्ट्रेलिया में विश्व कप के लिए चुने गये अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक भी अब दीर्घकालिक योजना का हिस्सा नहीं हैं। बीसीसीआई मान रही है कि आगामी विश्व कप नये टीम इंडिया खड़ी करनी है। ऐसे में रोहित शर्मा जैसे सीनियर्स को भी विराम देने की व्यवस्था हो सकती है। इन्हें ज्यादा मौके न देने के पीछे एक वजह इनकी बढ़ती उम्र भी है।

29 खिलाड़ियों को आजमाया

2021 विश्व कप के बाद रोहित को कप्तानी मिली तो राहुल द्रविड़ नये कोच बनाये गये। टीम इंडिया ने 2022 विश्व कप से पहले 35 टी-20 मैच खेले। इनमें सात नये खिलाड़ियों समेत 29 को आजमाया गया। चार कप्तान भी बदले गये, लेकिन विश्व कप नजदीक आते ही लगभग पुरानी टीम चुनी गयी। इन्होंने सेमीफाइनल में निराश किया। सीनियर प्लेयर्स की रणनीति धरी की धरी रह गयी। ऐसे में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।

हार्दिक ही होंगे अगले कप्तान

हार्दिक पांड्या ने आईपीएल में अपनी कप्तानी डेब्यू में ही खिताब जीतने में सफलता हासिल की थी। उन्हें न्यूजीलैंड दौरे पर जा रही भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया है। उनके कप्तान बनने पर पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर भी खुश हैं। उन्होंने बीते दिन कप्तान के तौर पर हार्दिक की तारीफ की थी। अब सूत्र बताते हैं कि हार्दिक को ही अगले टी-20 विश्व कप में कप्तान के तौर पर देखा जा रहा है इसके लिये उसे ज्यादा से ज्यादा मौके दिये जायेंगे।

टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल आज

बारिश की 95 प्रतिशत संभावना, मैच नहीं हुआ तो इंग्लैंड-पाकिस्तान को साझा करनी पड़ेगी ट्रॉफी

मेलबर्न (एजेंसी)। टी-20 विश्व कप 2022 का फाइनल मुकाबला पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच रविवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जायेगा। ताजा खबर यह है कि इस मुकाबले में बारिश की आशंका बनी हुई है। रविवार को मेलबर्न में बारिश होगी, इसके 95 फीसदी चांस बताये गये हैं। स्थानीय मौसम विभाग के मुताबिक, ला नीना के कारण बारिश हो सकती है। इसी स्थिति से निपटने के लिए आईसीसी ने रिजर्व डे रखा है। मतलब रविवार को खेल नहीं हुआ और मैच पूरा नहीं हुआ तो उसी स्थिति में अगले दिन खेला जायेगा। दोनों देशों के खेल प्रेमियों के लिए चिंता की बात यह है कि सोमवार को भी बारिश की आशंका है। कुल मिलाकर हो सकता है कि फाइनल मुकाबला पूरा ही नहीं हो सके।

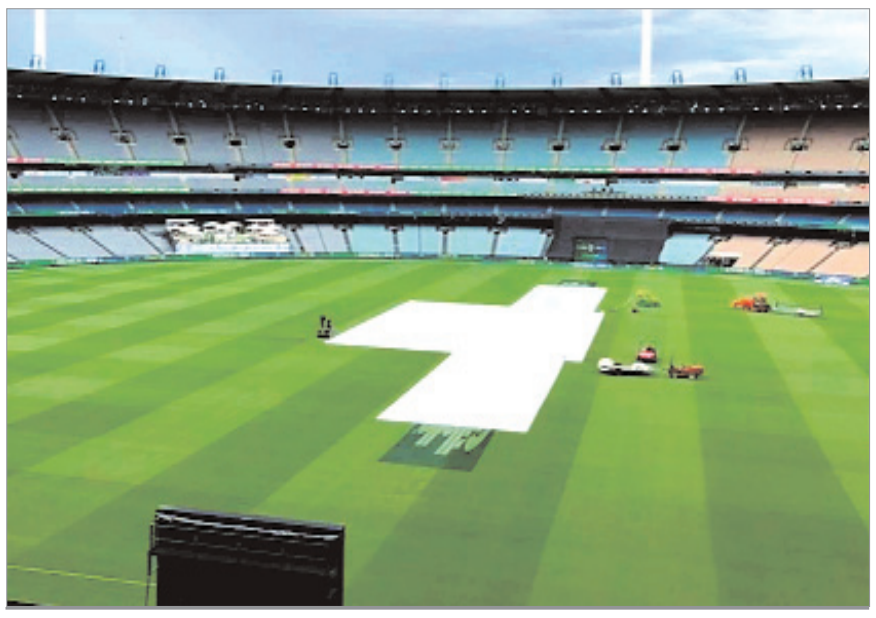

सवाल यही है कि इस स्थिति में किसे टी-20 वर्ल्ड चैम्पियन माना जायेगा?

आईसीसी के नियमों के मुताबिक, टॉस होते ही मैच लाइव माना जायेगा। इसके बाद यदि बारिश होती है तो रिजर्व डे में खेल पूरा करने की कोशिश की जायेगी। यदि दोनों टीमों को कम से कम 10-10 ओवर खेलने को मिलता है तो ही मैच पूरा माना जायेगा। मेलबर्न में रविवार को 25 मिलीमीटर बारिश की आशंका है। वहीं, सोमवार को भी 10 मिलीमीटर बारिश की आशंका है। यदि मौसम विभाग का यह अनुमान सच साबित होता है तो फाइनल मैच खेला जाना मुश्किल है। आईसीसी की कोशिश होगी कि दोनों दिन मिलाकर नतीजा निकले, लेकिन यदि मैच पूरा नहीं हो पाया तो पाकिस्तान और इंग्लैंड को ट्रॉफी साझा करना होगी। टी-20 विश्व कप विजेता टीम को 1,600,000 डॉलर यानी लगभग 13 करोड़ रुपए मिलेंगे। वहीं, फाइनल में हारने वाली (रनर अप) टीम को 8,00,000 डॉलर (करीब 6.50 करोड़ रुपए) से संतोष करना होगा। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीमों को 4,00,000 डॉलर (3 करोड़ रुपए से अधिक) मिलेंगे।

इरफान ने पाक के पीएम को दिया करारा जवाब, कहा- खुद के मुल्क को बेहतर करो

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम को आईसीसी टी-20 विश्व कप 2022 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड से हार मिली तो पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारतीय टीम की आलोचना की थी। उन्होंने ट्वीट करते हुए तंज कसा, जिसपर भारत के दिग्गज इरफान पठान ने अब करारा जवाब दिया। भारत को सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने आसानी से 10 विकेट से हरा दिया था। हार के बाद, पाकिस्तान के पीएम ने ट्विटर पर पोस्ट किया था, तो, इस रविवार, यह है: 152/0 बनाम 170/0। पहला आंकड़ा दर्शाता है कि पाकिस्तान ने पिछले साल विश्व कप के मैच में भारत के खिलाफ जीत हासिल की थी। टी-20 विश्व कप में भारत अब तक केवल यही दो मैच 10 विकेट से हारा है। ऐसे में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने भारत को ताना मारा। शनिवार को इरफान ने ट्वीट का जवाब देते हुए कहा कि आप में और हम में फर्क यही है। हम अपनी खुशी से खुश और आप दूसरे के तकलीफ से। इसलिए खुद के मुल्क को बेहतर करने पर ध्यान नहीं है। इससे पहले दिन में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम से भी मेलबर्न में अपने प्री-मैच प्रेसर के दौरान ट्वीट के बारे में पूछा गया था कि क्या इस तरह के सोशल मीडिया पोस्ट टीम पर अधिक दबाव डालते हैं। बाबर ने इसका जवाब देते हुए कहा कि ऐसा कोई दबाव नहीं है। लेकिन क्षमा करें, मैंने यह ट्वीट नहीं देखा, इसलिए मुझे इसकी कोई जानकारी नहीं है। लेकिन हां हम सिर्फ विपक्ष के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करते हैं।

भारत का धुरंधर बल्लेबाज लायेगा टी-20 क्रिकेट में क्रांति : बल्लेबाजी कोच

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगर ने सूर्यकुमार यादव की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह भारतीय टी-20 क्रिकेट में क्रांति लायेंगे। सूर्यकुमार ने टी-20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए 189.68 के स्ट्राइक रेट से 239 रन बनाये थे। एक शो में चर्चा के दौरान बांगर ने कहा कि सूर्यकुमार भारतीय टी-20 क्रिकेट में क्रांति लायेंगे और प्रबंधन को उनके जैसे अधिक बहुआयामी खिलाड़ी खोजने होंगे। बांगर ने कहा कि सूर्यकुमार यादव एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो भारतीय टी-20 क्रिकेट में क्रांति लायेंगे। आपको उसके जैसे और भी बहुआयामी खिलाड़ी तलाशने होंगे, बिल्कुल इंग्लैंड की टीम की तरह, जो नौवें या दसवें नंबर तक के हरफनमौला खिलाड़ियों से भरी हुई है। भारत के पूर्व ऑलराउंडर ने कहा कि सूर्यकुमार एक प्रेरणादायक व्यक्ति हैं और आनेवाले समय में उन जैसे और भी खिलाड़ियों को और प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी जो अपने शॉट्स के साथ विकेट के दोनों किनारों को निशाना बना सकते हैं, स्विच हिट, रिवर्स स्वीप खेल सकते हैं और अपरंपरागत शॉट ढूंढ सकते हैं। मुझे लगता है कि ऐसे खिलाड़ियों को और प्रोत्साहन मिलेगा। उसके पास जितने विकल्प हैं, वह हर तरह के शॉट खेलते हैं। वह एक प्रेरणा हैं और आगे आपको ऐसे और खिलाड़ी देखने को मिलेंगे जो इस तरह खेलते हैं। बांगर ने कहा कि सूर्यकुमार ऑलराउंड बल्लेबाज बन गये हैं, जबकि पहले वह केवल फाइन लेग पर अपने शॉट्स के लिए जाने जाते थे। उन्होंने

कहा कि वह पूरी तरह से हरफनमौला बल्लेबाज बन गया है। एक समय था जब सूर्यकुमार यादव फाइन लेग पर सिर्फ शॉट खेलने के लिए जाने जाते थे। अब उनका दायरा बढ़ गया है, उनका कद बढ़ गया है। बांगर ने आगे कहा कि विशेष बात यह है कि दबाव की स्थिति में, चाहे वह ऑस्ट्रेलियाई हो या इंग्लैंड की परिस्थितियां, जिन्हें बल्लेबाजी के लिए सबसे कठिन माना जाता है, वह वहां गए हैं और अपने पहले दौरे पर ही उन्होंने अपना प्रभाव छोड़ा है।

अर्जेंटीना ने विश्व कप के लिए टीम की घोषित

■ प्रतिद्वंद्वी ब्राजील की तुलना में दो फॉरवर्ड कम

ब्यूनर्स आयर्स (एजेंसी)। अर्जेंटीना की टीम कतर में विश्व कप के लिए नौ डिफेंडर, सात मिडफील्डर और सात फॉरवर्ड लेकर जायेगी। अर्जेंटीनी कोच लियोनल स्कालोनी की टीम का लक्ष्य अपनी कोपा अमेरिका सफलता हासिल करना है। स्कालोनी ने 26 खिलाड़ियों की टीम की घोषणा की जिसमें प्रतिद्वंद्वी ब्राजील की तुलना में दो फॉरवर्ड कम हैं। अर्जेंटीना ने 2021 में कोपा अमेरिका में जीत दर्ज की थी जो 28 साल में उसकी पहली मेजर ट्रॉफी थी। विश्व कप की टीम में 21 खिलाड़ी कोपा अमेरिका में खेलने वाले हैं। लियोनल मेस्सी की टीम को पिछले 35 मैचों में हार का सामना नहीं करना पड़ा है। स्सी (35 साल) अपने पांचवें विश्व कप में खेलेंगे और पूरी संभावना है कि यह उनका अंतिम विश्व कप होगा। उनके साथ अन्य अनुभवी स्ट्राइकर एंजेल डि मारिया (34), डिफेंडर निकोलास ओटामेंडी (34) और गोलकीपर फ्रांको अरमानी (36) शामिल हैं। अर्जेंटीना ने फॉरवर्ड लौटारो मार्तिनेज और मिडफील्डर एंजो फर्नांडिज को भी शामिल किया है। अर्जेंटीना कतर में अपने अभियान की शुरुआत 22 नवम्बर को सऊदी अरब के खिलाफ करेगा। मेक्सिको और पोलैंड की टीमें भी ग्रुप सी में शामिल हैं।

अर्जेंटीना टीम : -

गोलकीपर : एमिलियानो मार्तिनेज, गेरोनिमो रूली, फ्रांको अरमानी।

डिफेंडर : नाहुएल मोलिना, गोंजालो मानटिएल, मार्कोस अकुना, क्रिस्टियन रोमेरो, जर्मन पेजेला, निकोलास ओटामेंडी, लिसांद्रो मार्तिनेज, निकोलास टागलियाफिको।

मिडफील्डर : रोड्रिगो डि पॉल, लियांद्रो पारेडेस, एलेक्सिस मैक एलिस्टर, गुइडो रोड्रिगुएज, पापु गोमेज, एंजो फर्नांडिज, एक्सेक्विल पालासियोस।

फॉरवर्ड : एंजेल डि मारिया, लौटारो मार्तिनेज, जोक्विन कोरिया, जुलियन अल्वारेज, पाउलो डिबाला, निकोलास गोंजालेज, लियोनल मेस्सी।

नेशन्स कप से प्रो लीग के लिए क्वालीफाई करना लक्ष्य : सविता

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनिया ने शुक्रवार को कहा कि एफआईएच नेशन्स कप 2022 जीतकर एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 में जगह बनाना टीम का लक्ष्य है। एफआईएच महिला नेशन्स कप अंतर्राष्ट्रीय कैलेंडर में एक महत्वपूर्ण आयोजन है, क्योंकि इसे जीतनेवाली टीम को एफआईएच हॉकी महिला प्रो लीग के 2023-2024 सीजन में पदोन्नत किया जायेगा। कप्तान सविता ने कहा कि हमारी टीम एफआईएच महिला नेशन्स कप 2022 के लिए कैंप में कड़ी मेहनत कर रही है। हम टूर्नामेंट जीतने के लिए दृढ़ हैं, क्योंकि यह हमें एफआईएच हॉकी महिला प्रो लीग 2023-2024 के अगले सत्र में भी भाग लेने की इजाजत देगा। एफआईएच हॉकी महिला प्रो लीग के पिछले संस्करण में खेलना हमारे लिए एक अच्छा अनुभव था और हम अगले संस्करण में भी खेलना चाहते हैं। यह एशियाई खेलों और 2024 के पेरिस ओलंपिक के लिए एक अच्छी

तैयारी के रूप में काम करेगा। भारतीय महिलाओं को नेशन्स कप में कनाडा, जापान और दक्षिण अफ्रीका के साथ पूल बी में रखा गया है, जबकि पूल-ए में आयरलैंड, इटली, कोरिया और स्पेन हैं। सविता ने कहा कि भारतीय टीम प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ देगी। उन्होंने कहा कि सभी खिलाड़ियों को एफआईएच महिला नेशंस कप 2022 में अच्छे प्रदर्शन का भरोसा है। हम अपनी सर्वश्रेष्ठ हॉकी खेलेंगे और योजनाओं पर ठीक तरह अमल करेंगे। सविता ने कहा कि हमारी नजर अगले साल होने वाले एशियाई खेलों पर भी है। एशियाई खेलों तक हर टूर्नामेंट उसकी तैयारी के रूप में काम करेगा और मुझे यकीन है कि नेशन्स कप में अच्छे प्रदर्शन के साथ सभी खिलाड़ियों को बहुत जरूरी आत्मविश्वास मिलेगा।

विश्व टीम शतरंज चैम्पियनशिप : विदित के नेतृत्व में उतरेगी भारतीय टीम

येरूसलम/इजराइल (एजेंसी)। इस माह 19 से 26 नवम्बर के दौरान भारतीय शतरंज टीम एक बार फिर विश्व टीम चैम्पियनशिप में देश को पदक दिलाने के इरादे से खेलती नजर आएगी और इस बार एक फिर ग्रांडमास्टर विदित गुजराती टीम के प्रमुख खिलाड़ी होंगे। टीम में विदित के अलावा एसएल नारायनन, निहाल सरीन, कृष्णन शशिकिरण, एसपी सेथुरमन और अभिजीत गुप्ता भी शामिल किए गए हैं। भारत को प्रतियोगिता में अजरबैजान, चीन, फ्रांस, इजराइल, नीदरलैंड, पोलैंड, साउथ अफ्रीका, स्पेन, उक्रेन, यूएसए और उज्बेकिस्तान से चुनौती मिलेगी। प्रतियोगिता में मौजूदा विश्व रैंकिंग के आधार पर चारों महाद्वीप एशिया, यूरोप, अफ्रीका और अमेरिका से टीमों का चयन किया गया है। प्रतियोगिता में पहले स्टेज में सभी टीमों को दो पूल में बांट दिया जायेगा जिसमें राउंड रॉबिन आधार पर उन्हें पांच राउंड खेलने को मिलेंगे। दूसरे स्टेज में दोनों पूल की शीर्ष चार टीम प्ले ऑफ में पहुंच जायेंगी, जहां क्वार्टर फाइनल, सेमी फाइनल और फाइनल के मुकाबले खेले जायेंगे।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

न्यूज गैलरी

बाइडन की बहन और भाइयों की रूस में नो एंट्री

मॉस्को (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति ब्लादीमीर पुतिन जैसे को तैसा के फॉर्मूले पर चलने लगे हैं। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के परिवार को लेकर एक ऐसा फैसला लिया है, जिसमें इस फॉर्मूले की झलक मिल रही है। असल में रूस ने 200 अमेरिकी नागरिकों के रूस में घुसने पर बैन लगा दिया है। इन 200 नागरिकों में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की बहन और दो भाई भी शामिल हैं। माना जा रहा है कि पुतिन ने यह फैसला अमेरिका द्वारा खुद पर लगाए गए प्रतिबंधों के बदले में लिया गया है। खबरों के मुताबिक वेलेरी बाइडेन ओवेन्स, जेम्स ब्रायन बाइडेन और फ्रांसिस विलियम बाइडेन को रूस की यात्रा करने से प्रतिबंधित किया गया है। सिर्फ इतना ही नहीं, इस लिस्ट में व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव कैरीन जीन पियरे भी शामिल हैं।

कश्मीर को लेकर हमारे रुख में कोई बदलाव नहीं : अमेरिका

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिका ने एक बार फिर जोर देकर कहा है कि कश्मीर के मुद्दे पर उसकी नीति में कोई बदलाव नहीं आया है और उसका मानना है कि बाहरी हस्तक्षेप के बगैर ही यह मुद्दा भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत से सुलझाया जाना चाहिए। अमरीकी विदेश मंत्रालय में दक्षिण और सेंट्रल एशिया मामलों के लिए जिम्मेदार अधिकारी असिस्टेंट सेक्रेटरी ऑफ स्टेट डॉनल्ड लू ने कहा कि मैं यह साफ कर देना चाहता हूं कि कश्मीर मुद्दे पर हमारी नीति में कतई कोई तब्दीली नहीं आयी है। हम अब भी यही मानते हैं कि अगर कश्मीर मुद्दे पर कोई सीधी बातचीत होनी है तो वह भारत और पाकिस्तान के बीच ही होनी है। और कश्मीर मुद्दे पर बातचीत का दायरा, उसका विषय और उस बातचीत की गति भी भारत और पाकिस्तान को आपस में ही तय करना होगी। हाल ही में पाकिस्तान में मौजूद अमरीकी राजदूत डॉनल्ड ब्लोम ने पाकिस्तान प्रशासित कश्मीर इलाके का दौरा करने के बाद सोशल मीडिया वेबसाइट ट्विटर पर लिखा कि उन्होंने आजाद जम्मू एंड कश्मीर का दौरा किया। भारत मानता है कि इस इलाके पर पाकिस्तान ने कब्जा किया हुआ है। इस सिलसिले में भारत ने अपनी नाराजगी भी जतायी थी।

भारत-चीन के बीच हिंद महासागर तनाव का बनता जा रहा है बड़ा केंद्र

बीजिंग/नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच हिंद महासागर तनाव का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। भारत के लंबी दूरी के मिसाइल के परीक्षण के ठीक पहले चीन ने पिछले दिनों अपने जासूसी जहाज यूआन वांग 6 को हिंद महासागर में भेज दिया था। इसके बाद भारत ने अपने मिसाइल परीक्षण को टाल दिया था। वहीं, अब ताजा खुलासा हुआ है कि चीन का एक और जासूसी जहाज अब हिंद महासागर में पहुंच गया है। इस जहाज का नाम यूआन वांग-5 है जो अभी इंडोनेशिया के लोमबोक स्ट्रेट से हिंद महासागर में दाखिल हुआ है। यह वही जासूसी जहाज है जिसने भारत के विरोध के बाद भी पिछले दिनों श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह पर डेरा डाला था। इस बीच भारत ने भी

- चीन ने दो जासूसी जहाजों को हिंद महासागर में भेजा
- भारत अटल, मिसाइल टेस्ट से देगा करारा जवाब

मिसाइल परीक्षण का ताजा ऐलान करके अपने सख्त इरादे जाहिर कर दिये हैं।

ओपन सोर्स इंटेलिजेंस अनैलिस्ट ने बताया कि भारत ने एक और नोटिफिकेशन जारी किया है और बंगाल की खाड़ी में नो फ्लाई जोन को फिर से लागू करने का ऐलान किया है। भारत ने इस नोटिस को अपने आगामी मिसाइल परीक्षण को ध्यान में रखते हुए जारी किया है। नोटिस को देखकर माना जा रहा है कि इसकी मारक क्षमता दो हजार किमी के आसपास होगी। भारत की इस मिसाइल को 23-24 नवम्बर के बीच में ओडिसा से टेस्ट किया जाना है। भारत के इस ऐलान के बीच चीन ने पहले एक और अब दूसरा स्पेस और मिसाइल ट्रैकिंग जहाज हिंद महासागर में भेज दिया है।

भारत के अंडमान निकोबार द्वीप समूह के पास चीनी जहाज

चीन का पहला जासूसी जहाज यूआन वांग 6 अभी हिंद महासागर में मौजूद है और भारत के अंडमान निकोबार द्वीप समूह के पास समुद्र में डेरा डाले हुए है। वहीं, दूसरा जहाज युआन वांग-5 इंडोनेशिया के लोमबोक स्ट्रेट के रास्ते हिंद महासागर में घुसा है। भारत इससे पहले 10 और 11 नवम्बर को इस मिसाइल का परीक्षण करनेवाला था, लेकिन चीनी जासूसी जहाज के आने के बाद उसे टाल दिया था। भारत की ओर से जारी ताजा नोटिस के मुताबिक यह मिसाइल 2200 किमी तक मार करने में सक्षम है। वहीं, कुछ रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि यह मिसाइल भारत की सबमरीन से लॉन्च की जाने वाली के-4 मिसाइल है, वहीं अन्य खबरों में कहा गया है कि यह अग्नि सीरिज की मिसाइल है। भारत की पनडुब्बी से दागे जाने वाली मिसाइल के-4 की मारक क्षमता 3500 किमी है। चीन का दूसरा जासूसी जहाज यूआन वांग 5 अभी इंडोनेशिया के बाली के पास स्थित है।

जलवायु की चिंता छोड़ अफ्रीकी गैस के पीछे पड़े हैं यूरोपीय नेता

टिम शाउएनबेर्ग (एजेंसी)। ऊर्जा संकट और रूसी गैस के विकल्प की भूख में फंसे यूरोपीय नेता बीते कुछ महीनों से अफ्रीका में जीवाश्म ईंधनों की परियोजनाओं पर नजर गड़ाये हुए हैं। उनके अफ्रीकी समकक्ष भी इन्हें बेचने में दिलचस्पी ले रहे हैं। सेनेगल और मौरितानिया लिक्विफाइड नेचुरल गैस यानी एलएनजी जर्मनी भेजने की योजना बना रहे हैं। सेनेगल की सरकार को उम्मीद है कि यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को 2023 से 25 लाख टन गैस भेजना शुरू कर 2030 में इसे एक करोड़ टन तक पहुंचा देंगे। अफ्रीकी संघ और ज्यादा ऊर्जा के बुनियादी ढांचे के लिए दबाव बना रहा है इसमें जीवाश्म गैस भी शामिल है। दक्षिण अफ्रीका और तंजानिया जैसे देश अछूते भंडारों का गढ़ हैं और इससे उन्हें अरबों डॉलर की कमाई हो सकती है। अफ्रीकी संघ के कार्यकारी निदेशक राशिद अली अब्दल्लाह ने कहा कि वास्तव में यह अफ्रीका के एक बड़ा अवसर है। ना सिर्फ यूरोप बल्कि वैश्विक संकट के दौर में अफ्रीका मांग पूरी करने में मदद कर सकता है। अब तक दुनिया में जीवाश्म गैस के कुल उत्पादन का महज छह फीसदी ही अफ्रीका में होता था।

गुजरात चुनाव से पहले एटीएस की बड़ी कार्रवाई

100 से ज्यादा ठिकानों पर रेड, 65 लोग गिरफ्तार

गांधीनगर (एजेंसी)। गुजरात विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच एटीएस ने बड़ी कार्रवाई की है। राज्य के 13 जिलों के 100 से भी ज्यादा ठिकानों पर एटीएस ने रेड मारी है। ये कार्रवाई 11 से 12 नवम्बर की रात को हुई है। सूत्रों के मुताबिक, गुजरात एटीएस ने जीएसटी विभाग के साथ साझा ऑपरेशन को अंजाम दिया है। इस कार्रवाई में 65 लोगों को गुजरात एटीएस की तरफ से गिरफ्तार भी किया गया है एटीएस ने सूरत, अहमदाबाद, जामनगर, भरूच और भावनगर जैसे जिलों में सौ से ज्यादा ठिकानों पर छापे मारें हैं। ये छापामारी अंतर्राष्ट्रीय मार्गों पर टैक्स चोरी और धन के लेन-देन को लेकर की गयी है। मिली जानकारी के मुताबिक, साजिद अजमल शेख और शहजाद नाम के शख्स एटीएस के रडार पर थे। एटीएस ने शुक्रवार रात सबसे पहले इन्हीं दो लोगों को गिरफ्तार किया। जांच में पाया गया कि साजिद और शहजाद कथित तौर पर पूरे राज्य में जीएसटी चोरी का बड़ा रैकेट चलाते हैं। मामले में करोड़ों रुपये की जीएसटी चोरी बतायी जा रही है। आशंका है कि गिरफ्तार किये गये लोगों के तार पीएफआई और हवाला रैकेट से जुड़े हुए हैं।

नीदरलैंड में क्राइम रेट कम, जेलों को किया जा रहा बंद

कोटा (एजेंसी)। पिछले कुछ सालों में नीदरलैंड में अपराध की दर सालाना गिरती जा रही है। इस वजह से इस देश की जेलों का हाल ये है कि यहां कैदी नहीं हैं। यहां की जेलों को बंद किया जा रहा है और होटल में तब्दील किया जा रहा है। यह सिलसिला 2013 में शुरू हुआ था। आखिर ऐसा क्या है कि इस देश में जेलों को बंद किया जा रहा है और यहां अपराध की दर गिरने की क्या वजह है? यह देश दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जहां की जेलों की यह स्थिति है। किस तरह से वहां की सरकार ने क्राइम रेट को कम किया। यह भारत के लिए अन्य देशों के लिए भी एक उदाहरण है। हमारे देश में आये दिन आपराधिक घटनाएं घटित होती रहती है। क्राइम रेट कम होने की

बजाये बढ़ता ही जा रहा है। ऐसे में यह जानना बहुत आवश्यक है नीदरलैंड में ऐसा क्या सिस्टम अपनाया गया कि वहां सलाखों के पीछे डालने के लिए अपराधी लगभग खत्म हो चुके है। वहां एक लाख आबादी पर बस 50 कैदी हैं। डच जस्टिस डिपार्टमेंट की तरफ से अनुमान लगाया गया है कि साल 2023 तक जेल की कुल आबादी बस 9,810 तक आ जायेगी। जेलों में अब अपराधी ही नहीं बचे हैं। हालत यह है कि नीदरलैंड में उसके पड़ोसी देश नॉर्वे से कैदी भेजे जा रहे हैं। क्योंकि, नॉर्वे में अपराध का स्तर काफी ज्यादा है।

क्या है डच जस्टिस सिस्टम

- डच जस्टिस सिस्टम को ऐसा बनाया गया है जहां कैदियों की सजा पर जोर देने की बजाय उनकी अपराध करने की भावना को समझने और अपराध की रोकथाम पर ज्यादा जोर दिया जाता है।
- इस सिस्टम में किसी अपराधी के जुर्म करने पर भारी जुर्माना अदा करना पड़ता है। इसके अलावा जिन कैदियों ने कई सालों की सजा काट ली होती है उनकी सजा को भी कम कर दिया जाता है।
- डच जस्टिस सिस्टम में कैदियों के लिए एक प्रोग्राम चलाया जाता है। जिसे हर कैदी को अटेंड करना होता है। इस प्रोग्राम में कैदियों की मदद के लिए मनोवैज्ञानिकों को जिम्मेदारी दी जाती है।
- मानसिक बीमारी से ग्रसित कैदियों पर विशेष ध्यान दिया गया। इस सिस्टम को सजा की बजाय समझ और रोकथाम पर आधारित करके बनाया गया।
- वर्ष 2016 में सरकार की तरफ से हुई एक स्टडी में कम अवधि की सजा के नियम और समाज पर इसके प्रभाव का अध्ययन किया गया था। इसकी वजह से जेल की आबादी को कम करने में काफी मदद मिली।

हिमालय क्षेत्र में मंडराता बड़े भूकंप का खतरा

काठमांडू (एजेंसी)। इस सप्ताह भारत और नेपाल के कुछ हिस्सों में लगे भूकंप के झटकों के कारण नेपाल में कम से कम छह लोगों की मौत हो गयी। बुधवार रात को अरुणाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में भी भूकंप के झटके महसूस किये गये। इस बीच, वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि हिमालय क्षेत्र में एक भूकंप आने का खतरा मंडरा रहा है बड़े इलाके पर असर डाल सकता है। वैसी स्थिति में जान-माल का नुकसान न्यूनतम करने के लिए पहले से बेहतर तैयारी जरूरी है। आईआईटी कानपुर के पृथ्वी विज्ञान विभाग के प्रोफेसरों ने भी भविष्य में एक बड़े भूकंप के आने की आशंका जतायी है। उनका कहना है कि धरती के नीचे भारतीय प्लेट व यूरेशियन प्लेट के बीच टकराव बढ़ रहा है।

सिडनी में क्रूज शिप पर 800 टूरिस्ट पाये गये कोरोना पॉजिटिव

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया में कोरोना विस्फोट हुआ है। यहां पहली बार एक दिन में आठ हजार से ज्यादा नये मामले आये हैं। सबसे ज्यादा न्यू साउथ वेल्स में 5715 केस आये हैं। राज्य के स्वास्थ मंत्री ब्रैड हैजार्ड के मुताबिक इनमें से 80 प्रतिशत मरीजों में ओमिक्रॉन वेरिएंट मिला है। एक हॉलिडे क्रूज में 800 यात्री कोरोना पॉजिटिव पाये गये हैं। जहाज को ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में डॉक कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया के गृह मंत्री ने शनिवार को जनता से कहा कि सिडनी में सैकड़ों यात्रियों के साथ एक क्रूज पर

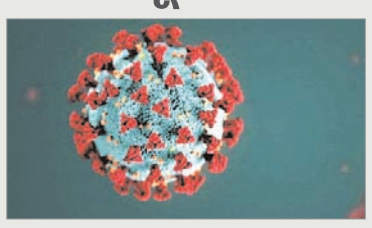

कोविड-19 पॉजिटिव पाये जाने के बाद प्रोटोकॉल का सावधानी से पालन किया जाये। वहीं, कार्निवल ऑस्ट्रेलिया के मैजेस्टिक प्रिंसेस क्रूज जहाज को सबसे अधिक आबादी वाले राज्य, न्यू साउथ वेल्स की राजधानी सिडनी में डॉक किया गया है। जहाज में 800 यात्रियों को कोरोना संक्रमित पाया गया है। राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों ने इसे टियर तीन ट्रांसमिशन बताया। गृह मामलों के मंत्री क्लेयर ओ नील ने कहा कि अधिकारियों ने शिप पर कोविड आउटब्रेक को ध्यान में रखते हुए प्रोटोकॉल बनाए हैं और न्यू साउथ वेल्स हेल्थ यह निर्धारित करने का बीड़ा उठाएगा कि यात्रियों को शिप से कैसे निकाला जाए। डेरेक ओ नील ने मेलबर्न में संवाददाताओं से कहा कि संघीय सीमा बल अधिकारी राज्य के अधिकारियों की मदद करेंगे।

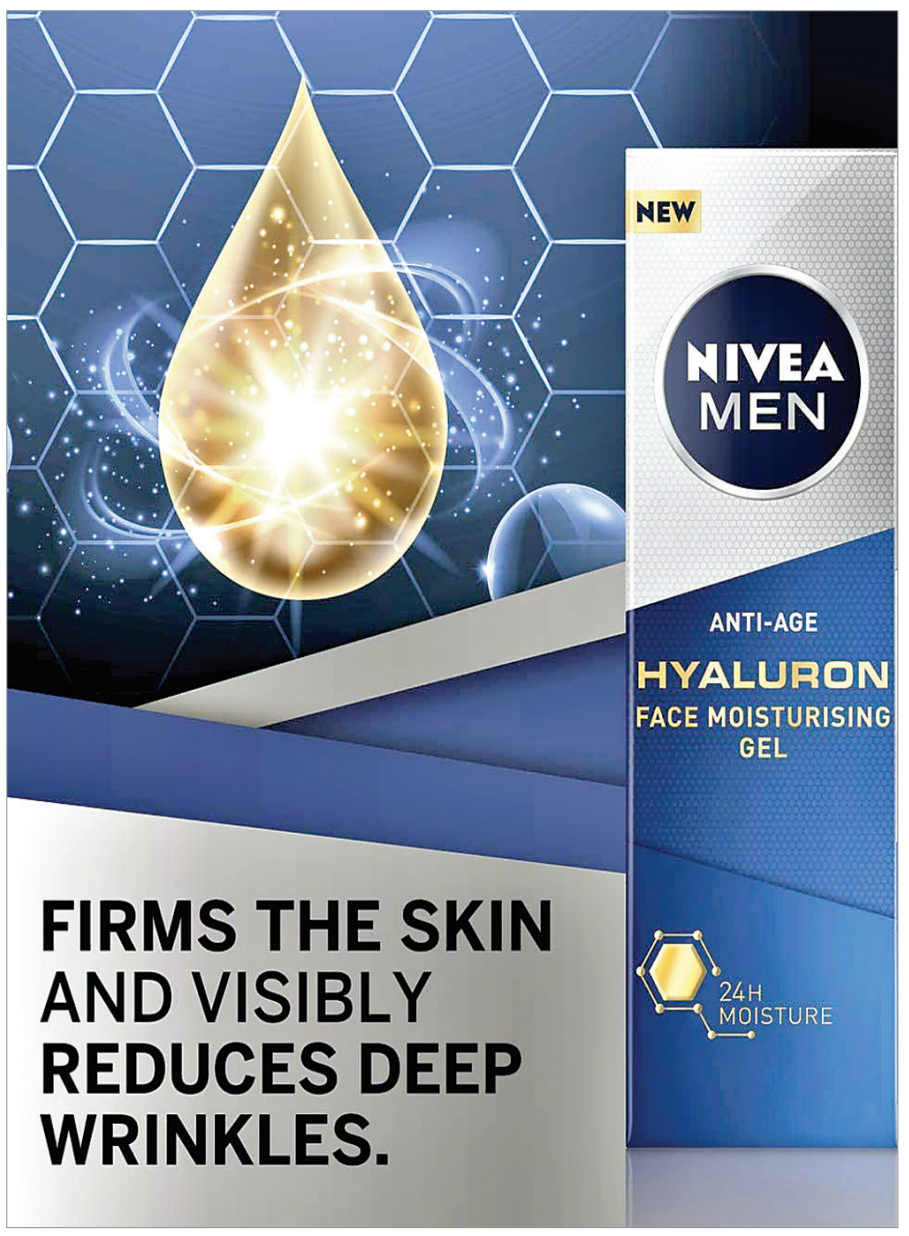

महाकाल का चमत्कार : पांच महीने से लापता बेटे की मन्नत लिये उज्जैन पहुंचा पिता, देखा- सामने खड़ा था अपना लाल

उज्जैन (एजेंसी)। वर्षों से लोग एक कहते-सुनते आ रहे हैं कि कुंभ में बिछुड़े कभी-कभार मिल भी जाते हैं। यह चमत्कारिक कहानी भी कुंभ स्थल महाकाल की नगरी उज्जैन से जुड़ी है। बेशक अभी यहां कुंभ नहीं चल रहा है और न किसी के यहां से बिछुड़ने का मामला है, लेकिन महाकाल की कृपा से एक पिता को यहां अपना खोया बेटा अवश्य मिल गया। यह कहानी एकदम फिल्मी दिखती है, लेकिन है रियल। यह कहानी उत्तर प्रदेश के कासगंज के रहनेवाले श्रीकृष्ण कुमार की है। उनके मुताबिक, करीब पांच महीने पहले मानसिक रूप से कमजोर उनका बेटा अचानक लापता हो गया था। पिता ने उसे सब जगह खोजा, पुलिस में भी मिसिंग रिपोर्ट दर्ज करायी, मगर वो नहीं मिला। पिता ने लगभग उम्मीद छोड़ ही दी थी कि कभी बेटा मिलेगा। श्रीकृष्ण के अनुसार, हर जगह से निराश उन्हें सिर्फ भगवान पर ही भरोसा रह गया था। तभी किसी ने उनसे कहा कि उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर में जाकर मन्नत मांगो, शायद बेटा मिल जाये।

महाकाल परिसर में ही मिल गया बेटा

श्रीकृष्ण 800 किमी दूर उज्जैन आये और महाकाल से अपने बेटे के लिए मन्नत मांगी।

तभी एक चमत्कार सा हुआ। उन्हें मंदिर परिसर के पास ही एक आश्रम में खोया बेटा बैठा मिला। यह देखकर पहले तो श्रीकृष्ण को विश्वास ही नहीं हुआ। फिर वे बेटे के गले लगकर फूट-फूटकर रोने लगा। उन्होंने कहा कि वाकई ये महाकाल का चमत्कार है कि जिसकी उम्मीद से वे यहां तक आये थे, वो मंदिर में पैर रखते ही पूरी हो गयी। श्रीकृष्ण ने मीडिया को बताया कि वे उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले के रामसिंहपुरा सोरो के रहनेवाले हैं। पांच भाइयों और एक बहन में मानसिक रूप से कमजोर पंकज 17 साल का है। श्रीकृष्ण मजदूरी करते हैं। बावजूद उन्होंने बेटे के इलाज पर कोई कसर नहीं छोड़ी। श्रीकृष्ण कुमार के अनुसार, पंकज छत पर सो रहा था। लेकिन अगली सुबह वो गायब था। उसे ढूंढ़ने अलीगढ़, बरेली और दिल्ली सहित तमाम शहरों के चक्कर लगाये, लेकिन वो मिला, तो महाकाल के दरबार में। श्रीकृष्ण कुमार के परिचित पवन समाधिया महाकाल के दर्शन के लिए आ रहे थे। जब श्रीकृष्ण ने अपने बेटे के लिए भी उनसे प्रार्थना करने की बात कही, तो पवन ने उन्हें भी अपने साथ चलने को तैयार कर लिया।

न्यूज गैलरी

खेलो इंडिया साइकिलिंग वुमन लीग में संतोषी उरांव ने जीता कांस्य पदक

रांची। लुधियाना साइकिल वैली रोड में 12 से 13 नवंबर तक आयोजित दो दिवसीय खेलो इंडिया विमेन साइकिलिंग लीग मैं झारखंड की संतोषी उरांव ने सब जूनियर बालिका वर्ग में मांस स्टार्ट स्पर्धा साइकिलिंग प्रतियोगिता में 25 की.मी की दूरी 44.24 मिनट में पूरी कर तृतीय स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक अपने नाम किया। उक्त पदक हासिल कर झारखंड का नाम रोशन करने पर झारखंड साइकिलिंग संघ के अध्यक्ष मधुकांत पाठक, झारखंड साइकिल संघ के महासचिव शैलेंद्र पाठक, झारखंड साइकिलिंग संघ के उपाध्यक्ष अम्लान कुसुम सिन्हा, मुकुल टोप्पो, सुरजीत कुमार, अनिल खन्ना, पप्प, झारखंड साइकिलिंग संघ के संयुक्त सचिव विनय विभाकर, झारखंड साइकिलिंग संघ कोषाध्यक्ष रणवीर सिंह, एस.के पांडे, सुरेश कुमार, संजेश मोहन ठाकुर, विनय पांडे, रामगढ़ जिला साइकिलिंग संघ अध्यक्ष शि.डी सिंह, गोड्डा जिला साइकिलिंग संघ के सचिव रितेश झा, विनय कुमार पांडे अध्यक्ष धनबाद जिला संघ, साहिबगंज जिला साइकिलिंग संघ अध्यक्ष राजेश कुमार यादव, गढ़वा जिला सचिव अरविंद दुबे, ओम प्रकाश गुप्ता, दुमका जिला साइकिलिंग अध्यक्ष वरुण कुमार, नवनीत कुमार, अमित कुमार लोहरदगा सचिव दीपक कुमार, जामताड़ा सचिव सलिल कुमार तथा साइकिलिंग संघ के पदाधिकारियों एवं साइकिलिंग के प्रशिक्षक रामकुमार भट्ट ज्रजे. एसएसपी एस ने बधाई दी।

सड़क के निर्माण कार्य का सांसद ने किया शिलान्यास

रांची । सांसद संजय सेठ ने राँची नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 50 में हुंडरू गरिया में राणा सिंह के घर से आरओ प्लांट तक 76 लाख की लागत से बनने वाले सड़क के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से विधायक नवीन जायसवाल डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय, वार्ड पार्षद पुष्पा तिर्की मौजूद रहे।

मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण तहत विशेष शिविर का आयोजन

रांची । मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के तहत रांची के विभिन्न बूथों पर शनिवार को विशेष शिविर का आयोजन हुआ । रांची डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर 3, धुर्वा सहित सभी बूथों पर वोटर लिस्ट का काम हुआ । आज भी सभी बूथों पर विशेष शिविर का आयोजन होगा । मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के अनुसार वैसे युवा जो 1 अक्तूबर 2023 को 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के हो रहे हैं वे मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं।

रांची विश्वविद्यालय मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन आयोजित

रांची। झारखण्ड छात्र मोर्चा द्वारा रांची विश्वविद्यालय मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया । इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने डोरंडा कॉलेज बीए पासकोर्स/ जेनरल, सत्र: 2019-22,सेमेस्टर-6 के विद्यार्थियों के मूल्यांकन में गड़बड़ी,टी आर शीट में गड़बड़ी,एडमिट कार्ड में गड़बड़ी का आरोप लगाया तथा रांची विश्वविद्यालय प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की । इस मौके पर छात्रों ने आरोप लगाया कि कुलपति के द्वारा आश्वासन मिला था कि एक हफ्ता में जांच कर फ्रेश रिजल्ट जारी किया जाएगा पर अब तक ना तो जांच हुई है ना ही रिजल्ट जारी किया गया । इसके विरोध में सभी छात्र रांची विश्वविद्यालय का घेराव कर रहे हैं।

जिला मुख्यालयों में कार्यक्रम के लिए आठ मंत्री बनाए गए प्रभारी

रांची। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 15 नवंबर को रांची और खूंटी के साथ जिला मुख्यालयों में भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के लिए सरकार के आठ मंत्रियों को विभिन्न जिलों का प्रभारी बनाया गया है। इस संबंध में मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग की ओर से संबंधित उपायुक्त और पुलिस अधीक्षकों को पत्र भेजा गया है। इन्हें मंत्रियों से संपर्क कर जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया गया है। ज्ञात हो कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राज्य स्थापना दिवस को लेकर खूंटी और रांची में आयोजित राजकीय मुख्य कार्यक्रमों में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगी। राष्ट्रपति के 14-15 नवंबर को राज्य दौरे के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को नोडल पदाधिकारी नियुक्त किया जा चुका है। राष्ट्रपति बिरसा कॉलेज मैदान, खूंटी में महिला सम्मेलन को संबोधित करेंगी। उनका महिला स्वयं सहायता समूह से बातचीत का भी कार्यक्रम है।

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन केअष्टम प्रांतीय अधिवेशन की तैयारियां पूरी

राज्यपाल रमेश बैस अधिवेशन का आज करेंगे उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अष्टम अधिवेशन रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में होगा। अधिवेशन की विस्तृत जानकारी अधिवेशन आयोजन समिति के स्वागताध्यक्ष पूर्व सांसद महेश पोद्दार एवं मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रवाल ने प्रेस वार्ता के माध्यम से देते हुए कहा कि अधिवेशन का उद्घाटन मारवाड़ी भवन में 13 नवंबर को पूर्वाहन 10.30 बजे महामहिम राज्यपाल रमेश बैस करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास मुख्य अतिथि के बतौर शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि कोरोना काल के बाद पहली बार झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन का ऐसा कोई भव्य आयोजन हो रहा है। इसके कारण सदस्यों में काफी उत्साह है। अधिवेशन के दौरान नवनिर्वाचित

अध्यक्ष बसंत कुमार मित्तल अपने पद की शपथ लेंगे। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन गाड़ोदिया होंगे। समापन समारोह अपराहन 3:30 होगा समापन समारोह के मुख्य अतिथि झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, मुख्य वक्ता कोल्हान विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डॉ० पवन पोद्दार विशिष्ट अतिथि धनबाद के पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल होंगे। उन्होंने बताया कि अधिवेशन में बड़ी संख्या में राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ ही विभिन्न प्रदेशों के पदाधिकारी भी शामिल हो रहे हैं। झारखंड में बड़े पैमाने पर सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। पूरे राज्य में 1001 नए सदस्य जोड़ने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि हमें 87 साल पुरानी अपनी सामाजिक संस्था पर गर्व है। वर्ष 1935 में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना कोलकाता में हुई थी। यह संस्था देश भर के मारवाड़ी समाज के सदस्यों के बीच समन्वय करती है। इसके द्वारा विभिन्न प्रकार के सामाजिक सुधार और सेवाकार्य भी चलाए जाते हैं। सम्मेलन ने देश भर में मारवाड़ी समाज के बीच पंचायत

> झारखंड में बड़े पैमाने पर सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। पूरे राज्य में 1001 नए सदस्य जोड़ने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि हमें 87 साल पुरानी अपनी सामाजिक संस्था पर गर्व है।

व्यवस्था भी लागू कर रखी है। ताकि आपसी विवादों का सामाजिक रूप से निराकरण संभव हो। उन्होंने कहा कि अधिवेशन में भागीदारी को लेकर सभी जिले में काफी उत्साह देखा जा रहा है। तथा अधिवेशन में 500 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे। अधिवेशन को सफल बनाने एवं तैयारियां हेतु बनाए गए अधिवेशन स्वागत समिति के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं व्यवस्था प्रमुख विभागों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। बैठक में 100 से भी अधिक सदस्यों ने भाग लिया।

बैठक में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, जिलाध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल, स्वागत मंत्री ललित कुमार पोद्दार, बसंत कुमार मित्तल, पवन शर्मा, विनय सरावगी, मनोज बजाज, संजय सर्राफ, अनिल अग्रवाल, रवि शर्मा, कौशल राजगढ़िया, चंडी प्रसाद डालमिया, मनोज चौधरी, प्रेम कटारुका, निर्मल बुधिया, श्याम सुंदर अग्रवाल, राहुल मारू, प्रकाश बजाज, अजय बजाज, सुनील केडिया, आनंद जालान, आकाश अग्रवाल, राम बांगड़, सुभाष पटवारी, विकास अग्रवाल, शशांक भारद्वाज, श्याम सुंदर शर्मा, अमित शर्मा, रोहित पोद्दार, सौरभ सरावगी, अनु पोद्दार, नेहा पटवारी, के अलावे बड़ी संख्या में सदस्यगण उपस्थित थे। उक्त जानकारी अधिवेशन स्वागत समिति के मीडिया संयोजक संजय सर्राफ ने दी।

80 बच्चों ने लिया मौलाना आजाद पर हुए लेखन प्रतियोगिता में हिस्सा

रांची। अंजुमन इस्लामिया की ओर से मौलाना आजाद की जंयती को शिक्षा, स्वास्थ्य और सद्भावना अभियान के तहत मनाया जा रहा है। इसी के तहत शनिवार को मेन रोड अंजुमन इस्लामिया हॉल में लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें पारामाउंट पब्लिक स्कूल, राइजिंग मून एन स्कूल, आजाद हाई स्कूल, संत जीएम स्कूल, केयूजी पब्लिक स्कूल, लिटिल एंजल स्कूल, ड्रीम लैंड पब्लिक स्कूल, राइन उर्दू स्कूल समेत एक दर्जन से अधिक स्कूल के बच्चों ने हिस्सा लिया। दिन के ग्यारह बजे से प्रतियोगित शुरू हुई। करीब 80 बच्चों ने इसमें हिस्सा लिया। बच्चों को मौलाना आजाद की जीवनी का टॉपिक दिया गया। प्रतियोगिता में शामिल बच्चों ने अपने-अपने स्तर से उनके जीवन के बारे में लिखा।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल रांची में ताइक्वांडो चैंपियनशिप का उद्घाटन समारोह आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल परिसर में चौथे बी.के. बिरला ताइक्वांडो ट्रॉफी के लिए सातवें जिला स्तरीय अंतर्विद्यालय ताइक्वांडो चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को रांची जिले के ताइक्वांडो एसोसिएशन द्वारा आयोजित किया गया।

इस समारोह में 16 विद्यालयों के लगभग 307 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस प्रतिस्पर्धा का उद्घाटन विद्यालय की प्राचार्या परमजीत कौर ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके पश्चात स्वागत गान प्रस्तुत किया गया। आज की प्रतियोगिता में अंडर 14 कैटेगरी के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। विद्यालय के कार्मिक एवं प्रशासनिक प्रमुख डॉ० प्रदीप वर्मा ने इस प्रकार की प्रतियोगिता आयोजन करने के लिए विद्यालय की सराहना की और प्रतिस्पर्धा में आए सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। प्राचार्या परमजीत कौर ने कहा कि प्रतियोगिताएं हमें शारीरिक एवं मानसिक रूप से मजबूत बनाती हैं जिससे हम भविष्य में हर परिस्थिति का सामना करने में सक्षम हो पाते हैं। ताइक्वांडो आत्मरक्षा की एक बेहतरीन तकनीक है इसे सभी लड़कियों को भी सीखना चाहिए।

श्री श्याम मित्र मंडल के स्वर्ण जयंती वर्ष पर महाभंडारे का हुआ आयोजन

3700 भक्तों के बीच श्री श्याम भंडारे का महाप्रसाद किया गया वितरण

नवीन मेल संवाददाता

रांची। ॐ नमो भगवते गोविंदाय, कृ कृष्णाय नमः, ॐ नमो भगवते नंदपुत्राय नमः, ॐ कृष्णाय गोविंदाय नमो नमः, ॐ श्री श्याम देवाय नमः, मंत्र से हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। श्री श्याम मित्र मंडल के स्वर्ण जयंती वर्ष 22:23 पर शनिवार को 36 वां श्री श्याम भंडारा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर खाटू नरेश सहित सभी देवी-देवताओं को भंडारे का भोग लगाते समय उपरोक्त मंत्रों का पाठ करते हुए देवताओं की मनुहार कर रहे थे। श्री श्याम मित्र मंडल के वरिष्ठ सदस्य राजीव रंजन मित्तल, सीए वरिष्ठ सदस्य कविता मित्तल ने अपने सुपुत्र यशवर्धन मित्तल ने अपने परिवार के साथ 36 वें श्री श्याम भंडार की सेवा निवेदित

मोटी-मोटी फूलों की मालाओं से खाटू नरेश का विशेष श्रृंगार किया गया

श्री राजीव रंजन मित्तल कविता मित्तल के शादी के 35वें वर्षगांठ के अवसर पर हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में आज खाटू नरेश का लाल गुलाब फूल, सफेद स्टार फुल, तुलसीदल, पीला गेंदा, लाल गेंदा, के मोटी मोटी मालाओं से मनोहारी श्रृंगार किया गया। श्री हनुमान जी महाराज का विशेष श्रृंगार भी हुआ। इसके साथ सभी देवी देवताओं का गुरुजनों को भी अलौकिक श्रृंगार किया गया। श्रृंगार का दर्शन कर भक्तजन भाव विभोर हो रहे थे।

मंगलवार को सुंदरकांड : श्री श्याम मित्र मंडल के स्वर्ण जयंती वर्ष पर 15 नवंबर मंगलवार को हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में 24 व श्री सुंदरकांड पाठ व श्री हनुमान चालीसा का संगीतमय पाठ संध्या 4:30 बजे से होगा । मंडल के महामंत्री श्री विश्वनाथ नारसरीया और मंत्री श्री गौरव अग्रवाल ने सभी को आमंत्रित किया।

की। मंडल के अध्यक्ष सुरेश सराओगी के मार्गदर्शन में शुक्रवार से मंदिर के श्री श्याम रसोई में भंडारे का प्रसाद निर्मित किया गया। भोग अर्पित होने के बाद सभी वस्तु को विशाल भंडारे में मिश्रित करके सर्वप्रथम मंदिर के चार अचार्य गणों को प्रसाद खिलाकर दक्षिणा भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। राजीव रंजन मित्तल सीए ने परिवार संग खाटू नरेश के दरबार में मत्था टेक अपने परिवार के साथ साथ झारखंड की सुख समृद्धि की कामना की। भंडारे के वितरण समय के पूर्व ही भक्तों की अपार भीड़ इकट्ठा होना शुरू हो गई थी। सुरेश सरावगी के मार्गदर्शन में राजीव रंजन मित्तल, कविता मित्तल ने परिवार के साथ भंडारा वितरण प्रारंभ किया। खाटू नरेश की जय जयकारों से हरमू रोड गूंज रहा था। ध्वनि विस्तारक यंत्र से मंडल के महामंत्री विश्वनाथ नर्सरिया भंडारे की वितरण व्यवस्था तथा भक्तों का निरंतर संचालन कर रहे थे। लगभग 3700 भक्तों को श्री श्याम भंडारी का महा प्रसाद वितरित किया गया। संपूर्ण मंदिर परिसर भक्तजनों से भरा हुआ था। श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष सुरेश सराओगी, महामंत्री विश्वनाथ नारसरीया, राजीव रंजन मित्तल, श्रवण, प्रदीप राजगढ़िया, गौरव अग्रवाल मोनू, अनिल नारनौली, स्नेह पोद्दार, पूर्व सांसद अजय मारु, कल्पना मारू, कविता मित्तल, संजय अग्रवाल सीए, अन्नपूर्णा सराओगी,मीरा अग्रवाल, विशाल पोद्दार, राजेश अग्रवाल, मनोज खेतावत सहित 100 से ज्यादा स्वयंसेवक व कार्यकर्ताओं ने भंडारे की व्यवस्था में सहयोग किया।

नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2022-23 की तैयारी को लेकर उपायुक्त ने की बैठक

संवेदनशील बूथों से संबंधित प्रस्ताव दो दिनों के अंदर भेंजे : उपायुक्त

नवीन मेल संवाददाता

रांची। आगामी नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2022-23 की तैयारी को लेकर आज दिनांक 12 नवंबर 2022 को जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त रांची श्री विशाल सागर, संबंधित निवार्ची पदाधिकारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, अंचल अधिकारी बुंडू, नामकुम, शहर, हेहल, अरगोड़ा, बड़गांई, प्रखंड विकास पदाधिकारी नगडी, कार्यपालक दंडाधिकारी शशिनीलिमा डुंगडुंग, साधना जयपुरियार और ब्रजलता उपस्थित थे। बैठक के दौरान उपायुक्त श्री राहुल कुमार सिन्हा द्वारा जिला अंतर्गत नगरपालिका निर्वाचन 2022-23 हेतु मतदाता सूची तैयार करने की विस्तार से समीक्षा की गई। उपायुक्त द्वारा सभी

ईआरओएवं अएफ्ट सघन जांच कर मतदाता सूची यथाशीघ्र तैयार करने का निर्देश दिया गया। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रांची द्वारा मतदान केंद्रों की भौतिक सत्यापन की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कि कहीं भी मतदान केंद्र परिवर्तन की आवश्यकता है तो इससे संबंधित प्रस्ताव भेजें। उपायुक्त द्वारा सभी मतदान केंद्रों की जांच कर 2 दिनों के अंदर संवेदनशील मतदान केंद्रों का प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि संबंधित अंचल अधिकारी और थाना प्रभारी मिलकर प्रस्ताव भेजें।

खेलकूद व युवाकार्य निदेशक औचक निरीक्षण करने आवासीय फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र गिरिडीह व देवघर पहुंचे

नवीन मेल संवाददाता

रांची। खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय के निदेशक महोदया सरोजनी लकड़ा ने शनिवार को औचक निरीक्षण करने आवासीय फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र गिरिडीह एवं आवासीय फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र देवघर पहुंचे। आवासीय प्रशिक्षण केंद्र गिरिडीह पहुंचने पर जिला खेल पदाधिकारी अर्जुन बारला ने स्वागत किया। निरीक्षण के क्रम में आवासन स्थल, भोजन व्यवस्था, खेल उपकरण एवं मैदान के बारे में विस्तृत जानकारी ली और जिला खेल पदाधिकारी को निर्देश भी दिया

निरीक्षण के क्रम में गिरिडीह में खेल विभाग द्वारा बनाए जा रहे हैं मल्टीपरपस बैडमिंटन हॉल भी पहुंचे वहां कार्य कर रहे हैं संवेदक से भी बात की काम से संतुष्ट नजर आए और जल्द से जल्द बनाने का आदेश भी दिया। इसी क्रम में अपराहन 3:00 बजे देवघर स्थित मेघा स्पोर्ट्स कंपलेक्स कुमैठा पहुंचे। पहुंचने के बाद जिला खेल पदाधिकारी डॉ प्राण महतो ने निदेशक महोदया का स्वागत किया ,यहां प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं फुटबॉल खिलाड़ियों से भी मुलाकात की है एवं वस्तु स्थिति से अवगत हुए जिला खेल पदाधिकारी द्वारा बताए गए समस्याओं को बहुत ही जल्द निजात दिलाने की बात कही स्पोर्ट्स कंपलेक्स कुमौठा देवघर में 200 बेड के हॉस्टल का भी निरीक्षण किया साथ ही वहां बैडमिंटन कोर्ट, मल्टी जिम स्विमिंग पुल बास्केटबॉल कोर्ट और वॉलीबॉल कोर्ट का भी निरीक्षण किया।

डॉ तोशिकी ओसादा ने झारखंडी व जापानी भाषाओं के अंत:संबंध पर चर्चा की

रांची। रांची विश्वविद्यालय के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संकाय में शनिवार को इंटर यूनिवर्सिटी रिसर्च इंस्टीट्यूट कॉपोरेशन एंड इंस्टीट्यूट फॉर दी ह्यूमिनिटी, जापान के भाषा वैज्ञानिक प्रो डॉ तोशिकी ओसादा का व्याख्यान आयोजित किया गया। इसका विषय था झारखंडी व जापानी भाषाओं का अंत:संबंध। डॉ तोशिकी ओसादा ने कहा कि हमलोगों को अपनी भाषा और संस्कृति नहीं छोड़नी चाहिए। चाहे परिस्थिति जो भी हो। अपने पारंपरिक ज्ञान से आनेवाली पीढ़ी को भी अवगत कराएं, ताकि वे अपनी परंपरा को जान सकें।

हेमंत सरकार में माफियाओं का दबदबा जारी : रघुवर

नवीन मेल संवाददाता

रांची। हेमंत सरकार बिचौलियों, सिंडिकेट और माफियाओं के इशारे पर चलने वाली सरकार है। इसके आने के बाद से राज्य में खनिज संपदा की हेराफेरी हुई है। इसके साथ ही झारखंड की महिला पूरी तरह से सुरक्षित महसूस नहीं कर पा रही हैं। उन्होंने ही आदिवासियों को ठग कर 2019 में सरकार बनाई थी। वह समझ चुके हैं कि अब आदिवासी उनके झांसे में नहीं आएगा। उक्त बातें झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास ने कहीं। वह आज दुमका परिसदन में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा परिवारवाद और भ्रष्टाचार वाली पार्टी है। आज जब उनके कारनामों के कारण एऊ उनके द्वार तक पहुंची है, तब उन्हें आनन-फानन में 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति व पिछड़ों के आरक्षण की याद आ रही है। जबकि उन्होंने चुनाव में वादा किया था कि सरकार बनने के तीन माह के अंदर ही 1932 खतियान लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने ईडी के समन मिलने के बाद आनन फानन में एक दिन का सदन बुलाया और बिना प्रक्रिया पूरी की है 1932 का खतियान और आरक्षण नीति लागू करने का ढोंग किया। दोनों ही मामलों में नियमों का पालन नहीं किया गया। इससे मुख्यमंत्री की मंशा स्पष्ट होती है। उन्हें स्थानीय नीति लागू करना होता तो इसे केंद्र के पास भेजने की आवश्यकता नहीं थी। सातवीं अनुसूची में संविधान राज्य को स्थानीय नीति परिभाषित करने का अधिकार देता है। न्यायालय ने भी इस संबंध में अपना फैसला दिया है। जैसा कि हमने 2016 में स्थानीय नीति व नियोजन नीति परिभाषित की थी। तब इसे केंद्र सरकार के पास नहीं भेजा था। बल्कि राज्य सरकार ने अपने स्तर पर ही इसे बनाया और लागू किया था।

प्राकृतिक खेती में तकनीकी प्रबंधन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन

कृषि वैज्ञानिकों ने प्राकृतिक खेती पर अधिक अनुसंधान की आवश्यकता जताई

नवीन मेल संवाददाता

रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के निदेशालय प्रसार शिक्षा द्वारा 24 जिलों के कृषि विज्ञान केन्द्रों (केवीके) के वैज्ञानिकों के लिए आयोजित प्राकृतिक खेती में तकनीकी प्रबंधन विषयक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन संपन्न हुआ मौके पर निदेशक प्रसार शिक्षा की अध्यक्षता में इंटरफेस चर्चा का आयोजन किया गया। चर्चा में शामिल प्रतिभागी 45 केवीके वैज्ञानिकों एवं प्राकृतिक खेती विशेषज्ञ डॉ अरबिंद कुमार एवं डॉ सीएस सिंह ने प्राकृतिक खेती के अनुपालन में स्थानीय उपयुक्त एवं वर्त्तमान मांग आधारित तकनीकी संसोधन के समावेश पर

बल दिया। वैज्ञानिकों ने परंपरागत जैविक खेती/ आधुनिक जैविक खेती के स्थान पर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने में अधिकाधिक अनुसंधान एवं फसल प्रदर्शन का डाटा बैंक तैयार करने की आवश्यकता जताई।

डीन वानिकी डॉ एमएस मल्लिक ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण झ पत्र प्रदान किया। उन्होंने नाहेप-कास्ट परियोजना के तहत प्राकृतिक खेती पर परियोजना सौपने और डाटा बैंक तैयार करने का प्रस्ताव दिया। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद डॉ रंजय कुमार सिंह ने दी। मौके पर प्राकृतिक खेती विशेषज्ञ डॉ अरबिंद कुमार एवं डॉ सीएस सिंह ने झारखण्ड में प्राकृतिक खेती की संभावनाओं पर अपने विचारों को रखा। संचालन एवं धन्यवाद डॉ रंजय कुमार सिंह ने दी। कार्यक्रम समन्यवयक एवं केवीके चतरा के वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान डॉ रंजय कुमार सिंह ने बताया कि आईसीएआर, नई दिल्ली एवं आईसीएआर- अटारी पटना के सौजन्य से झारखण्ड राज्य के 9 जिलों में किसानों के बीच प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देने के लिए परियोजना का कार्यान्वयन किया जा रहा है। इसके तहत कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से जिलों के प्रगतिशील एवं अन्य किसानों के लिए जागरूकता अभियान, प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्षण का आयोजन होगा। राज्य में नामकुम स्थित हार्प पलांडू संस्थान तथा आरके मिशन स्थित केवीके में प्राकृतिक खेती पर शोध कार्य शुरू हो चुका है। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है।

पेज एक के शेष

मुख्यमंत्री ने सरायकेला को दी... को सरकार थाम आपको आगे बढ़ायेगी।

अब बिचौलियों की जरूरत नहीं, अपना मार्ग प्रशस्त करें : मुख्यमंत्री ने कहा कि पेंशन योजना से बिचौलियों को सरकार ने पेंशन के रास्ते से हटा दिया। अब सभी को सर्वजन पेंशन योजना का लाभ प्राप्त हो रहा है। इसके लिये किसी बिचौलिये की जरूरत नहीं है। सरकार स्वरोजगार के लिए लोन उपलब्ध करा रही है। जिसके जरिये जरूरतमंद स्वरोजगार अपना कर अपने स्वावलंबन का मार्ग प्रशस्त करें।

देश-विदेश में देंगे शिक्षा : मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए सरकार मदद करेगी। सरकार उन्हें योजनाओं से जोड़कर विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी हेतु सहयोग करेगी। साथ ही अगर कोई प्रतिभाशाली स्टूडेंट विदेश में पढ़ाई करना चाहता है तो उसे भी सरकार मदद करेगी। निजी क्षेत्र के उपक्रमों में 75 प्रतिशत आरक्षण मूलवासी-आदिवासी प्राप्त हो इसके लिये अलग से शिविर आयोजित किया जायेगा, ताकि उनको उनका अधिकार मिल सके।

तुपुदाना रिंग रोड पर बस... को एक-एक कर निकाला गया और आनन-फानन में घायल यात्रियों को रिम्स, सदर अस्पताल और अन्य अस्पताल में भेजा गया। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गयी। जानकारी के अनुसार, घायल यात्रियों में प्रीति उरांव, सीमा उरांव और जोहान टोपोन को बेहतर इलाज के लिए रिम्स में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। रिम्स के ट्रामा सेंटर में चिकित्सकों की निगरानी में घायलों का इलाज हो रहा है। इस दुर्घटना में बस यात्री इतने गंभीर रूप से घायल हुए हैं कि उन्हें पीसीआर वैन से ही रिम्स अस्पताल भेज दिया गया।

आज के बच्चे ही कल का भारत बनायेंगे : पंडित नेहरू

नेहरू जी के जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। पलामू सहित पूरे भारत में बच्चों के लिए विशेष तौर से मनाए जाने वाले त्योहारों में बाल दिवस का प्रमुख है। जिसका बच्चे को बड़ी बेसब्री से इंतजार करते हैं। बाल दिवस मनाने की परंपरा 1956 से शुरू हुई थी। उस समय भारत में 20 नवंबर को बाल दिवस मनाया जाता था।

14 नवंबर को नेहरू जयंती कहें या फिर बाल दिवस, यह दिन पूर्णत बच्चों के लिए समर्पित है। नेहरू जी का बच्चों से बड़ा स्नेह था और वे बच्चों को देश का भावी निमार्ता मानते थे। बच्चों के प्रति उनके इस स्नेह भाव के कारण बच्चे भी उनसे बेहद लगाव और प्रेम रखते थे और उन्हें चाचा नेहरू कहकर पुकारते थे। यही कारण है कि नेहरू जी के जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। पलामू सहित पूरे भारत में बच्चों के लिए विशेष तौर से मनाए जाने वाले त्योहारों में बाल दिवस का प्रमुख है। जिसका बच्चे को बड़ी बेसब्री से इंतजार करते हैं। बाल दिवस मनाने की परंपरा 1956 से शुरू हुई थी। उस समय भारत में 20 नवंबर को बाल दिवस मनाया जाता था। लेकिन पंडित जवाहर नेहरू की मृत्य के बाद बाल दिवस के तारीख को बदलकर 14 नवम्बर कर दिया गया । उसके बाद बाल दिवस मनाने की परंपरा 14 नवंबर को ही भारत में शुरू हुई। इसके पीछे की वजह थी कि पंडित जवाहरलाल नेहरू बच्चों से बहुत ज्यादा प्यार करते थे। अब बच्चे भी उन्हें उतना ही प्यार करते थे । यही कारण है कि उन्हें प्यार से बच्चे चाचा नेहरू कहा करते थे। बच्चे राष्ट्र के निर्माण में अपनी भूमिका बड़े ही ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ निभाएंगे। अगर देश को महान बनाना है तो बाल दिवस के महत्व को देश के हर एक नागरिक के पास पहुंचाना होगा । क्योंकि देश महान तभी बन सकता है जब उसमें सभी लोगों की सामूहिक भागीदारी होगी। बच्चों के चरित्र का निर्माण करना हमारा परम कर्तव्य है। अक्सर लोग बच्चों के बीच किताबें, खाना, चॉकलेट, खिलौने और अन्य जरूरी सामान बांटते हैं। इसके अलावा, वे अनाथालयों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं । जहां बच्चे प्रश्नोत्तरी, नृत्य, संगीत, खेल आदि जैसे कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। यहां तक कि बच्चों को पुरस्कार,भी वितरित किए जाते हैं। बच्चों को उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण के लिए सरकार द्वारा लागू या घोषित विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूक करने के लिए विभिन्न जागरूकता सत्र आयोजित किए जाते हैं। बाल दिवस के दिन टेलीविजन पर भी कुछ खास कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। कई समाचार पत्र इस दिन विशेष लेख भी निकालते हैं, जो देश के विभिन्न कोनों में बच्चों की अपार प्रतिभा को प्रदर्शित करता है। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने कहा था।आज के बच्चे ही कल का भारत बनाएंगे। जिस तरह से हम उन्हें पालेंगे, वही देश का भविष्य तय करेगा। बाल दिवस चाचा नेहरू के प्रसिद्ध विचारों को याद करने और मनाने का एक सुंदर अवसर है। बाल दिवस का जश्न बच्चों और वयस्कों दोनों को जागरूक करने का एक शानदार तरीका है । बच्चे ही देश के असली भविष्य हैं। इसलिए सभी प्रत्येक बच्चे को एक पूर्ण बचपन प्रदान करने की जिम्मेदारी को समझना चाहिए। आज हम अपने बच्चों को जो प्यार देते हैं, उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना, वे कल हमारे देश के भाग्य के रूप में खिलेगा।

❖ वेद प्रकाश

बच्चों के अच्छी शिक्षा व सीख से ही देश का भविष्य उज्जवल होगा

पलामू सहित पूरे देश में चाचा नेहरू के जन्मदिन पर 14 नवंबर को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। चाचा नेहरू को बच्चों से अधिक लगाव था। कहा जाता है कि बच्चे नाजुक मन के होते हैं और हर छोटी चीज या बात उनके दिमाग पर असर डालती है। जो देश के आने वाले कल के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए उनके क्रियाकलापों, उन्हें दिए जाने वाले ज्ञान और संस्कारों पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही बच्चों की मानसिक और शारीरिक सेहत का ख्याल रखना भी बेहद जरूरी है। बच्चों को सही शिक्षा, पोषण, संस्कार मिले यह देशहित के लिए बेहद अहम है। क्योंकि आज के बच्चे ही कल के भविष्य है। सभी स्कूल और कॉलेजों में बाल दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता हैं। इस दिन को हर स्कूल के शिक्षक और छात्र अपनी दिनचर्या से बाहर निकलते हैं। बच्चे भविष्य के पथ प्रदर्शक होते हैं। इसलिए स्कूलों में इस दिन विभिन्न कार्यक्रमों जैसे प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद, सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे नृत्य, संगीत और नाटक के साथ मनाता है। शिक्षक छात्रों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन और प्रदर्शन करते हैं। चाचा नेहरू हमेशा मानते थे की बच्चों को बेहतर कल के लिए बच्चों के बचपन के महत्व के बारे में बताते हैं। आज के बच्चे ही कल के नागरिक है। पंडित जवाहरलाल नेहरू का कहना है कि देश के भविष्य बच्चे ही है। बच्चों की अच्छी परवरिश माता पिता के साथ साथ स्कूल में अध्यापकों की जिम्मेदारी है। बच्चों को बचपन से ही अच्छी शिक्षा के साथ अच्छी सीख भी देनी चाहिए । तभी देश का भविष्य उज्वल होगा। बच्चों को अच्छे नागरिक के रूप में तैयार करने के लिए उनके साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए और उनको प्रेम से ये सभी बातें समझाने की जरूरत है। उनके साथ बुरा बर्ताव या बुरा व्यवहार नहीं करना चाहिए । बल्कि प्यार से उनको अच्छी सीख मिलना चाहिए। बच्चों को समझने और उनके प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए ही 14 नवंबर को बाल दिवस मनाया जाता है। बाल दिवस चाचा नेहरू की जन्मदिन पर मानते हैं। पंडित जवाहरलाल नेहरू को बच्चों से बेहद प्यार और लगाव था। पंडित नेहरू देश के प्रथम प्रधानमंत्री थे। वे स्वतंत्रता सेनानी के साथ साथ भारत के प्रधानमंत्री के रूप में लंबे समय तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

❖ कुमारी रिया

चाचा नेहरू का बच्चों के प्रति दोस्ताना रवैया था

जिस तरह हम बच्चों का पालन-पोषण करेंगे देश का भविष्य उन्ही पर निर्भर होगा। बच्चे देश के भविष्य है, ये हमारे कल की उम्मीद है। बाल दिवस की शुरूआत किए जाने का मूल कारण बच्चों की जरूरतों को स्वीकार करने, उनको पूरा करने, उनके अधिकारों की रक्षा करने और उनके शोषण को रोकना था। ताकि बच्चों का समुचित विकास हो सके। लेकिन बाल दिवस, स्कूलों, सरकारी और निजी संस्थानों, सरकारी विभागों के लिए एक औपचारिकता भर बनकर रह गया है । जिसके चलते पढ़ने-खेलने की उम्र में भारतीय बच्चों का एक बड़ा हिस्सा शोषण का शिकार है। बालश्रमिक कारखानों, दुकानों, होटलों आदि में मजबूरी में मजदूरी करते देखे जा सकते हैं। अबोध बचपन बाल तस्करी की भेंट चढ़ रहा है। जब तक सरकारी नियमों का कड़ाई से पालन नहीं होता है। ऐसे बच्चों के राहत और पुनर्वास के कदम नहीं उठाए जाते, तब तक देश में बाल दिवस के अवसर पर औपचारिक आयोजनों के जरिए खानापूर्ति होती रहेगी । उनका मूलभूत सुविधाओं से वंचित, शोषित बचपन सिसकता रहेगा। उन्हें आधुनिक शिक्षा नहीं मिल पाती इसलिये वो पिछड़े ही रह जाते है। हमें उन्हें आगे बढ़ाने की जरूरत है। क्योंकि बाल दिवस को सार्थक बनाने के लिए समाज के सभी वर्गों और सरकारी तंत्र को संवेदनशील बनना होगा । देश के भविष्य को बेहतर बनाने की दिशा में योगदान करने के लिए आगे आना होगा। जो मुमकिन है जब सभी भारतीय अपनी जिम्मेदारियों को समझेंगे। खासतौर से पलामू सहित पूरे भारत के उपेक्षित बच्चों के लिये अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के द्वारा उनके भविष्य के बारे में सोचने पर मजबूर करता है। ये केवल तब ही मुमकिन है जब सभी लोग बच्चों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से समझें। देश के भविष्य उन्हें प्यार से चाचा नेहरू कहते थे। चाचा नेहरू कहे जाने से जुड़ी कई बातें कही जाती हैं। इनमें से एक के अनुसार बच्चों के प्रति दोस्ताना रवैया रखने के कारण बच्चे उन्हें चाचा नेहरू कहते थे। ऐसा भी माना जाता है कि महात्मा गांधी के निकट होने के कारण इनको चाचा की संज्ञा मिली क्योंकि ये महात्मा गांधी के लिए छोटे भाई जैसे थे और महात्मा गांधी को सब बापू कहते थे, ऐसे में उनके छोटे भाई यानि पं. नेहरू को चाचा की संज्ञा मिली। पंडित नेहरू बच्चों को किसी देश की वास्तविक शक्ति और समाज की बुनियाद मानते थे। पं. नेहरू ने कहा था, आज के बच्चे भावी भारत का निर्माण करेंगे। हम जिस तरह से उनका पालन-पोषण करेंगे उसी पर देश का भविष्य निर्भर होगा।

❖ ओपी

बच्चों की शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने का मुख्य उद्देश्य बाल दिवस है

बाल दिवस को स्कूलों और संस्थानो तक ही सीमित न रखकर इसका छोटे स्तर पर गरीब और जरुरतमंद बच्चों के बीच आयोजन करना चाहिए। ताकि वह भी अपने अधिकारों के विषय में जान सके। छोटे बच्चों के मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन करके। व्यस्क लोगों और अभिभावकों को बाल अधिकारों के विषय में जागरुक करके। जरुरतमंद बच्चों में भोजन, खिलौने, पुस्तकें और अन्य जरुरत की वस्तुएं बाटकर। यदि हम चाहें तो बाल मजदूरी रोकने के लिए जरुरतमंद बच्चों की सहायता कर सकते है और उन्हें शिक्षा का अवसर प्रदान करके तरक्की के ओर अग्रसित कर सकते हैं। भारत जैसे विकासशील देश में इसका महत्व और भी बढ़ जाता है । क्योंकि उभरती हुई अर्थव्यवस्था होने के कारण यहां बाल मजदूरी और बाल अधिकारों के शोषण की नित्य ही कोई ना कोई घटना सुनने को मिलती है। इसलिए यह काफी जरुरी है कि हम न सिर्फ बच्चों बल्कि उनके अभिभावकों को भी बच्चों के मौलिक अधिकारों के विषय में पूर्ण जानकारी दे। बच्चे देश के भविष्य हैं, वे ऐसे बीज के समान हैं जिन्हें दिया गया पोषण उनके विकास और गुणवत्ता निर्धारित करेगा। यही कारण है कि इस दिन बच्चों से जुड़े विभिन्न मुद्दों जैसे शिक्षा, संस्कार, उनकी सेहत, मानसिक और शारीरिक विकास हेतु जरूरी विषयों पर विचार विमर्श किया जाता है। कई स्कूलों व संस्थानों में बाल मेला एवं प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाती है। ताकि बच्चों की क्षमता और प्रतिभा को और बढ़ावा मिले। इस दिन विशेष रूप से गरीब बच्चों को मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने एवं बाल श्रम एवं बाल शोषण जैसे गंभीर मुद्दों पर भी विचार विमर्श किया जा सकता है। क्योंकि नेहरू जी के मन में बच्चों के प्रति खास जगह थी। बच्चे ही देश का भविष्य उज्वल कर सकते हैं यह मानते थे। पंडित नेहरु एक अच्छे और आदर्श राजनेता ही नहीं बल्कि एक अच्छे दार्शनिक और खूबसूरत इंसान भी थे। पंडित जवाहरलाल नेहरू अपनी व्यस्तता में भी बच्चों के लिए समय निकाला करते हैं। बच्चों के प्रति उनका प्यार और लगाव असीमित है। बच्चों के अच्छे भविष्य के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाओं का उद्घाटन नेहरू ने किया है। पंडित जवाहरलाल नेहरु बच्चों के भविष्य को लेकर एक ऐसा सपना देखा जहां ज्ञान ही सफलता हो। बच्चों को ऐसा ज्ञान प्राप्त करना हमारी जिम्मेदारी है। उन्हें आधुनिक शिक्षा देना जरूरी है। बच्चों के भविष्य को लेकर अनेक कल्याणकारी योजनाएं बनाने, बच्चों के भविष्य के प्रति निरंतर तत्पर एक महान राजनेता पंडित जवाहरलाल नेहरू थे। इसीलिए उनके जन्मदिन पर विशेष बाल दिवस मनाया जाता है।

❖ ओम प्रकाश उर्फ डब्लू

बाल दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है

बाल दिवस में बच्चों को अपनी प्रतिभा निखारने और प्रदर्शन करने का मौका पाते हैं। बच्चों के भविष्य और उनके इस तर्क को ध्यान में रखते हुए उन्हें दूसरों से बेहतर बनाने की कोशिश की जानी चाहिए। लेकिन इसके लिए बच्चों को किसी भी प्रकार के दबाव में नहीं लाना चाहिए ,अपने बच्चों के चुनाव कभी भी दूसरों के बच्चों के साथ ना करें ऐसा करने से आपके बच्चे में हीन भावना जागृत हो सकती है। बाल दिवस के दिन बड़े लोगों को यह संकल्प करना चाहिए कि वह अपने बच्चों को समाज के बनाए मानदंडों पर खरा उतारने के चक्कर में उनके बचपन को सवारना चाहिए। बच्चे बाल दिवस का बड़ी बेसब्री से इंतजार करते हैं। पंडित नेहरू को बच्चों से विशेष प्रेम था जिसकी वजह से बच्चे उन्हें चाचा नेहरू के नाम से संबोधित करते थे। बाल दिवस के दिन बच्चों के लिए शिक्षण संस्थानों में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। 1इस दिन बचे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते है। बाल दिवस मनाया जाने के पीछे सबसे बड़ी वजह यह है कि बच्चों के समग्र विकास के लिए उन्हें कुपोषण से दूर रखने के लिए उन्हें एक स्वस्थ और सरल जीवन शैली देने के लिए घर के बड़ों को प्रण लेना होता है। समाज में सबको एक विशेष कार्य किया जाना चाहिए। देश में बाल मजदूरी को अवैध घोषित करने के बावजूद आज भी भारत में कई जगह पर छोटे बच्चे काम करते दिखाई देते हैं ऐसे बच्चों को विद्यालय भेजकर उनके पढ़ने की सुविधा की देखभाल लोगों के द्वारा की जानी चाहिए। बच्चों के प्रति उनके इस विशेष प्रेम की वजह से ही पंडित जवाहरलाल नेहरू को बच्चे उन्हें चाचा नेहरू के नाम से पुकारते हैं। पंडित नेहरू जी के जन्मदिवस को ही हम अपने देश में बाल दिवस के रूप में मनाने का प्रचलन है। बाल दिवस के दिन कई सारे सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करके बच्चों बच्चों को इस दिन का महत्व समझाया जाता है। विद्यालय में विशेष तौर पर बाल दिवस के दिन कई सारे आयोजन करके बच्चों का मन बहलाया जाता है। बच्चों के कौशल को निखारने के लिए कई सारी प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाता है। बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रमों का आयोजन करके उन्हें उनके महत्व को बताया जाता है। बाल दिवस के दिन भारत सरकार को कुछ ऐसे कदम उठाने चाहिए जैसे समाज के ऐसे वर्गों के बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ा जा सके।

❖ रौशन कुमार प्रजापति

चाचा नेहरू स्वयं बाल दिवस उत्सव में शामिल होते थे

बाल दिवस के माध्यम से लोगों को बाल अधिकारों के विषय में जागरुक करना चाहिए। जरूरतमंद बच्चों के बीच भोजन खिलौने पुस्तकें और दूसरे प्रकार के जरूरी चीजें वितरण करनी चाहिए । ताकि उन्हें बुनियादी सुविधा जरुरतमंद बच्चों को दे सकें। ताकि बाल मजदूरी से उन्हें मुक्ति मिल सके। बाल दिवस बच्चों के लिए विशेष दिन होता है इस दिन विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं । जिसमें बच्चें बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं और अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया जाता है । 1964 में उनकी मृत्यु के बाद उस समय के तत्कालीन सरकार ने इस बात की घोषणा की कि जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन को अब भारत में बाल दिवस के रूप में मनाया जाएगा । तभी से 14 नवंबर को भारत में बाल दिवस के रूप में मनाया जाने लगा । बाल दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य है कि बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना। हर कोई बच्चों के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझे यहीं बाल दिवस का उद्देश्य है। बच्चों का मन बहुत ही निर्मल और कमजोर होता है । उनके सामने हर छोटी बात उनके दिमाग पर असर डालती है। जो देश के आने वाले कल के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए उनके क्रियाकलापों, उन्हें दिए जाने वाले ज्ञान और संस्कारों पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही बच्चों की मानसिक और शारीरिक सेहत का ख्याल रखना भी बेहद जरूरी है। बच्चों को सही शिक्षा, पोषण, संस्कार मिले यह हमारे देश के हित के लिए काफी जरुरी है। क्योंकि बाल दिवस के दिन आयोजित करना केवल स्कूल की जिम्मेदारी नहीं है । बल्कि सामाजिक और संयुक्त संस्थानों की भी है। बाल दिवस पर गीत संगीत नृत्य और नाटक का कार्यक्रम भी रखा जाता है। इसके साथ ही चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाता है। पंडित नेहरू जब जीवित थे तो स्वयं इस उत्सव में शामिल होते थे और बच्चों के साथ हंसते खेलते थे। जो भी हो वह कार्य के प्रति समर्पित हो तभी देश आगे बढ़ पायेगा।

❖ बजरंगी कुमार

संकलन : ओम प्रकाश प्रजापति